दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 236/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 12 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

24 घंटे में 7,830 नए कोरोना केस, 16 मौतें

नई दिल्ली। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 7,830 नए केस सामने आए हैं। इस दौरान 14 लोगों की जान भी गई। 7 महीने बाद नए केस साढ़े 7 हजार से ज्यादा आए हैं। 31 अगस्त को 7,946 केस मिले थे।

सांध्यप्रकाश विशेष

दिग्विजय सिंह ने फिर कहा कमलनाथ ही कांग्रेस का सीएम चेहरा

भोपाल। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर स्थिति साफ कर दी। उन्होंने विदिशा में पत्रकारों से कहा कि प्रदेश में हमारा एक ही चेहरा है, वो हैं कमलनाथ। इसके बाद अब कांग्रेस में असमंजस के कोई हालात नहीं रहे। उधर, भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने भी जबलपुर में शिवराज सिंह को ही मुख्यमंत्री का चेहरा बताते हुए, खुद को रेस से अलग बताया।

यह भी साफ़ हो गया कि प्रदेश में कांग्रेस और भाजपा दोनों के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे कौन होंगे। ये विवाद अब खत्म होता नजर आ रहा है। दोनों ही दलों के बड़े नेताओं ने अपनी-अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के नाम पर जमी धूल साफ कर दी। अब बिना किसी किंतु-परंतु के कांग्रेस का चेहरा कमलनाथ और भाजपा की और से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने भाषणों में इस बात का संकेत देते रहे हैं, कि अगला चुनाव उनके ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा। दोनों चुनाव अभियान दल का नेतृत्व करते हुए एक दूसरे के खिलाफ जमकर हमलावर हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर पर तो रोज शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ के बीच दावों और वादों को लेकर तलवारें भांजी जा रही है। अब कैलाश विजयवर्गीय और दिग्विजय सिंह के स्पष्टीकरण से साफ है कि मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ ही अपनी-अपनी पार्टी ने नेता होंगे।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा 'मैं रेस में नहीं!'- भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री के चेहरे की सफाई देने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने अपने कंधों पर ली। उन्होंने जबलपुर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि में मुख्यमंत्री पद की रेस से बाहर हूं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का चेहरा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ही होंगे। पार्टी उन्हीं के नेतृत्व में अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर अपने नाम पर लगने वाले कयास पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि उन्हें भी अखबारों में छपी खबर से पता चलता है कि वे इस पद की रेस में हैं। जबकि, पार्टी में इसके लिए स्पष्ट नीति है।

महिला आईएएस अधिकारी सहित दर्जनों यात्री, दो घंटे उड़ान का करते रहे इंतज़ार

क्या आप सोच सकते हैं कि जिस पायलट को फ्लाइट में होना था वह किसी दूसरी फ़्लाइट में चला गया और यात्री अपनी फ्लाइट के उड़ान का 2 घंटे तक इंतजार करते रहे? कुछ ऐसा ही पिछले दिनों एक फ्लाइट में हुआ जिस पर महिला आईएएस अधिकारी ने ट्वीट कर नाराजगी जाहिर करते हुए, अपनी और फ्लाइट के यात्रियों की पीड़ा व्यक्त की।

दरअसल शुक्रवार की रात मुम्बई से दिल्ली जा रहे गो फर्स्ट की फ्लाईट में दर्जनों यात्री जिसमें एक वरिष्ठ महिला आईएएस अधिकारी भी थीं, को लगभग दो घंटे फ्लाईट के उड़ान के लिए इसलिए इंतज़ार करना पड़ा क्योंकि फ़्लाइट के पायलट, जैसा कि यात्रियों को बताया गया, किसी दूसरे फ्लाइट में चले गए.

लगभग एक घंटे के इंतज़ार के बाद उक्त महिला आईएएस अधिकारी सोनल गोयल ने अपने गुस्से का इज़हार करते हुए ट्वीट किया जिसमें उन्होंने इस बात पर गहरी आपत्ति जतायी कि दर्जनों यात्री जिसमें बुजुर्ग और बच्चे भी हैं उनको बिना बताए और बिना फूड सर्व किए फ़्लाइट में बैठाए रखा गया है और फ़्लाइट उड़ान नहीं भर रही है।

महिला अधिकारी का पहला ट्वीट एक घंटे की प्रतीक्षा के बाद जिसमें उन्होंने लिखा कि पैसेंजर्स फ़्लाइट में एक घंटे से बैठे हुए हैं जबकि फ्लाइट का डिपार्चर टाइम 22.30 पर था और एयरलाइंस स्टाफ यह कह रहा है कि कैप्टन उपलब्ध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कैबिन क्रू प्रतीक्षारत यात्रियों को फ़ूड सर्व नहीं कर रहा है। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि जब कैप्टन उपलब्ध नहीं है तो इन सारे यात्रियों को फ़्लाइट में बैठाया क्यों गया और उन्होंने कहा कि इसके बारे में यात्रियों को पहले से सूचना भी नहीं दी गई।

एयरलाइंस ने इस ट्वीट पर भी जवाब देते हुए यह कहा कि कई बार ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जिनके बारे में पहले सोचा हुए ना हो और वे पूरी कोशिश करेंगे अपने सेवाओं में सुधार के लिए।

भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार रंजन श्रीवास्तव ने इसी संदर्भ में भोपाल से हैदराबाद की इंडिगो फ्लाइट का जिक्र किया कि कैसे उन्हें फ्लाइट में ले जाने वाले बस में बैठने के बाद लगभग डेढ़ घंटे से ऊपर प्लेन में बैठने के लिए भोपाल एयरपोर्ट पर इंतज़ार करना पड़ा।

स्मार्ट सिटी के अफसरों का अजब कारनामा, एक गली में 85 चेंबर

इंदौर। सरकार करोड़ों रुपए खर्च करके इंदौर को स्मार्ट सिटी बना रही है, लेकिन नगर निगम के अधिकारी और इंजीनियर उन करोड़ों रुपए के लोकधन को किस प्रकार बर्बाद कर रहे हैं, इसका एक और मामला सामने आया है। निगम इंजीनियरों ने नार्थ राज मोहल्ला की एक गली में 85 चेंबर बना दिए। इससे लाखों रुपए अकारण खर्च किए गए।

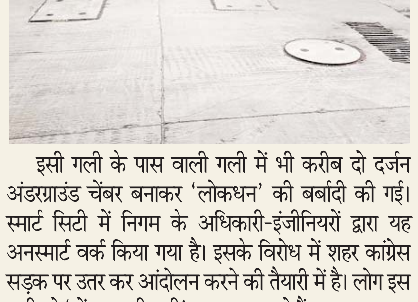

इसी गली के पास वाली गली में भी करीब दो दर्जन अंडरग्राउंड चेंबर बनाकर 'लोकधन' की बर्बादी की गई। स्मार्ट सिटी में निगम के अधिकारी-इंजीनियरों द्वारा यह अनस्मार्ट वर्क किया गया है। इसके विरोध में शहर कांग्रेस सड़क पर उतर कर आंदोलन करने की तैयारी में है। लोग इस गली को 'चेंबर वाली गली' कहकर पुकारते हैं।

शहर कांग्रेस प्रवक्ता संजय बाकलीवाल ने बताया कि नॉर्थ राजमोहल्ला का दौरा करने पर यह सामने आता है कि यहां स्थित गार्डन के पास वाली रोड पर नगर निगम के अधिकारियों द्वारा 85 अंडरग्राउंड चेंबरों का निर्माण करवाया गया है। करीब 200-300 मीटर लंबाई की रोड पर इतने अधिक चेंबर निर्माण करने से स्थानीय लोग ही नहीं अन्य कॉलोनियों के रहवासी भी हैरान हैं। निगम के ही एक इंजीनियर ने बताया कि एक अंडरग्राउंड चेंबर के निर्माण में करीब 25 हजार रुपए का खर्च आता है।

इतने कम क्षेत्र में 85 चेंबर बनाने से करीब 22 लाख रुपए लोकधन खर्च किया गया। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसी क्या जरूरत सामने थी कि करीब 200-300 मीटर लंबी रोड पर इतने अधिक चेंबर बनाने पड़े। सिर्फ यही नहीं इसके पास वाली रोड पर भी निगम के स्मार्ट इंजीनियरों ने करीब दो दर्जन चेंबर बनाकर यहां भी लाखों रुपए लोकधन बर्बाद किया है।

ठेकेदारों को फ़ायदा पहुंचाया- शहर कांग्रेस प्रवक्ता बाकलीवाल ने आरोप लगाया कि इतनी छोटी जगह में इतने अधिक चेंबर बनाने से ऐसा प्रतीत होता है कि नगर निगम के अधिकारी और इंजीनियरों ने ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए एक ही गली में 85 चेंबर बनवाए है। इतनी छोटी जगह में इतने अधिक चेंबर नहीं बनवाए जाते है। शहर कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रवक्ता संजय बाकलीवाल मांग करते हैं एक गली में 85 चेंबर बनाने के मामले में निगमायुक्त जांच करवाए और दोषी अधिकारी या इंजीनियरों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करे अन्यथा शहर कांग्रेस पार्टी सड़कों पर विरोध प्रदर्शन आंदोलन करेगी। इस प्रकार अनस्मार्ट वर्क करने वाले नगर निगम और स्मार्ट सिटी के इंजीनियरों को अनस्मार्ट प्रमाण-पत्र भी देकर सम्मानित किया जाएगा।

नई पार्टी का ऐलान भी लेकिन बीजेपी छोड़ने का दावा नहीं: नारायण त्रिपाठी

भोपाल। विंध्य पार्टी के गठन की सभी औपचारिकताएं पूरी कर चुके मैहर के भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी खुलकर भाजपा छोड़ने का दावा नहीं कर पा रहे हैं। दबे छुपे शब्दों में वे सिर्फ इतना ही कह पा रहे हैं कि वे विंध्य की जनता के साथ हैं। इधर अब अपनी नई पार्टी के गठन का ऐलान करने वाले भाजपा विधायक पर पार्टी क्या फैसला लेती है या साफ नहीं हो सका है।

गौरतलब है कि मैहर से भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी ने सोमवार को सतना में कहा था कि जल्द ही विंध्य पार्टी के गठन की औपचारिकताएं पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि एक सूत्रीय अभियान के तहत विंध्य पार्टी विधानसभा के आगामी चुनाव में रीवा-शहडोल संभाग के सातों जिलों की सभी 30 सीटों में अपने प्रत्याशी उतारेगी। उनके इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि त्रिपाठी ने भाजपा से बगावत कर दी है और वे अपनी नई पार्टी का गठन करने जा रहे हैं।

नई पार्टी के गठन का दावा करने वाले त्रिपाठी अब भाजपा छोड़ने की बात पर साफ-साफ बोलने से बच रहे हैं।

उन्होंने एक चर्चा के दौरान कहा कि भाजपा छोटे-छोटे राज्य बनाने की पक्षधर रही है। अटल बिहारी बाजपेई की सरकार ने ऐसा किया भी था। भाजपा भी चुनाव से पहले विंध्य राज्य बनाने का ऐलान कर दे तो विंध्य की जनता की मांग पूरी हो जाएगी।

भीतर के विद्यार्थी को जिंदा रखें: मोदी

मप्र के चयनित शिक्षकों के कार्यक्रम से जुड़े प्रधानमंत्री

भोपाल। मध्यप्रदेश के चयनित शिक्षकों को बुधवार को मुख्यमंत्री निवास में नियुक्ति पत्र दिए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवनियुक्त शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़े। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश में जिन हजारों शिक्षकों की नियुक्ति हुई, उन्हें एक बात कहना चाहता हूं- आप अपने पिछले 10-15 साल के जीवन को देखिए। आप पाएंगे कि जिन लोगों ने आपके जीवन में सबसे ज्यादा प्रभाव डाला, उनमें आपकी माता और आपके शिक्षक जरूर हैं।

जिस तरह से आपके शिक्षक आपके हृदय में हैं,

वैसे ही आपको अपने विद्यार्थियों के दिल में जगह बनानी है। एक बात मैं हमेशा कहता हूं कि मैं मेरे भीतर के विद्यार्थी को कभी मरने नहीं देता। आप शिक्षक भले हैं, लेकिन आपके भीतर के विद्यार्थी को हमेशा चेतन मन रखें। आपके भीतर का विद्यार्थी ही आपको जीवन की ऊंचाइयों पर पहुंचाएगा। प्रधानमंत्री सुबह 11 बजे कार्यक्रम से जुड़े। 9 मिनट 50 सेकंड तक उन्होंने बात करते हुए उन्होंने शिक्षकों को अहम सुझाव दिए।

मप्र ने बड़ी छलांग लगाई है

मध्यप्रदेश में युवाओं को सरकारी नौकरी देने का अभियान तेज गति से चल रहा है। 22400 से ज्यादा युवाओं की शिक्षक के पद पर भर्ती हुई। आज अनेक युवाओं को नियुक्त पत्र भी मिले। कुल नई भर्तियों में से आधे शिक्षक आदिवासी इलाकों में भर्ती होंगे। खुशी है कि एमपी सरकार ने इस साल 1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा है। साल के अंत तक 60 हजार से ज्यादा शिक्षकों की नियुक्ति का भी लक्ष्य है। इसी प्रयास से मप्र ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे में एमपी ने बड़ी छलांग लगाई है। एमपी का स्थान 17 से 5 नंबर पर पहुंच गया है।

पहले साल 70, दूसरे साल सौ प्रतिशत वेतन देंगे: चौहान

मुख्यमंत्री ने कहा, जो पिछली सरकार ने गलत किया था, उसको सुधार रहा हूं। सैलरी को चार हिस्सों में बांटना और तरसा-तरसा कर देना मुझे ठीक नहीं लगता, इसलिए पहला साल आपकी परीक्षा का तो 70प्रतिशत, दूसरे साल अच्छा पढ़ाओ तो 100प्रतिशत सैलरी दी जाएगी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, गुरु साधारण व्यक्ति नहीं होते। शिक्षक एक उद्देश्य के लिए होते हैं। सीएम ने कहा, मैं 64 साल का हो गया हूं। मृत्यु अवश्यंभावी है। मैं कितने साल जीऊंगा? 10 साल या 15 साल जीऊंगा, लेकिन अगर मेरे मन में आ जाए कि शिवराज एक-एक क्षण ऐसा जी कि लोगों की जिंदगी संवर जाए, मैं कोशिश करता हूं। इसलिए लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना बन जाती है, जो लोगों का जीवन बदल देती है। टीचर्स से कहा- अपने कैसे जिएं, इसकी प्लानिंग करो। प्लानिंग करो कि हम बेहतर गुरु बनकर ऐसे बच्चे तैयार करेंगे, जो जमाना बदल दें। जैसे मेरे गुरु रतन चंद जैन। यदि मुझे वक्ता बनाने में किसी का योगदान है, तो मेरे गुरु का है। सीएम श्री चौहान ने कहा कि

प्रधानमंत्री श्री मोदी विजनरी लीडर हैं। उनके दृढ़ संकल्प के कारण एक सर्व सम्मत नई शिक्षा नीति भारत में आई है। इसके अंतर्गत ही शिक्षा व्यवस्था हो रही है। मध्य प्रदेश का स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग यह नीति अच्छी तरह लागू करने के लिए बधाई का पात्र है।

सीएम ने 6 शिक्षकों को दिए नियुक्ति पत्र

- ग्वालियर की शेफाली गुर्जर को उच्चतर माध्यमिक शिक्षक के रूप में स्कूल शिक्षा विभाग में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोठरी (सीहोर) में नियुक्ति दी गई है।
- भिंड के शुभम गुप्ता को जनजाति कार्य विभाग के अंतर्गत उच्च माध्यमिक शिक्षक के तौर पर सीएम राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुखतवा केसला (होशंगाबाद) में नियुक्ति मिली।
- राजगढ़ के हुकुमचंद राठौर को स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नावली (राजगढ़) में पोस्टिंग हुई है।

राजस्थान को पहली वंदे भारत मिली, मोदी ने दिखाई झंडी

जयपुर। राजस्थान की पहली वंदे भारत ट्रेन जयपुर से सुबह करीब 11.30 बजे दिल्ली कैंट के लिए रवाना हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली इस सेमी हाईस्पीड ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। देश की 15वीं वंदे भारत का रेग्यूलर संचालन 13 अप्रैल से अजमेर से दिल्ली कैंट के बीच किया जाएगा। इसके लिए आईआरसीटीसी ने आज से बुकिंग स्टार्ट कर दी है।

वंदे भारत के उद्घाटन के दौरान मोदी ने पहले की सरकारों पर रेलवे के राजनीतिकरण का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि जब लोगों को स्थायी सरकार मिली, उसके बाद रेलवे में तेजी से बदलाव शुरू हुए। मोदी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर चुटकी लेते हुए कहा कि वे इन दिनों राजनीतिक आपाधापी में

हैं, राजनीतिक संकटों से गुजर रहे हैं फिर भी समय निकालकर कार्यक्रम में पहुंचे।

पीएम ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन से जयपुर, दिल्ली आना-जाना आसान हो जाएगा। यह ट्रेन राजस्थान की टूरिज्म को भी मदद करेगी। पुष्कर और अजमेर शरीफ आस्था के स्थल तक पहुंचने में लोगों को आसानी होगी। बीते दो महीनों में ये छठी वंदे भारत ट्रेन है, जिसे हरी झंडी दिखाई गई। वहीं, कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जल्द ही देशभर में स्लीपर वंदे भारत ट्रेन भी चलाई जाएंगी।

गहलोत हमारे मित्र, राजनीतिक संकट में भी वक्त निकाला

मोदी ने सीएम अशोक गहलोत को अपना मित्र बताते हुए कहा, आप राजनीतिक संकट और आपाधापी से गुजर रहे हैं। लेकिन उसके बावजूद रेलवे के इस विकास कार्यक्रम के लिए आपने अपना समय निकाला और आप कार्यक्रम में आए इसके लिए मैं आपका आभार और अभिनंदन करता हूं। मोदी ने गहलोत से कहा, आप मेरे मित्र हैं और मुझे काम बताए हैं। आपका मुझ पर जो भरोसा और विश्वास है वो बना रहे।

भाजपा जन सेवा नही धन सेवा चल रही है

सागर। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा है कि सागर जिले की सुरखी विधानसभा में जन सेवा नही धन सेवा चल रही है और नए नए भाजपा में शामिल हुए नेता मंत्री बनकर पुरानी भाजपा को खत्म करने का काम कर रहे हैं। वे आज सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- सागर जिले के मप्र सरकार के मंत्रियों को मेरा स्पष्ट कहना है आप सब आज मंत्री हैं कल क्या होगा ये किसी को नही मालूम। कुर्सी किसी की सगी नही होती है, जब इससे उतरोगे तो क्या हश्र होगा आप समझ सकते हैं।

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में फायरिंग- 4 जवानों की मौत

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में बुधवार सुबह हुई फायरिंग में सेना के 4 जवानों की मौत हो गई। आर्मी ने कहा कि फायरिंग सुबह 4.35 बजे हुई। 4 मौतों के अलावा जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। पुलिस और सेना की टीमें मिलकर जांच करेंगी। अभी इस घटना को आतंकी हमला नहीं कहा जा रहा है।

सेना ने कहा कि हम सभी पहलुओं की जांच करेंगे। इसमें 2 दिन पहले यूनिट के गार्ड रूम से इंसास राइफल और गोलियां गायब होने का एंगल भी शामिल है। मिलिट्री स्टेशन को सील कर दिया गया है और लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी गई है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस को मिलिट्री स्टेशन के भीतर जाने की परमिशन नहीं दी गई है। सूत्रों ने बताया कि कैंट के बाहर से भीतर की ओर फायरिंग की गई है। ऐसे में इस हमले को आतंकी हमला बताया जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फायरिंग मिलिट्री स्टेशन के ऑफिसर्स मेस में हुई। बठिंडा के एसएसपी गुलनीत खुराना ने इस हमले के आतंकवादी घटना होने से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि यह जवानों की आपसी फायरिंग हो सकती है।

सऊदी की तेल उत्पादन में कटौती की योजना से भारत पर पड़ेगा बोझ

रियाद। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल ने संभावना जताई है कि सऊदी अरब, रूस और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) द्वारा तेल उत्पादन में कटौती के फैसले के बाद भारत का तेल आयात खर्च साल की दूसरी छमाही में बढ़ सकती है।

इस साल की दूसरी छमाही में बाजार बहुत तंग होंगे: बिरोल- बिरोल ने कहा कि सऊदी अरब, रूस और अन्य ओपेक प्लस उत्पादकों ने तेल उत्पादन में कटौती करने का फैसला किया है। और जब हम अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के विश्लेषण और तेल बाजारों को देखने वाली लगभग हर गंभीर संस्था के विश्लेषण को देखते हैं, तो यह पता चलता है कि इस साल की दूसरी छमाही में बाजार बहुत तंग होंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था और इसके उपभोक्ताओं पर पड़ेगा बोझ- आईईए के कार्यकारी निदेशक ने कहा कि भारत एक ऊर्जा आयातक देश है और देश में खपत होने वाले अधिकांश तेल का आयात किया जाता है। इसलिए प्रमुख उत्पादकों द्वारा तेल उत्पादन में कटौती का निर्णय सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था और इसके उपभोक्ताओं पर बोझ डालेगा। बिरोल ने कहा कि आने वाले वर्षों में तेल की कीमतों और आपूर्ति सुरक्षा चिंताओं पर दबाव कम होगा क्योंकि अधिक देश अब अपनी प्राकृतिक गैस का उत्पादन और निर्यात कर रहे हैं जिससे बाजार में तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का प्रवाह बढ़ेगा।

कर्नाटक: भाजपा की पहली लिस्ट जारी होने के बाद बगावत का दौर शुरू

एक ने दिया इस्तीफा, दूसरा बोला- दिल्ली जाउंगा

बेंगलुरू। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की पहली सूची जारी होने के बाद विरोध-प्रदर्शनों का दौर शुरू हो गया है। सूची में कुछ भाजपा विधायकों के नाम नहीं होने के बाद उनके समर्थकों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने मंगलवार को अपने 189 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। आगामी चुनावों के लिए भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बासवराज बोम्मई ने कहा कि नामों को लेकर आम सहमति है और इससे हर कोई खुश है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी ने भाजपा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

कर्नाटक के पूर्व उप मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी ने बुधवार को अथानी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट कटने के बाद विधान परिषद सदस्य और भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। भाजपा विधान पार्षद (एमएलसी) सावदी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैंने अपना फैसला कर लिया है। मैं भीख का कटोरा लेकर घूमने वालों में से नहीं हूं। मैं एक स्वाभिमानी राजनेता हूं। मैं किसी के बहकावे में आकर काम नहीं कर रहा हूं।

पहली महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम का गठन

मध्य प्रदेश से 2 महिला क्रिकेटर का भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम में चयन

भोपाल। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया सीएबीआई ने आज भारत की पहली 17 सदस्यीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की घोषणा की जिसमें मध्य प्रदेश की सुषमा पटेल (दमोह) एवं प्रिया कीर (नर्मदा पुरम)का चयन हुआ। भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम अपने पहले ऐतिहासिक दौरे पर दिनांक 25 से 30 अप्रैल के बीच 5 ञ्20 मैच खेलेगी मध्यप्रदेश के लिए यह गौरव की बात है कि सुषमा पटेल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है एवं मध्य प्रदेश की कृतिका चारवे भारतीय टीम की कोच बनकर टीम के साथ जाएगी। अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इन्हें मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया जिसमें भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की पहली कप्तान मध्य प्रदेश से होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सोनू गोलकर ने खुशी जताते हुए बताया कि हमारे लिए गौरव का क्षण है पिछले 2 वर्षों से हमारे प्रदेश की टीम राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करती आ रही थी जिसका आज हमें सुखद परिणाम मिला।

नर्स ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर इच्छा मृत्यु की इजाजत मांगी!

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

इंदौर रहने वाली और ग्वालियर के सरकारी अस्पताल में पदस्थ नर्स पूनम सरनकर ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर बेटी के साथ इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी है। नर्स का आरोप है कि गजरा राजा मेडिकल कॉलेज के डीन और जयारोग्य अस्पताल के अधीक्षक की प्रताड़ना से तंग आकर उसने यह फैसला किया। पीड़ित नर्स ने मुख्यमंत्री से 15 दिन के अंदर इच्छा मृत्यु की अनुमति देने या इन अधिकारियों को हटाने की मांग की। पूनम सरनकर ग्वालियर स्थित जयारोग्य चिकित्सालय में बतौर नर्सिंग ऑफिसर पदस्थ हैं। उन्होंने 5 अप्रैल को मुख्यमंत्री को यह पत्र लिखा है। इसमें नर्स ने अपनी बेटी के साथ इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग की। पूनम का आरोप है कि उसे छ माह से वेतन नहीं मिला। ऐसे में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। पूनम ग्वालियर में बेटी व माता-पिता के साथ किराए के मकान में रहती है। उनके पति इंदौर में छोटा-मोटा कारोबार काम करते हैं।

मुख्यमंत्री पत्र में पूनम ने आरोप लगाया कि जयारोग्य अस्पताल के अधीक्षक डॉ आरकेएस धाकड़ मेरा वेतन नहीं निकाल रहे हैं। गजरा राजा मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ अक्षय निगम ने उनके साथ अभद्रता की। पूनम कहती है कि डीन ने एक युवक को भेजकर मैसेज भेजा था कि रात को 8 बजे के बाद आकर मिल लो, आपकी पूरी सैलरी दिलवा देंगे।

जब पीड़ित नर्स ने दोनों अधिकारियों की शिकायत की, तो उसे लगातार नोटिस दिए जा रहे हैं। उस पर मानहानि का दावा करने की धमकी दी जा रही है। साथ ही उसकी शिकायत पुलिस से भी की गई। इसे लेकर वो अब थाने के चक्कर लगा रही है। इसी से परेशान होकर नर्स पूनम सरनकर ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर उसे बेटी के साथ इच्छा मृत्यु दिए जाने की मांग की है। 15 दिन में उसे इच्छा मृत्यु के लिए अनुमति देने या फिर दोनों वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने की मांग की है। पर, जानकारी मिली कि अभी तक इस पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं हुई!

स्व. हरचंद्र प्रजापति की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

भोपाल। भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पूनम प्रजापति ने स्व. हरचंद्र प्रजापति की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा राष्टीय उपाध्यक्ष, गोविंदपुरा विधानसभा की विधायक कृष्णा गौर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना जाचक, वार्ड 72 के पार्षद जोन 16 के अध्यक्ष विकास पटेल, जिला उपाध्यक्ष सतीश विश्वकर्मा, भानपुर मंडल अध्यक्ष नीलेश गौर, भाजपा अजजा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत के उपस्थिति में युवक-युवतियों ने रक्तदान किया ।कृष्णा गौर ने कहा कि रक्तदान महादान जीवनदान है, जिन लोगों ने रक्तदान किया है मैं उनको शुभकामनाएं देती हूं तथा सुख समृद्धि की प्रभु से प्रार्थना करती हूं, वंदना जाचक ने भी संबोधित किया ।पूनम प्रजापति ने अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर रक्तदान करने पर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गायत्री गायकवाड, प्रकाश पटेल, अनिल राजपूत, रमा कुशवाह, रीना धाकड़, भागवती पटेल, सीता चौरसिया, सविता द्विवेदी, कैलाश सोनी, भगवानदास गंगेले, शुभम कोरी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिन्धी दिवस पर शायरों ने सिंधियत की जलाई मशाल

पंचायत ने सभी शायरों का भगवान झूलेलाल की मूर्ति देकर किया सम्मान

संत हिरदाराम नगर। संत नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वाधान में सिंधी भाषा दिवस के उपलक्ष्य में सिंधी भाषा के सर्वधन जनहेतु कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। पंचायत सभागृह में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विदवान साहित्यकारो द्वारा भगवान झूलेलाल के छायाचित्र पर मालार्पण कर ज्योति जगाई। कवि गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ शायर खीमन यू मूलाणी ने की। पंचायत के अध्यक्ष साबू रीझवानी ने मातृ भाषा के सर्वांगीण विकास हेतु आमंत्रण शायरो का अभिनंदन कर सिंधी भाषा को भारत के संविधान के आठवें शेडयुल में मान्यता पर गर्व का एहसास किया और मातृ भाषा साहित्य, संस्कृति एवं सभ्यता पर शायरों के उनके प्रयासों को सराहा। महासचिव माधू चांदवानी ने सिंधी भाषा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। कवि सम्मेलन की कार्यवाही शायर परसो नाथानी ने चलाई। शायरों में मुख्य रुप से खीमन यू मूलाणी, नारी लच्छवानी, के.टी दादलानी, परसो नाथानी, कनयो शेवानी, आसूदो लच्छवाणी, रमेश तनवानी, कन्हैयालाल मोटवानी, राकेश शेवानी, साबू रीझवानी शामिल थे। सभी शायरों का शाल श्रीफल एवं भगवान झूलेलाल की यादगार मूर्ति देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पंचायत के उपाध्यक्ष जगदीश आसवानी, बसंत चेलानी, दयाल दोलतानी सहित कई उपस्थित थे।

भोपाल को-ऑपरेटिव सेंट्रल बैंक के कलेक्टर प्रशासक नियुक्त

भोपाल। भोपाल को-ऑपरेटिव सेन्ट्रल बैंक लिमिटेड भोपाल में उपायुक्त सहकारिता, जिला भोपाल के स्थान पर बैंक कार्य संचालन हेतु कलेक्टर जिला भोपाल को प्रशासक नियुक्त किया गया है। उक्त आदेश अनुसार कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा 6 अप्रैल को भोपाल को-ऑपरेटिव सेन्ट्रल बैंक लिमिटेड भोपाल के प्रशासक का पदभार भी ग्रहण कर लिया है।

गलत जांच रिपोर्ट देने पर अर्चना पैथोलॉजी पर प्रतिबंध

भोपाल । राजधानी में अर्चना पैथोलॉजी द्वारा गलत जांच रिपोर्ट देने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी द्वारा पैथोलॉजी को बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तिवारी द्वारा मरीज श्री चन्द्र प्रकाश जैन को गलत जांच रिपोर्ट देने की शिकायत पर अर्चना पैथोलॉजी लैब एक्सरे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर प्लाट नं. 22. पुराना एम.एल.ए. क्वार्टस के पास, दशहरा मैदान रोड, प्रियदर्शनी मार्केट के पीछे, नार्थ टी.टी. नगर भोपाल को बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं ।

एथोस लिमिटेड ने भोपाल में पहला बुटीक खोला

भोपाल। एथोस लिमिटेड ने अपने पहले मल्टी-ब्रांड के लॉन्च के साथ भोपाल में प्रवेश किया है। शहर में बुटीक,डीबी सिटी मॉल,अरेरा हिल्स में स्थित 506 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुआ हैं। एथोस लिमिटेड के सीईओ प्रणव साबू कहते हैं कि हम एक नए शहर में प्रवेश करके और भोपाल में अपना पहला बुटीक खोलकर खुश हैं। वह आगे कहते हैं कि हम नई घड़ी के प्रति उत्साही लोगों के साथ जुड़ने और हमारे साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। भोपाल के ग्राहक जो अब तक हमारे डिजिटल माध्यमों से जुड़े हुए हैं।

संत कंवरराम जयंती की पूर्वसंध्या पर आज कार्यक्रम

संत हिरदाराम नगर। उपनगर में सिंध के सूफी संत कंवरराम के अवतरण दिवस की पूर्व संध्या पर पूज्य सिंधी पंचायत कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है। 12 अप्रैल को भगत संजू पेश सिंधी तराने पेश करेंगे। जगदीश आसवानी ने बताया कि सीहोर नाका स्थित मुस्कान गार्डन में सिंधी भगत का आयोजन किया गया है जिसमें उल्हासनगर के लोक संगीत गायक संजू अपनी टीम के साथ संत कंवरराम के तराने प्रस्तुत करेंगे। सिंधी संस्कृति तथा सिंधी बोली लोक संगीत को ब?ाने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर किए जाएंगे।

चौक जैन मंदिर में भगवान जिनेन्द्र का अभिषेक

जिसने अहंकार को विसर्जित किया वही सुखी है: निर्दोष सागर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आत्मिक सुख के लिए सदा संतोषी बनो अहंकार को मन में रखोगे तो दुख ही दुख मिलेगा अहंकार को विसर्जित करोगे सभी सुखी होगी यह उद्गार आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि श्री निर्दोष सागर महाराज ने चौक धर्मशाला धर्म सभा व्यक्त करते हुए कहा आत्मिक सुख के लिए सदा संतोषी बनो जीवन का उद्देश्य निर्माण का नहीं निर्वाण का रखो दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट के मंत्री मनोज आर एम ने बताया धर्म सभा में अध्यक्ष मनोज बांगा की अगुवाई में समाज जनों ने श्री फल अर्पित किए आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि श्री निर्दोषसागर महाराज मुनि श्री निर्लोभसागरजी* महाराज मुनि श्री निरुपमसागरजी* महाराज चौक धर्म शाला में विराजमान हें प्रति दिन भगवान जिनेन्द्र के अभिषेक के साथ मन्त्रों चरित शांति धारा की जा रही हें इसके साथ ही राज धानी के मंदिरों में होने जा रहे पंच कल्याणक में बने माता पिता की गोद भराई भी की जा रही हें समाज के संगठन मांगलिक क्रियाओं के साथ पंचकल्याणक महोत्सव मैं बने प्रमुख पात्र भगवान के माता पिता की गोद भराई कर रहे हैं प्रति दिन सुबह प्रवचन 6 बजे तक युवा संबोधन चौक धर्मशाला में अनंत कालीन अभिषेक शांति धारा कक्षा समयसार आचार्य श्री की पूजा मुनि श्री के प्रवचन एवं आहार चर्या प्रात: 10 बजे ईया भक्ति दोपहर 2 सामायिक कक्षा व्याकरण 3 से 4 तक कक्षा सर्वार्थसिद्धि साय आचार्य भक्ति सामान्य उद्बोधन होता हें इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक जैन पंचरत्न, मंत्री मनोज आर एम उपाध्यक्ष प्रदीप सोगानी, उपमंत्रीद्वय दिलीप जैन मिंगू, एडवोकेट नील चौधरी सहित अनेक लोग मौजूद थे। श्वेतांबर जैन साध्वी पूज्य अमित गुणा जी स्नेहझराजी म, सा, सासंघ आज 12 अप्रैल को तुलसी नगर जैन मंदिर पहुंचेंगे श्री आदिनाथ श्वेतांबर संघ तुलसी नगर के अध्यक्ष वीरेंद्र कोठारी ने बताया प्रात: 8 वैशाली नगर से पद विहार कर पूज्य संघ तुलसी नगर जैन मंदिर पहुंचेंगे यह समाज द्वारा उनकी अगवानी की जाएगी साध्वी संघ के सानिध्य में श्री दिवसीय वर्षी तप पारणा महोत्सव होगा तुलसी नगर जैन मंदिर में होगा।

महापौर ने जयप्रकाश चिकित्सालय में दुलार किट किए वितरित

भोपाल। महापौर मालती राय ने जयप्रकाश चिकित्सालय 1250 में नवजात शिशुओं के लिए आवश्यक वस्तुओं से परिपूर्ण दुलार किट वितरित कीं। मन्नत वेलफेयर सोसायटी द्वारा तैयार दुलार किट नवजात शिशुओं की माताओं को उपलब्ध कराई गई। महापौर श्रीमती राय ने लगभग 40 दुलार किट वितरित किये। महापौर श्रीमती राय ने नवजात शिशुओं की आवश्यकताओं के दृष्टिगत दुलार किट तैयार करने पर मन्नत वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों की सराहना की। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष बृजुला सचान के अलावा मन्नत वेलफेयर सोसायटी की सुश्री अंजिता सबलोक, अमित सबलोक, निकिता गौरकुटे, पर्व सबलोक सहित जयप्रकाश चिकित्सालय के चिकित्सक व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

पेपर मर्चेन्ट एसोसिएशन के चुनाव में रामेश्वर अग्रवाल बने अध्यक्ष

भोपाल । राजधानी की पेपर मर्चेन्ट एसोसिएशन संस्था के चुनाव श्यामला हिल्स स्थित जहांनुमा होटल में सम्पन्न हुए जिसमें निर्विरोध सभी पदाधिकारी चुने गये जिसमें अरविंद गोयनका संरक्षक, रामेश्वर अग्रवाल अध्यक्ष, अनूप गुप्ता उपाध्यक्ष, संजीव कुमार अग्रवाल सचिव, अनुराग जैन सह सचिव, जय ठाकुर कोषाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्यों में शिखर वार्ष्णेय, वीर सिंह, अनिल शर्मा, नीरज अरोरा, रवि जैन चुने गये हैं। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों और व्यापारियों को सदस्यता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पदाधिकारियों ने घोषणा की कि संस्था पेपर मर्चेन्ट एसोसिएशन सभी व्यापारिक संस्थाओ के साथ सहयोग कर व्यापरियों के हित के लिए कार्य करेगी।

नवनियुक्त संरक्षक अरविंद गोयनका एवं अध्यक्ष रामेश्वर अग्रवाल ने बताया कि पेपर मर्चेन्ट एसोसिएशन व्यापारियों और उपभोक्ताओं के बीच सामंजस्य बनाकर सभी के हित के लिये योजनाऐं तैयार करेगी और साथ ही साथ शिक्षा, पर्यावरण और चिकित्सा के क्षेत्र में सामाजिक सरोकार से जु? रचनात्मक कार्य करेगी। आगामी 1 अगस्त को पेपर-डे के अवसर पर लोगों की भ्रांति कि पेपर से प्रदूषण होता है इसको दूर करने के लिये विशेष जनजागरण अभियान चलायेगी।

कलेक्टर ने कोचिंग और नशा मुक्ति केंद्र की फीस माफ करवाई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मंगलवार को हुई जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह एवं अन्य जिला अधिकारियों ने 100 से अधिक आवेदकों को व्यक्तिगत रूप से सुना तथा मौके पर ही हल हो सकने वाली समस्याओं का निराकरण संबंधित अधिकारियों से करवाया गया।

आवेदिका टीलाजमालपुरा निवासी पिंकी पवार ने जन सुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह को बताया कि उनके पति प्रकाश पवार फुटपाथ पर जूते चप्पल का ठेला लगाते थे विगत 5 से 6 वर्षो से उनकी किडनी खराब हो गई है और उनका डायलिसिस चल रहा है ।आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से वे नीट परीक्षा की तैयारी कर रही बेटी कुमारी दिव्या पवार की कोचिंग की फीस जमा करवाने के लिए सक्षम नहीं हैं।

इस पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने आवेदिका दिव्या पवार की कोचिंग की फीस माफ करवाने की व्यवस्था करवाई। इसी प्रकार आवेदिका राधाबाई धानक ने बताया कि उनका पुत्र अजय धानक 6 -7 माह से नशा मुक्ति केन्द्र में इलाजरत है अब अजय नशे को छो? चुका है और उसको अब हम घर लाना चाहते है लेकिन नशामुक्ति केन्द्र की 6-7 माह की फीस चुकाने की स्थिति में हम नहीं है। कलेक्टर आशीष सिंह ने खुशी जाहिर की कि आपका पुत्र अब नशा नहीं करता है अब उसकी स्थिति ठीक है। कलेक्टर श्री सिंह ने संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण आर.के.सिंह को संबंधित की मदद के निर्देश दिए और नशामुक्ति केन्द्र निदान, रातीब? के संचालक समर्थ दंडोतिया ने परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए 9 माहीने की फीस माफ कर दी हैं और अजय धानक अब खुशी-खुशी घर गया और राधाबाई ने कलेक्टर आशीष सिंह एवं संयुक्त संचालक सामाजिक न्यायआर.के. सिंह का दिल से आभार व्यक्त किया।

स्कूल संचालक पर एफआईआर दर्ज

भोपाल । जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मंगलवार को पोद्दार स्कूल अयोध्या बायपास रोड भोपाल के संचालक अंकित जैन के विरुद्ध धारा 144 के आदेश के उल्लघंन पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। कलेक्टर आशीष सिंह ने सोमवार को सभी एसडीएम और जिला शिक्षा अधिकारी भोपाल को निर्देश दिए थे कि कोई भी स्कूल प्रबंधन और शिक्षा संस्थान विधार्थियो को किसी विशेष दुकान से स्कूल सामग्री को खरीदने के लिए दबाव नहीं डालेगा, उसी परिपेक्ष्य में पोद्दार स्कूल के संचालक अंकित जैन के विरुद्ध धारा 144 के आदेश के उल्लघंन पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। पोद्दार इंटरनेशनल ग्रुप का मुख्यालय मुंबई में स्थित है एवं पूरे देश में इनके द्वारा 140 से अधिक संस्थान संचालित किए जा रहे हैं।

आईआईएसईआर भोपाल के शोधकर्ताओं के अध्ययन से ट्रांजिशन मेटल डाइचलकोजेनाइड्स में प्रकाश से उत्पन्न चार्ज कैरियर के गुणों का पता चला

भोपाल। भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भोपाल के शोधकर्ता ट्रांजिशन मेटल डाइक्लोजेनाइड्स (टीएमडी) के गुणों को समझने के लिए गहन शोध कर रहे हैं। शोध के केंद्र में मौजूद टीएमडी आधुनिक द्वि-आयामी मटीरियल्स हैं जिनमें विशिष्ट विद्युतीय, ऑप्टिकल और यांत्रिक गुण होते हैं।

मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड दस्श्वस्2) नैनोशीट्स विशेष प्रकार के टीएमडी हैं जिनके शोध से फोटोट्रांजिस्टर, लाइट डिटेक्टर, प्रकाश उत्सर्जक डायोड (एलईडी) और सोलर सेल जैसे आधुनिक ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा। शोध के निष्कर्ष हाल ही में द जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री सी एण्ड सरफेस एंड इंटरफेस एनालिसिस में प्रकाशित किए गए हैं। यह शोध डॉ. के. वी. आदर्श, प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, आईआईएसईआर भोपाल के मार्गदर्शन में किया गया और इसमें उनकी शोधार्थी सुश्री प्रवृति टांक, सुश्री रियांका कर्मकार शामिल थीं जिन्होंने इस कार्य में बराबर का योगदान दिया।

स्श्वस्2 नैनोशीट जैसे टीएमडी 2ष्ठ लेयर के सेमीकंडक्टर मटीरियल हैं और वे मोटाई पर निर्भर अपने बैंड गैप के चलते ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने की संभावना दिखा रहे हैं। पूर्व के शोध से यह निष्कर्ष प्राप्त है कि इसमें फ्री कैरियर और एक्सिटन्स पाए जाते हैं जो कि प्रकाश से इलेक्ट्रॉन के उत्तेजित होने से उत्पन्न पार्टिकल हैं। ये कैरियर इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह समझने के लिए वैज्ञानिकों ने कई अध्ययन किए हैं कि प्रकाश से उत्पन्न ये कैरियर कैसे व्यवहार करते हैं। इन अध्ययनों से यह सामने आया है कि कैरियर के डायनामक्सि को विभिन्न फैक्टर प्रभावित करते हैं जैसे डिफेक्ट, फ्री कैरियर, लैटिस हीटिंग और सैम्पल प्रॉसेसिंग। हालांकि उनके बीच अंतर करने में काफी कठिनाईया रही हैं।

डॉ. के.वी. आदर्श और उनकी पीएचडी छात्राओं सुश्री प्रवृत्ति टांक, सुश्री रियांका कर्मकार, डॉ. रितुराज शर्मा, डॉ. राजेश कुमार यादव, डॉ. मेघा श्रीवास्तव और श्री नरेश चंद्र मौर्य और इस शोध की अन्य भागीदार बीएआरसी, मुंबई की डॉ. देबजानी कर्मकार ने एक आधुनिक टेक्नोलॉजी फेमटोसेकंड ट्रांजियंट एब्जॉर्प्शन स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग कर यह पता लगाया कि प्रकाश कैसे फ्यू लेयर के स्श्वस्2 नैनोशीट्स से इंटरैक्ट करता है। उनके शोध से दो प्रकार के चार्ज पार्टिकल होने के स्पष्ट प्रमाण मिले - एक्साइटन्स और फ्री कैरियर, जो इस आधार पर अलग-अलग व्यवहार करते हैं कि उन्हें उत्तेजित करने में कितनी ऊर्जा लगी थी।

शोधकर्ताओं ने यह देखा कि उच्च-ऊर्जा प्रकाश से एक्साइटन्स और फ्री कैरियर उत्पन्न होते हैं लेकिन एक्साइटन्स डिफेक्ट के चलते जल्द गायब हो जाते हैं। दूसरी ओर फ्री कैरियर एक नैनोसेकंड (एक सेकंड के सौ हजारवें हिस्से) तक मौजूद रहे। कम-ऊर्जा प्रकाश से केवल एक्साइटन्स उत्पन्न हुए जो जल्द गायब हो गए। आईआईएसईआर भोपाल के डॉ. के.वी. आदर्श ने बताया, '' हमारा फ्यू लेयर स्श्वस्2 नैनोशीट का सुनियोजित अध्यन्न डिफेक्ट की उपस्थिति में एक्साइटन और फ्री केरियर रिकॉम्बिनेशन के अनदेखे पहलुओं की महत्वपूर्ण जानकारी देता है, जिसका उपयोग विभिन्न ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक ?प्लिकेशन्स में किया जा सकता है।''

वैज्ञानिकों ने कथित डिफेक्ट की विशेषताओं का भी परीक्षण किया है और डेंसिटी फंक्शनल थियरी (डीएफटी) और समय पर निर्भर डीएफटी का उपयोग कर सल्फर वैकेंसी? के विभिन्न प्रकार का भी अध्ययन किया है।

जिला पंचायत अध्यक्षों का बढ़ा मानदेय, राष्ट्रीय पर्व पर करेंगे ध्वाजारोहण

हीरा सिंह राजपूत के नेतृत्व में पंचायत मंत्री से मिले प्रदेश के जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश के जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों का एक प्रतिनिधि मण्डल जिला पंचायत अध्यक्ष संघ के अध्यक्ष एवं सागर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत के नेतृत्व में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया से मुलाकात कर अपनी 11 सूत्रीय मांगों को उनके समक्ष रखा। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे । मांगो पर सहमति जताते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के कार्यकाल में कोई भी दुखी नही रहेगा । प्रदेश के जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की जो भी मांगे है उनमे वित्त विभाग व सामान्य प्रशासन विभाग से संबंधित मांगे एक अनुमोदन पत्र के साथ मुख्यमंत्री को भेज दी गई है ।

जिला पंचायत अध्यक्षों की सभी मांगे मुख्यमंत्री के संज्ञान में है । मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में मेरे साथ राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत सहित अन्य मंत्रियों ने समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री को अवगत कराया है। पंचायत मंत्री श्री सिसोदिया ने कहा जिला पंचायत अध्यक्षों की सभी मांगों का परीक्षण कराकर मैंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है । बैठक में पंचायत मंत्री ने जिला पंचायत अध्यक्षों के मानदेय और वाहन भत्ते में वृद्धि की मांग को स्वीकार करते हुए राष्ट्रीय पर्व के समय जिला पंचायत अध्यक्षों को भी ध्वाजारोहण करने का अवसर प्रदान करने की स्वीकृति दी है । साथ ही जिला पंचायत से स्वीकृत होने वाले मनरेगा एवं 15 वें वित्त आयोग के कार्यों को छोडकर शेष सभी कार्यों की स्वीकृति जिला पंचायत अध्यक्ष से जरूरी होगी । पंचायत ग्रामीण विकास मंत्री महेन्द सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में जिला पंचायत अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों का एक प्रतिनिधि मण्डल बुधवार को प्रात॰ 8 बजे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुख्यमंत्री निवास पर उनसे मुलाकात कर मांगों के संबंध में चर्चा करेगा । इस अवसर पर सागर जिला पंचायत के अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत एवं देवेन्द्र सिंह उपाध्यक्ष जिला पंचायत सागर, अर्चना सिंह उपाध्यक्ष जिला पंचायत सिंगरौली, सागर जिला भाजपा मंत्री देवेन्द्र फुसकेले के अतिरिक्त विदिशा, छतरपुर, इंदौर, आगर-मालवा, बुरहानपुर, रतलाम, देवास, उमरिया, धार, गुना, शाजापुर, मण्डला, अशोकनगर, सीधी, नर्मदापुरम, मंदसौर, नीमच, पन्ना, राजगढ़, सीहोर, उज्जैन, रीवा, भोपाल, निवाड़ी और मुरैना के जिला पंचायत एवं उपाध्यक्ष उपस्थित थे।

प्रदेश के सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारियों के सामान महंगाई भत्ते की मांग

भोपाल। प्रदेश में मध्य प्रदेश के सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों को केंद्रीय कर्मचारियों की सामान महंगाई भत्ते की किस्त तुरंत देने हेतु अनेक संगठनों ने शासन से मांग की है पर अभी तक सही ढंग से निर्णय नहीं लिया गया प्रवेश के सेवा नेता अधिकारी कर्मचारियों में व्यापक असंतोष है। गांव से लेकर शहरों तक में सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों की संख्या लगभग 10 लाख से अधिक है परिवार सहित 70 लाख से अधिक है। इस बार चुनाव में मध्य प्रदेश का नया कीर्तिमान स्थापित करने के लिए सेवा नियुक्त अधिकारी कर्मचारियों की टीम तैयार की गई है जो प्रदेश में सही प्रकार से मतदान कराएगी तथा अच्छे लोगों को अच्छे विधायकों को जिताने के लिए बगैर राजनीतिक प्रयास करेगी। मध्यप्रदेश में दोनों सत्ता पर बैठे जनों ने कर्मचारी परिवार के साथ न्याय नहीं किया है जिस ढंग से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्मचारियों के हितों में अच्छा निर्णय लेते हैं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के बारे में भी निर्णय लेते हैं पर राज्य सरकार उसके विपरीत ढंग से कर्मचारियों में छत्तीसगढ़ किया मध्य प्रदेश के कर्मचारियों के साथ अन्याय करती है एक और लेट देती है महंगाई भत्ते की किस्त दूसरी ऐरियस का भुगतान नहीं करती राज्य के कर्मचारियों को भी 4 प्रतिशत केंद्र के समान महंगाई भत्ता भी नहीं दिया गया मध्य प्रदेश के 1500000 से शासकीय सेवक आसपास के सेवक नाराज हैं केंद्रीय नेतृत्व को मध्यप्रदेश पर ध्यान देना चाहिए नहीं तो चुनाव में नुकसान हो जाता है इस संदर्भ में शीघ्र केंद्रीय नेताओं से मिल सकता है मध्यप्रदेश शासकीय अधिकारी कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद शर्मा ने प्रदेश के कर्मचारी परिवार सही ढंग से चुनाव में सही प्रतिनिधि चुनते हैं कर्मचारी परिवार ने ही कांग्रेस को हराया था।

भोपाल कैसे स्वच्छ होगा, जिम्मेदार ध्यान ही नहीं देते

भोपाल । राजधानी में बिना अनुमति के पेड़ों और बिजली के खंभों पर विज्ञापन का चलन काफी जोर पकड़ रहा है । यह सब निगम के कर्मचारियों की अनदेखी और मक्कारी का नतीजा है। इस तरह के विज्ञापन से जहां निगम को लाखों रुपए के राजस्व की हानि हो रही है वहीं स्वच्छता सुंदरता को भी दागदार किया जा रहा है। नगरनिगम ने स्वच्छता एंबेसडर जो बनाए गए हैं उनको गंदगी कचरा क्यों नहीं दिखता, क्या केवल हां में हां मिलाना अच्छा लगता है। हम बात कर रहे हैं जोन नंबर 13 वार्ड नंबर 55 और जोन नंबर 19 वार्ड नंबर 85 की । उक्त क्षेत्र बागमुगलिया एक्सटेंशन अरविंद विहार, अमराई, साकेत नगर एम्स के आसपास कटारा हिल्स ग्लोबल पार्क सिटी के बागसेवनिया चारों तरफ बिजली के खंबों व पेड़ों पर विज्ञापन हो रहा है कई बार पर्यावरण प्रेमियों द्वारा निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को हुई अवगत किया जा चुका है लेकिन सभी कान में रुई और आंख पर सुंदरता का चश्मा पहने हुए है जिससे उन्हें यह अवैध विज्ञापन दिखाई नहीं देते हैं।इन पर कार्यवाही न होना या दर्शाता है कि विज्ञापन शाखा के प्रभारी इन अवैध होर्डिंग के प्रतिष्ठानों से अवैध वसूली भी कर रहे हैं। इसलिए जुर्माना और कार्रवाई नहीं हो रही है। क्या भोपाल को सुंदर बनाने के लिए जनता का सहयोग ही काफी है। स्वच्छता और सुंदरता के लिए निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाब दारी नहीं है। अगर निगम प्रशासन विज्ञापन शाखा के प्रभारी और कर्मचारियों पर कार्यवाही तो राजधानिबको स्वच्छता और सुंदरता में पहले नंबर पर आने से कोई नहीं रोक सकता।

कांग्रेस की मीडिया टीम में 3 नए उपाध्यक्ष, 4 प्रवक्ता नियुक्त!

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग ने आज अपनी टीम को विस्तारित किया। इस टीम में 3 नए उपाध्यक्ष और 4 प्रवक्ताओं की नियुक्ति की गई। मौजूदा प्रवक्ताओं में से ही 3 नए उपाध्यक्ष बनाए गए। इसके अलावा कांग्रेस ने सुनील कानूनगो को प्रदेश की चुनावी रणनीति का काम सौंप दिया। वे प्रशांत किशोर के करीबी रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के लिए प्रशांत किशोर के साथ मिलकर काम किया था।

आज घोषित प्रवक्ताओं में अवनीश बुंदेला, संतोष सिंह गौतम, आरपी सिंह को उपाध्यक्ष में नियुक्त किया गया। शहरयार खान, नीलाभ शुक्ला, प्रवीण धौलपुरे और अमीनुल सूरी को प्रवक्ता बनाए गए है। जबकि, अमित चौरसिया और शिवम शुक्ला संभागीय प्रवक्ता बनाए गए हैं।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव को कुछ ही महीने हैं। ऐसे में कांग्रेस अपने सोशल मीडिया टीम को मजबूती देने की तैयारी में जुट गई। कांग्रेस के बे नेता लम्बे समय से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ पर अपने समर्थकों के नाम जुड़वाने की कोशिश में थे। इसके बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यह लिस्ट जारी की। क्योंकि, चुनाव के दौरान मीडिया टीम की अहम भूमिका होगी।

चुनावी रणनीतिकार को जिम्मेदारी दी

इसके अलावा कांग्रेस ने प्रोफेशनल चुनावी रणनीतिकार को भी चुनावी जिम्मेदारी सौंप दी। प्रशांत किशोर के करीबी सुनील कानूनगो की कंपनी प्रदेश कांग्रेस के लिए रणनीति बनाएगी। सुनील कानूनगो ने 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के लिए प्रशांत किशोर के साथ मिलकर प्लानिंग की थी। ऐसे में कमलनाथ का उनको जिम्मेदारी सौंपना अहम फैसला माना जा रहा है। प्रदेश में कांग्रेस की जिम्मेदारी मिलने के बाद सुनील कानूनगो की टीम ने भोपाल में डेरा डाल दिया।

यह टीम सोशल मीडिया, विधायकों का सर्वे और जमीनी फीडबैक लेगी, ताकि चुनाव तक पूरी तैयारियां की जा सके। इसके अलावा सरकार की योजनाओं का जनता से फीडबैक लिया जाएगा। टीम जनता से फीडबैक लेने के बाद काउंटर रणनीति बनाएगी। कांग्रेस ने छिंदवाा के सांसद नकुलनाथ के भोपाल वाले बंगले को चुनावी वॉर रूम बनाया है।

श्रम विभाग से संबंधित कार्य की सुलभता के लिये इंटीग्रेटेड भवन बनेगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्रम मंत्री श्री ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आज भोपाल में मध्यप्रदेश श्रम सलाहकार परिषद की बैठक हुई। बैठक में श्रम मंत्री श्री सिंह ने कहा कि श्रम विभाग से संबंधित कार्यों के लिये जल्द ही भोपाल में इंटीग्रेटेड भवन तैयार किया जायेगा। भवन निर्माण के बाद श्रमिकों को कानूनी लाभ के लिये विभिन्न कार्यालयों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के लिये श्रमिकों का हित सर्वोपरि है। बैठक में विभिन्न औद्योगिक यूनियन संगठन के पदाधिकारियों ने श्रम कानूनों के सरलीकरण के लिये सुझाव दिये। इनमें श्रमिकों के वेतन पुनरीक्षण, श्रमिकों के पंजीयन की प्रक्रिया को आसान बनाना, श्रमिकों को न्यूनतम वेतन दिया जाना प्रमुख हैं। श्रम संगठन द्वारा यह भी सुझाव दिया गया कि उद्योगों में घटित घटनाओं में श्रमिकों पर आपराधिक प्रकरण पुलिस थाने में न होकर एक ही जगह श्रम न्यायालय में चलाये जायें। संगठन द्वारा श्रम यूनियन के रजिस्ट्रेशन नियमों में सरलीकरण किये जाने की माँग भी रखी गई। श्रम मंत्री श्री सिंह ने कहा कि श्रमिक परिवारों में सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित किया जायेगा और उन्हें राज्य शासन की तरफ से मदद उपलब्ध कराई जायेगी। उन्होंने संगठनों से फर्जी विवाह पर निगरानी रखे जाने की भी बात कही।

बैठक में मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल, मध्यप्रदेश शहरी असंगठित कर्मकार कल्याण, मध्यप्रदेश ग्रामीण कर्मकार कल्याण मण्डल, मध्यप्रदेश स्लेट, पेंसिल कर्मकार कल्याण मण्डल मंदसौर के प्रतिनिधि मुख्य रूप से मौजूद थे।

रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन करने वालों पर बरतें सख्ती: डीजीपी सक्सेना

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य और चम्बल नदी के अन्य क्षेत्र के संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिए गए निर्देशों के तारतम्य में ली बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य और चम्बल नदी के अन्य क्षेत्र के संबंध में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिए गए निर्देशों के तारतम्य में 11 अप्रैल को डीजीपी ुधीर सक्सेना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से ली गई इस बैठक में डीजीपी सक्सेना ने अधिकारियों और कर्मचारियों को चम्बल क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन रोकने के संबंध में विभिन्न दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जी.पी. सिंह, विशेष पुलिस महानिदेशक, (अ.अ.वि.), पुलिस मुख्यालय भोपाल, डी.श्रीनिवास वर्मा, अति. पुलिस महानिदेशक ग्वालियर जोन, सुशान्त सक्सेना, पुलिस महानिरीक्षक चम्बल जोन, राजेश सिंह पुलिस अधीक्षक जिला ग्वालियर, शैलेन्द्र सिंह चौहान पुलिस अधीक्षक जिला भिण्ड, आलोक कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक जिला श्योपुर और राय सिंह नरवरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/प्रभारी पुलिस अधीक्षक, जिला मुरैना आदि उपस्थित रहे।

बैठक में सक्सेना ने अवैध रेत उत्खनन में शामिल वाहन चालकों के साथ-साथ वाहन मालिकों के विरुद्ध भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने भिंड, श्योपुर और ग्वालियर के पुलिस अधीक्षकों को अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने और वन विभाग व जिला मजिस्ट्रेट के साथ समन्वय स्थापित कर कार्रवाई किए जाने के भी निर्देश दिए। सक्सेना ने बैठक में अधिकारियों और कर्मचारियों को, ऐसे व्यक्ति, जो बार-बार अवैध रेत उत्खलन में संलिप्त होना पाए जाते हैं, उनके विरुद्ध जिला बदर एवं अन्य प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

पुलिस मुख्यालय द्वारा अवैध रेत उत्खनन को रोकने के लिए जिला मुरैना को सशस्त्र बल की कंपनियां प्रदान की गई हैं। इन कंपनियों के माध्यम से मुरैना के पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले के राजघाट व बरवाशिन में फोर्स तैनात की गई है। मुरैना जिले में कुल 17 स्थानों पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस सशस्त्र बल की चेक पोस्ट स्थापित की गई हैं, जिससे कि अवैध रेत उत्खनन एवं अवैध परिवहन को रोका जा सके। इसी प्रकार जिला भिंड को भी एक विशेष सशस्त्र बल की कंपनी दी गई है और वहां, उत्तरप्रदेश सीमा और अन्य स्थानों पर भी सशस्त्र बलों के साथ चेक पोस्ट लगाई गई हैं।

ग्वालियर की जीवाजी यूनिवर्सिटी मध्यप्रदेश की नंबर एक यूनिवर्सिटी बनी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय को नैक कमेटी द्वारा ए++ ग्रेड दिया गया है। मध्यप्रदेश में जीवाजी विश्वविद्यालय ऐसा एकलौता विवि बन गया है जिसे यह उच्च ग्रेड प्राप्त हुआ है।

नैक कमेटी की 5 सदस्य टीम ने 27 से 29 मार्च तक जीवाजी विवि का निरीक्षण किया था। विवि ने निरीक्षण को लेकर व्यापक तैयारियाँ की थी। ए++ मिलने से जीवाजी प्रदेश का एकलौता विवि बन गया है जिसे यह ग्रेड मिली है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि है। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्वविद्यालय प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि हमारी लगातार कोशिश है कि मध्यप्रदेश में शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ विश्वविद्यालयों का अधो-संरचना विकास हो और विद्यार्थियों को जरूरी सुविधाएँ मिले। भोपाल के महारानी लक्ष्मी बाई महाविद्यालय को नैक रैंकिंग में ए ग्रेड प्राप्त हुआ है। शिवपुरी के पीजी महाविद्यालय ने एक कदम आगे बढ़ाकर रैंकिंग में बी+ ग्रेड प्राप्त किया है।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नेक में सम्मिलित होने वाले महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों को प्राथमिकता में रख कर प्रशिक्षण से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर की पूर्ति की गई। महाविद्यालयों का इंटरनल एसेसमेंट कराया गया। ई-लायब्रेरी, वाई-फाई परिसर, शिक्षकों का प्रशिक्षण, ई-कंटेंट, इन्क्यवेशन सेंटर, हास्टल और विद्यार्थियों का परफार्मेंस, शिक्षकों के शोधकार्य के आधार पर मूल्यांकन कर नैक ग्रेडिंग तय की जाती है।

परसवाड़ा की गांगुलपारा सिंचाई योजना की मुख्य नहर के लाइनिंग का कार्य कराया जायेगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आयुष एवं जल-संसाधन राज्य मंत्री श्री रामकिशोर नानो कावरे ने बताया है कि बालाघाट जिले के परसवाड़ा क्षेत्र की गांगुलपारा सिंचाई परियोजना की मुख्य नहर के मरम्मत का कार्य शीघ्र कराया जायेगा। इसके लिये जल संसाधन विभाग से 4 करोड़ 27 लाख रूपये से अधिक की राशि मंजूर की जा चुकी है।

नहरों के सुधार एवं मरम्मत होने से जलाशय के पानी से अतिरिक्त भूमि की सिंचाई हो सकेगी। राज्य मंत्री श्री कावरे ने बताया कि जल्द ही गांगुलपारा सिंचाई योजना की मुख्य नहर लंबाई-15.93 कि.मी. एवं लघु नहर लंबाई-18.39 कि.मी. के लाइनिंग का कार्य कराया जायेगा। गांगुलपारा जलाशय का निर्माण कार्य वर्ष 1960 में पूर्ण कराया गया था। वर्तमान स्थिति में इस नहर प्रणाली की मुख्य नहर और वितरक नहरें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। परियोजना की रूपांकित क्षमता के स्तर पर सिंचाई नहीं हो पा रही है।

राज्य मंत्री श्री कावरे ने बताया कि उनके द्वारा गांगुलपारा जलाशय की नहरों के सीमेंटीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मतीकरण के लिये प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को भेजा गया था। प्रस्ताव पर प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। जल्द काम शुरू कर सिंचाई एरिया से टेल एरिया तक पानी पहुँचाया जा सकेगा। कार्य पूरा होने पर क्षेत्र के 35 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के किसानों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में रोजगार के अवसर ब?ाने के लिये स्थानीय मछुआरों को मछली पालन के लिये अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे। साथ ही क्षेत्र के गाँवों में जल स्तर में भी वृद्धि होगी।

एम्स में व्यक्तित्व विकारों पर कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स में मनोरोग विभाग द्वारा व्यक्तित्व विकारों पर सीएमई का आयोजन किया गया । इस सीएमई का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. डॉ. अजय सिंह ने किया । सीएमई में प्रो. डॉ. राजेश मलिक, डीन (अकादमिक), प्रो. डॉ. शशांक पुरवार, कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक एम्स भोपाल भी उपस्थित थे । इस सीएमई में 100 से अधिक प्रतिभागी, एम्स भोपाल और भोपाल के अन्य मेडिकल कॉलेजों के स्नातकोत्तर प्रशिक्षु और स्नातक प्रशिक्षु दोनों थे।

मनोचिकित्सा विभागाध्यक्ष और सीएमई के आयोजन अध्यक्ष प्रो. डॉ. विजेंदर सिंह ने बताया कि 12त्न आबादी में व्यक्तित्व विकार मौजूद हैं । हालाँकि व्यक्तित्व विकारों का निदान किया जाता है फिर भी समूचा इलाज उपलब्ध नहीं है । व्यक्तित्व विकार वाले लोग आमतौर पर सामाजिक संबंधों और कामकाज में लगातार व्यापक असामान्यताएँ दिखाते हैं। व्यक्तित्व विकार वाले व्यक्तियों में अवसाद, चिंता, मादक द्रव्यों का सेवन, आत्मघाती व्यवहार और आत्महत्या अधिक आम हैं। जब व्यक्तित्व विकार सह रुग्ण होता है, तो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज करना अधिक कठिन होता है और परिणाम खराब होते हैं । भावनात्मक रूप से उत्तेजित या अस्थिर व्यक्ति के साथ एक सुसंगत और गैर-न्यायिक दृष्टिकोण बनाए रखने की आवश्यकता है ।एम्स दिल्ली के प्रो. डॉ. प्रताप शरण, जो व्यक्तित्व विकारों में एक प्रख्यात वक्ता हैं, उन्होंने बताया कि बाहरी दुनिया और स्वयं के बारे में समझने, संबंधित करने और सोचने का एक स्थायी पैटर्न प्रतीत होता है जो अनम्य है, सांस्कृतिक अपेक्षाओं से स्पष्ट रूप से विचलित होता है, और सामाजिक और व्यक्तिगत संदर्भों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रदर्शित होता है। व्यक्तित्व विकार वाले लोगों में भावनाओं, दृष्टिकोणों और व्यवहारों की एक सीमित सीमा होती है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी के तनावों का सामना करना मुश्किल हो जाता है । उन्होंने आगे बताया कि विकारों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण (आईसीडी) के 11वें संशोधन के अनुसार, व्यक्तित्व विकारों के निदान के प्रति दृष्टिकोण श्रेणीबद्ध के बजाय आयामी हो गया है । उन्होंने यह भी बताया कि व्यक्तित्व विकारों का सफलतापूर्वक इलाज किया जा सकता है जो पहले की धारणा के विपरीत है कि व्यक्तित्व विकारों का इलाज नहीं किया जा सकता है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. डॉ. अजय सिंह ने साझा किया कि यह मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है । उन्होंने कहा कि हमें व्यक्तित्व के उन लक्षणों को देखना चाहिए जो किसी व्यक्ति के लिए फायदेमंद या नुकसानदेह हो सकते हैं।

एम्स के रेडियोडायग्नोसिस विभाग के रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए अकादमिक प्रशंसा

एम्स शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना जारी रखे हुए है, इसके पीजी रेजिडेंट्स ने विभिन्न सम्मेलनों और सीएमई में कई पुरस्कार जीते हैं । एम्स भोपाल के रेडियोडायग्नोसिस विभाग में पीजी रेजिडेंट डॉ. जयेश को विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ.) राजेश मलिक और डॉ. राधा गुप्ता के अतिरिक्त प्रोफेसर मार्गदर्शन में तैयार किए गए उनके ई-पोस्टर %एओर्टिक डिसेक्शन इन राइट साइडेड एओर्टिक आर्क% के लिए 26 मार्च 2023 को जीएमसी, भोपाल में आयोजित क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी पर सीएमई में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया । इस सीएमई को इंडियन सोसाइटी फॉर वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर) द्वारा समर्थन दिया गया था और इसमें कई राजकीय मेडिकल कॉलेजों से भागीदारी देखी गई थी । विभाग के पीजी रेजिडेंट्स की एक टीम जिसमें डॉ नदीम, डॉ जयेश और डॉ स्नेहा शामिल थे, ने सीएमई में क्विज प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार जीता। डॉ नदीम ने 9 अप्रैल 2023 को एमजीएम मेडिकल कॉलेज, इंदौर में आयोजित कार्डिएक इमेजिंग पर सीएमई में एक और प्रशंसा हासिल की, जिसमें उन्होंने अपने प्रो. (डॉ.) राजेश मलिक और डॉ. राधा गुप्ता के मार्गदर्शन में ई-पोस्टर %एलवी एन्यूरिज्म-ट्रू ऑर फाल्स॰ रोल ऑफ एमआर% के लिए प्रथम पुरस्कार जीता ।

सम्पादकीय

राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा

चुनाव आयोग ने ताजा समीक्षा के बाद राष्ट्रीय पार्टियों की जो सूची जारी की है, उसने सबसे ज्यादा खुश किसी को किया है तो वह है आम आदमी पार्टी। पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल ने खबर आने के बाद ट्वीट किया कि 'इतने कम समय में राष्ट्रीय पार्टी? यह किसी चमत्कार से कम नहीं है।' दूसरी तरफ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानि एनसीपी और तृणमूल कांग्रेस के साथ ही भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को इस सूची से बाहर कर दिया गया है।

हालांकि पहले ही चुनाव में विरोधियों का सूपड़ा साफ कर देने वाली पार्टियों के कई उदाहरण देश में मौजूद हैं, लेकिन इसमें दो राय नहीं कि हाल के दौर में आम आदमी पार्टी की ग्रोथ स्टोरी ने समर्थकों और विरोधियों से अलग निरपेक्ष समूहों का भी ध्यान खींचा है। निश्चित रूप से एक राष्ट्रीय पार्टी को जिस तरह की सहूलियतें और सुविधाएं मिलती हैं, वे भी उसे मिलेंगी। देश भर में उसका चुनाव चिह्न उसके प्रत्याशियों के लिए सुरक्षित रहेगा, राष्ट्रीय राजधानी में दफ्तर बनाने के लिए भूखंड भी आवंटित होगा, लेकिन जो सबसे बड़ा फायदा इससे उसे होने वाला है, वह है समर्थकों और कार्यकर्ताओं का बढ़ा हुआ मनोबल। एक अपेक्षाकृत नई पार्टी के रूप में यहां से और आगे बढ़ने के लिहाज से यह फैक्टर पार्टी के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

लेकिन यह भी याद रखने की जरूरत है कि किसी राजनीतिक दल की यात्रा में इस तरह के पल आते-जाते रहते हैं। 2014 के बाद के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हुए प्रदर्शन के आधार पर अगर आम आदमी पार्टी ने यह उपलब्धि हासिल की है तो इसी आधार पर एनसीपी, टीएमसी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया यानी सीपीआई से राष्ट्रीय पार्टी का यह दर्जा छिन भी गया है। एनसीपी और टीएमसी भी मुख्यत: एक राज्य में केंद्रित पार्टियां हैं, जो कुछ अन्य राज्यों में जनाधार हासिल करने की जद्दोजहद में लगी रहती हैं। यही नहीं, विपक्षी खेमे में अहम भूमिका हासिल कर राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक रोल में आने की इच्छा भी दोनों दलों में है।

इस लिहाज से ऐसे वक्त आम आदमी पार्टी से पिछड़ते हुए दिखना दोनों दलों के लिए खास तौर पर पीड़ादायक होगा। लेकिन ऐतिहासिक संदर्भों को याद रखते हुए देखें तो इन सबसे ज्यादा बड़ी घटना है कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय दल का दर्जा छिनना। हालांकि इसी से अलग होकर बनी सीपीएम अब भी एक राष्ट्रीय पार्टी है, लेकिन देश की सबसे पुरानी कम्युनिस्ट पार्टी की यह दुर्गति कोई अचानक हुई घटना नहीं है। लंबे समय से लगातार सिमटते जनाधार और कम होते समर्थन के कारण यह धीरे-धीरे नीचे खिसकते हुए यहां तक पहुंची है और निकट भविष्य में इसका ग्राफ ऊपर उठने के आसार भी नहीं दिख रहे। यह पार्टी के लिए विचारणीय प्रश्न है।

चुनाव आयोग द्वारा नई सूची ऐसे समय में जारी की गई है, जब न केवल कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं और आम चुनाव में भी एक साल का वक्त ही बचा है। इस के साथ ही साथ विपक्षी दलों की एकजुटता बनाम बिखराव का दौर भी तेज हो गया है। एनसीपी के साथ तो ऐसा उस समय हुआ, जब पार्टी प्रमुख के सुर अचानक कांग्रेस और संयुक्त विपक्ष के खिलाफ जाते दिखे। सूची जारी होने के बाद एनसीपी को निश्चित तौर पर झटका लगा। और अचानक पार्टी प्रमुख शरद पवार ने फिर पलटी मार ली। उन्होंने पहले जेपीसी के खिलाफ बोला, फिर कहने लगे कि यदि विपक्ष जेपीसी की बात कहता है, तो वे उसके साथ ही रहेंगे।

बड़ा झटका तो टीएमसी को लगा, जिसकी प्रमुख ममता बनर्जी लंबे समय से विपक्ष का नेतृत्व करने का सपना देख रही थीं। उनकी कार्यशैली पश्चिम बंगाल के लिए तो ठीक है, लेकिन अन्य राज्यों के अनुकूल नहीं दिखी। यही कारण है कि अन्य राज्यों में उन्हें बहुत समर्थन नहीं मिल सका। कम्युनिस्ट पार्टियों के दिन तो वैसे भी खराब चल रहे हैं, अब भाकपा का ग्राफ और नीचे जा सकता है। माकपा और भाकपा यदि एक हो जाती हैं, तो देश में वामपंथी विचारधारा कुछ टिक सकती है, नहीं तो और दुर्गति तय है। इसके पीछे इन पार्टियों की कार्यशैली तो है ही, साथ ही आम आदमी पार्टी और टीएमसी का बढ़ता ग्राफ भी इनके लिए प्रतिकूल रहा है। आप भले ही धार्मिक मुद्दों पर भाजपा के करीब दिखती हो, लेकिन कार्यशैली तो वामपंथी ही अधिक है।

फिलहाल तो यह देखना होगा कि आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में और किन पार्टियों को झटका लगता है, कौन सी पार्टी वापसी करती है? और संयुक्त विपक्ष का भविष्य क्या होता है?

सुनी सुनाईः ग्रुप ऑफ ब्यूरोक्रेट्स की ताकत

रवीन्द्र जैन

इस कॉलम में हम इस ग्रुप ऑफ ब्यूरोक्रेटस की

चर्चा पहले भी कर चुके हैं। मप्र में लंबे समय तक मालवा के बड़े जिलों में पदस्थ रहने वाले कुछ आईएएस अधिकारियों ने अपना एक ग्रुप बना लिया है। यह अफसर पोस्टिंग में एक दूसरे की मदद करते हैं। इन अफसरों की कार्यशैली प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया को पसंद है। यही कारण है कि आईएएस अफसरों का यह ग्रूप मप्र में सबसे ताकतवर है।

इसकी ताकत का अहसास बीते सप्ताह तब हुआ जब भोपाल कलेक्टर की पदस्थापना 48 घंटे में बदल दी गई। बड़े तरीके से खबर प्लांट हुई कि आरएसएस के कहने पर यह बदलाव हुआ है। लेकिन सच्चाई यह है कि इस बदलाव के पीछे आईएएस अफसरों के इस ग्रुप की ताकत थी। पिछले तीन चार महीने में इस ग्रुप के सभी अफसर मनमाफिक पोस्टिंग पाने में सफल हो गये हैं।

प्रदेशाध्यक्ष बनने की शर्त!

क्या भाजपा हाईकमान मप्र में चुनाव से पहले संगठन में बदलाव करना चाहता है? इस खबर की सच्चाई तो नहीं पता, लेकिन भाजपा के अंदर खाने में यह खबर तेजी से वायरल है कि पार्टी हाईकमान ने एक केन्द्रीय मंत्री को संगठन की कमान सौंपकर मप्र लौटने का प्रस्ताव दिया था। केन्द्रीय मंत्री ने इस शर्त पर प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी लेने की सहमति दी है कि वे केन्द्रीय मंत्री भी बने रहेंगे। भाजपा में एक व्यक्ति एक पद का फार्मूला लागू होने से फिलहाल यह निर्णय टाल दिया गया है।

सिंह इज किंग असली फिल्म ग्वालियर में

मप्र के किसी एक जिले में ठाकुरों की हुकुमत देखना है तो ग्वालियर चले आइए। यहां राजनीतिक रूप से सबसे ताकतवर नेता केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर हैं। मप्र सरकार के मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर, महापौर शोभा सिंह सिकरवार, विधायक सतीश सिंह सिकरवार की तो अपनी अपनी सत्ता है ही। प्रशासनिक गलियारों में भी ठाकुरों का खासा दबदबा है। संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर अक्षय सिंह, एसपी राजेश सिंह चंदेल, निगमायुक्त हर्ष सिंह और जिला पंचायत सीईओ विवेक सिंह पदस्थ हैं। यह सूची यहां समाप्त नहीं होती। यदि आपने ग्वालियर में एसडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, थानेदार और पटवारियों पर नजर डाली तो तय हो जाएगा कि ग्वालियर में वाकई सिंह इज किंग हैं।

कांग्रेस नेताओं के निशाने पर ललित बेलवाल

मप्र आजीविका मिशन के निदेशक ललित मोहन बेलवाल अब कांग्रेस के सीधे निशाने पर हैं। बेलवाल पर लगभग 100 करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप हैं। लेकिन कांग्रेस उनके कथित भ्रष्टाचार के कारण नहीं भाजपा नेताओं की सभा में स्व सहायता समूह की महिलाओं को लाने के कारण बेलवाल से नाराज हैं।

विन्ध्य क्षेत्र के एक दिग्गज कांग्रेस नेता पिछले चुनाव में अपनी हार के लिये बेलवाल को जिम्मेदार मानते हैं। नेताजी का आरोप है कि बेलवाल ने आजीवन मिशन की राशि से महिलाओं को साडियां व गिफ्ट बांटी थीं। रिटायर आईएफएस अधिकारी ललित बेलवाल का जादू भाजपा सरकार सिर चढ़कर बोल रहा है। आजीविका मिशन में तमाम घपले घोटालों के बाद भी उन्हें लगातार संविदा नियुक्ति पर निदेशक बनाकर रखा गया है।

मंत्री पद का दर्जा प्राप्त नेताजी के अपराधिक केस वापस नहीं होंगे

कांग्रेस से बगावत कर भाजपा में आए मुरैना के पूर्व विधायक रघुराज सिंह कंसाना के आपराधिक प्रकरण जनहित में वापस लेने की फाईल मुरैना और भोपाल के बीच टप्पे खा रही है। भोपाल विधि विभाग ने इस फाईल पर साफ लिख दिया है कि अपराध गंभीर किस्म का है जिसे जनहित में वापस नहीं लिया जा सकता। रघुराज सिंह कंसाना पर थाने पर फायरिंग कर एक आरोपी को छुड़ाने का आरोप है। उन्होंने पुलिस कर्मियों पर जानलेवा हमला किया था। रघुराज सिंह फिलहाल मप्र पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम के अध्यक्ष हैं। उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला है। राज्य सरकार पर जनहित में उनका प्रकरण वापस लेने का दबाव है। लेकिन विधि विभाग ने फाईल लौटा दी है। दो तीन बार यह फाईल भोपाल आई, लेकिन हर बार इसे वापस किया जा रहा है। अब लगभग तय हो गया है कि यह आपराधिक प्रकरण वापस नहीं होगा।

और अंत में

यह खबर कुछ चौंकाने वाली है। सागर के एक मुस्लिम विद्वान, साहित्यकार शफीक खान अपने जीवन में ब्रह्मचर्य और संयम का पालन कर रहे हैं। शफीक खान ने इस्लाम नहीं छोड़ा है, लेकिन जैनसंत आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज से प्रभावित होकर जैन जीवनशैली का सख्ती से पालन करते हैं। उन्होंने विवाह नहीं किया है। फकीरी परंपरा पर भरोसा करने वाले शफीक खान बीते 25 वर्षों से जैनसंतों के आसपास नजर आते हैं। पिछले दिनों सागर में बीमार हुए तो भोपाल का एक जैन परिवार उन्हें यहां ले आया। भोपाल के भानपुर क्षेत्र में रहने वाले इस जैन परिवार के लिये शफीक खान शफीक चच्चा हैं। पूरा परिवार शफीक चच्चा के इलाज और सेवा में लगा हुआ है।

नाग से मूषक होते राजनीतिक दल

राकेश अचल

राजनीति में कब,क्या हो जाये,कोई नहीं जानता ? कांग्रेस की कोख से जन्मे अनेक राजनीतिक दलों के ऊपर राष्ट्रीय दल की मान्यता समाप्त होने के खतरे मंडरा रहे हैं। इस सबके पीछे चुनाव आयोग के अधिकार हैं और पर्दे के पीछे की राजनीति भी। अदावत की राजनीति अपने प्रतिद्वंदियों को निबटाने का कोई भी हथकंडा अपनाने से गुरेज नहीं कर रही ।

चुनाव आयोग ने पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), तृणमूल कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रदर्शन राष्ट्रीय दल की मान्यता के अनुरूप नहीं रहने का हवाला देते हुए इन्हें नोटिस जारी कर पूछा था कि क्यों न इनका राष्ट्रीय दल का दर्जा खत्म कर दिया जाए।वहीं अरविंद केजरीवाल की पार्टी ' आप' राष्ट्रीय दल का दर्जा हासिल करने में कामयाब होती दिखाई दे रही है। राजनीतिक दलों को मान्यता,अधिमान्यता देने का अधिकार शुरू से चुनाव आयोग के पास है । आयोग चुनावों में प्रदर्शन के आधार पर मान्यता देता और छीनता रहा है।इसमें कोई नई बात नहीं है ,लेकिन जिस समय ये कार्रवाई की जा रही है वो रेखांकित करने लायक है।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), तृणमूल कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अब चुनाव आयोग से 'राष्ट्रीय दल' का उनका दर्जा बरकरार रखने के लिए लगभग गिड़गिड़ाते हुए अनुरोध कर रहे हैं कि उन्हें आगामी चुनावों में प्रदर्शन बेहतर करने का एक मौका दिया जाना चाहिए। ये सभी दल विपक्षी एकता के लिए सक्रिय हैं और यही सक्रियता सत्तारूढ़ दल को पसंद नहीं है ।ये तीनों दल सत्तारूढ़ दल की आँखों की किरकिरी बने हुए है। ये किरकिरी निकालने के लिए ही केंचुआ का इस्तेमाल किया जा रहा है।

कांग्रेस की कोख से निकले एनसीपी और तृणमूल कांग्रेस के साथ ही वामपंथी दल भी बीते एक दशक में अपने -अपने दायरे से बाहर नहीं निकल पाए हैं ,जबकि इस दौर में ही आप ने कोशिशकर दो राज्यों में अपनी सरकार बनाई और अनेक राज्यों के विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जो दल कल तक नाग [हाथी] से दिखाई देते थे ,वे ही आज मूषक से दिखाई देने लगे हैं। इन दलों के पास अब एक ही विकल्प है की ये या तो कांग्रेस में दोबारा समा जाएँ या फिर क्षेत्रीय दलों की तरह काम करते हुए राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका का समर्पण कर दें।

सीपीआई ने अपने जवाब में कहा कि हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव में सीपीआई का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन विभिन्न राज्यों में वामदल की सरकार रहने और संविधान को मजबूत बनाने में पार्टी की अहम भूमिका को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस ने दलील दी है कि उसे 2014 में राष्ट्रीय दल का दर्जा दिया गया था और इसे कम से कम 2024 तक जारी रखा जाना चाहिए।मान्यता जाने का खतरा बहुजन समाज पार्टी के ऊपर भी मंडरा रहा है किन्तु बसपा ने लोकसभा की दस और कुछ विधानसभा सीटें जीतकर अपनी मान्यता को फिलहाल बचा लिया है। लेकिन बकरे की माँ कितने दिन खैर मनाएगी ? एनसीपी के वरिष्ठ नेता माजिद मेमन ने कहा कि उनकी पार्टी 15 साल तक महाराष्ट्र में सत्ता में थी। साथ ही अपवादस्वरूप एनसीपी एकमात्र दल है जिसे उसकी स्थापना के समय से ही राष्ट्रीय दल का दर्जा मिला हुआ है क्योंकि पार्टी बनने के तुरंत बाद हुए चुनाव में उसका प्रदर्शन राष्ट्रीय दल का दर्जा पाने के मानकों के अनुरूप रहा।

अब विपक्षी एकता के लिए राजनीतिक दलों का ध्यान अपने दलों की राष्ट्रीय मान्यता बचने में लग गया है। यदि राष्ट्रीय दल का दर्जा जाता है तो इन दलों से उनके चुनाव चुन्ह छीन जाते हैं। आपको बता दूँ कि चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश 1968 के तहत किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल का दर्जा तब मिलता है जब उसके उम्मीदवार लोकसभा चुनाव में कम से कम छह प्रतिशत मत प्राप्त करें या उसके चार सदस्य चुने जाएं या विधानसभा चुनावों में कम से कम चार या इससे अधिक राज्यों में छह प्रतिशत मत प्राप्त हों। उल्लेखनीय है कि इन मानकों के तहत कांग्रेस, बीजेपी, बीएसपी, सीपीआई, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, एनसीपी और नेशनल पीपुल्स पार्टी ऑफ मेघालय को राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त है।

आज की हकीकत ये है कि तमाम क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय राजनीतिक दल होने का दावा भले ही करें लेकिन वे राष्ट्रीय दल होने लायक बचे नहीं हैं। ये सौभाग्य केवल कांग्रेस और भाजपा के पास ह। ये दोनों दल अपनी विचारधारा और प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय दल हैं और मुझे लगता है कि आगे भी रहेंगे। कांग्रेस को 02 सीटों तक समेटने का सपना भाजपा शायद ही कभी पूरा कर सके। आपको याद होगा कि भाजपा का राजनीतिक सफर लोकसभा की 02 सीटों के साथ ही शुरू हुआ था।

देश में बहुत से राजनीतक दल ऐसे हैं जो राष्ट्रीय होने के फेर में पड़े ही नहीं ,जैसे बीजद और जेडीयू । बीजद जैसे दल अपने -अपने राज्यों तक ही सीमित हैं और सुखी हैं उनकी महत्वाकांक्षाएं सीमित हैं ,लेकिन जो राष्ट्रीय दल होकर भी हासिये पर जा रहे हैं ,वे परेशान हैं। विचारधारा के आधार पर केंद्र आधारित राजनीति करने वाले वामपंथी दल सबसे पहले ढेर हुए। फिर कांग्रेस का विखंडन शुरु हुआ और आज तक जारी है।

गुलाम नबी आजाद कांग्रेस से निकलकर अपना दल बनाने वाले आखरी नेता नहीं हैं। कल को सचिन पायलट का नाम भी इस सूची में जुड़ सकता है। कुल मिलाकर ये समय क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व को बचने का है। ये तभी मुमकिन है जब तमाम दल कांग्रेस की छत्रछाया में खड़े हों। यद्यपि कांग्रेस का छत्र खुद क्षत-विक्षत है ।

मुझे नहीं लगता कि केंचुआ मान्यता के मामले में रत्ती भर भी उदारता दिखायेगा। उसके पास आंकड़े हैं ,दलीलें ख़ारिज करने के कारण हैं। ऐसे में अगला लोकसभा चुनाव परिदृश्य कैसा होगा इसकी कल्पना आप कर सकते हैं। क्षेत्रीय दल अपने वजूद को किसी एक राष्ट्रीय दल के साथ जुड़कर ही बचा सकते हैं। और ये दल भाजपा और कांग्रेस के अलावा और कोई हैं नहीं। लोकतंत्र में गठबंधन की राजनीति के लिए ये सबसे नाजुक दौर है। क्योंकि भाजपा अपने तमाम सहयोगियों को लील चुकी है और कांग्रेस अपने सहयोगी दलों का विश्वास अर्जित नहीं कर पा रही है।

किसान सम्मान निधि में भी घोटाला!

राकेश दुबे

यह विडंबना ही है कि चौतरफा चुनौतियां झेल रहे किसानों को राहत देने के लिये दी जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के आवंटन में चतुर-चालाकों ने फर्जीवाड़ा कर डाला। नियंत्रक व महालेखा परीक्षक यानी कैग की वह रिपोर्ट चौंकाती है, जिसमें उल्लेख है कि एक राज्य में 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना में करीब 38 हजार 105 अयोग्य किसानों ने सरकार के करीब चालीस करोड़ से अधिक रुपये डकार लिये।

वैसे यह जानकारी प्रधानमंत्री किसान पोर्टल पर उपलब्ध है। जमीनी स्तर पर यदि मामले की पड़ताल हो तो फर्जीवाड़े के दायरे में निश्चित रूप से विस्तार पाया जायेगा। यदि देश के सभी राज्यों में इस दिशा में गंभीर जांच-पड़ताल हो तो फर्जीवाड़े का आकार बड़ा हो सकता है। यह विडंबना रही है कि देश का असली किसान ऑनलाइन व्यवस्था व नई आर्थिकी को लेकर ज्यादा जानकार व जागरूक नहीं रहा है। कभी वह सूदखोरों, बिचौलियों तथा आढ़तियों की चपेट में रहा है तो अब नये जमाने के पढ़े-लिखे ठगों ने किसानों के हक का दोहन करना शुरू कर दिया है। जाहिर है यह मामला सिर्फ अयोग्य किसानों का ही नहीं है। तंत्र की काली भेड़ें भी इस घपले में शामिल हो सकती हैं। बिना विभागीय कर्मचारियों व अधिकारियों की शह के ऐसा संभव नहीं है कि कोई वास्तविक जरूरतमंद किसानों का हक हड़प ले।

यह बात तो तय है कि जब से किसानों को राहत-मुआवजा व सब्सिडी राशि ऑनलाइन सिस्टम के जरिये मिलने शुरू हुई है किसी हद तक धांधलियों पर रोक लगी है, अन्यथा पहले तो बिचौलियों के पौ-बारह बने रहते थे। किसानों का अंगूठा लगाकर बिचौलिये दशकों तक मौज करते रहे हैं। देश की निरक्षरता का स्तर उनके लिये वरदान साबित हुआ करता था। हालांकि, अब देश में साक्षरता की दर में सुधार और नई पीढ़ी के किसानों की जागरूकता से ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियों पर लगाम लगाने में मदद मिल सकी है। लेकिन अभी इस दिशा में पारदर्शी व्यवस्था बनाने हेतु गंभीर प्रयासों की जरूरत है।

किसानों को राहत देने को बनी योजनाओं में फर्जीवाड़ा हमारी व्यवस्था की खामियों की ओर इशारा करता है, वहीं हमारे समाज में नैतिक पतन की स्थिति को भी दर्शाता है। आखिर कितना पैसा आता है सम्मान राशि में और इतने पैसे से लोग कितने समय तक फायदा ले सकते हैं? जाहिर बात है कि यह राशि कोई बहुत बड़ी रकम नहीं है, मगर किसान को सम्मानजनक ढंग से थोड़ी राहत देने की कोशिश जरूर है। समाज मे नैतिक पराभव की स्थिति देखिये कि कुछ लाभार्थियों ने पत्नी व नाबालिग बच्चों के नाम से भी पैसे ले लिये। उनके आधार कार्ड का भी दुरुपयोग किया गया है।

विडंबना देखिये कि करीब 38 हजार से अधिक ऐसे किसान थे, जो आयकरदाता थे, इसके बावजूद उन्हें 38 हजार करोड़ का भुगतान किया गया। मामले का खुलासा होने के बावजूद रुपये वापस लौटाने वालों की संख्या बेहद कम है। निस्संदेह, तंत्र की काहिली के अतिरिक्त यह मानवीय मूल्यों के क्षरण का भी ज्वलंत उदाहरण है। अकसर सरकारों पर किसानों के दोहन के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन अब समाज में ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है जो सरकार का दोहन करने में पीछे नहीं रहते। ऐसे वक्त में जब तकनीकी उन्नति से व्यवस्था के छेदों पर लगाम लगने लगी है, तो सरकारों को भी फुलप्रूफ व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहिए। जो किसान वास्तव में जरूरतमंद हैं उनकी पहचान करके ही मदद की जानी चाहिए।

कई अन्य योजनाओं के बारे में भी पारदर्शी व सुरक्षित व्यवस्था होनी चाहिए ताकि किसी भी तरह के दुरुपयोग की गुंजाइश न रह जाये। हालांकि, वर्ष 2020 में ही केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को पत्र जारी करके स्पष्ट कर दिया था कि यदि किसी अयोग्य व्यक्ति को किसान सम्मान निधि का पैसा दिया जाता है तो उसकी रिकवरी की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होनी चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि गलत तरीके से ली गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में से केवल दस प्रतिशत के करीब रकम अयोग्य लोगों से वापस ली जा सकी है।

हेट स्पीच पर सुप्रीम कोर्ट में भी मंथन

विनय झैलावत

हेट स्पीच की कोई कानूनी भाषा तय नहीं है। लेकिन बोलकर, लिखकर, इशारों से अथवा किसी भी अन्य तरीके से हिंसा भड़काने की कोशिश होती है या दो समुदायों या समुहों के बीच सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश होती है, तो ऐसा करना अपराध होगा। इसे ही 'हेट स्पीच' समझा जाता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्डस ब्यूरों के आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल धारा 153-अ के तहत दर्ज होने वाले मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है।

इन दिनों हेट स्पीच अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग खूब हो रहा है। इनमें राजनेता भी अपना पूरा योगदान दे रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री सहित अनेक नेताओं के लिए जिन अपशब्दों का प्रयोग हो रहा है तथा उनके खिलाफ जिस निचले स्तर पर जाकर अभद्र भाषा का प्रयोग हो रहा है, उससे आम जनता भी स्वयं को असहज महसूस कर रही है। इसी विषय को लेकर शाहीन अब्दुल्ला द्वारा प्रस्तुत एक लोकहित याचिका पर सुनवाई के समय सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीर चिंता जताई। इस याचिका में हेट स्पीच पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका में यह कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद हेट स्पीच पर रोक नहीं लगी। हिंदू संगठन अभी भी हेट स्पीच दे रहे हैं एवं महाराष्ट्र सरकार इस पर रोक लगाने में विफल रही है। इसलिए महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार से इस पर जवाब मांगा है। अब मामले में अगली सुनवाई 28 अप्रैल को होगी। न्यायालय ने अभी इस याचिका पर कोई फैसला नहीं दिया। लेकिन, न्याय कक्ष में जो चर्चा हुई है, वह चिंतन एवं मनन के लिए काफी सामग्री देती है।

सर्वोच्च न्यायालय ने हेट स्पीच पर जो बात कही है वह नफरत फैलाने वालों को कड़वी लगेगी। नफरती बयानों यानी हेट स्पीच को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने तल्ख टिप्पणी की। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ ने कहा कि हर रोज टीवी और सार्वजनिक मंचों पर नफरत फैलाने वाले बयान दिए जा रहे हैं। क्या ऐसे लोग खुद पर कंट्रोल नहीं रख सकते! कोर्ट ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों का भी जिक्र किया और कहा कि उनके भाषणों को सुनने के लिए दूर-दराज के इलाकों से लोग इकट्ठा होते थे। गो टू पाकिस्तान जैसे बयानों से नियमित रूप से गरिमा को तोड़ा जाता है। हमें यह सोचना होगा कि अब हम कहां पहुंच गए! न्यायालय ने कहा कि जिस वक्त राजनीति और धर्म अलग हो जाएगी और नेता राजनीति में धर्म का उपयोग बंद कर देंगे तो ऐसे भाषण स्वमेव ही समाप्त हो जाएंगे। हम अपने हालिया फैसलों में भी कह चुके हैं कि धर्म को राजनीति के साथ मिलाना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

न्यायमूर्ति केएम जोसेफ ने मामले में महाराष्ट्र राज्य सरकार के रवैये को लेकर कहा कि जब राज्य सरकारें ऐसे मसलों पर चुप्पी साध लेंगी, तो फिर उनके होने का क्या मतलब है? याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने खंडपीठ को सूचित किया कि उन्होंने अभद्र भाषा के कुछ अन्य उदाहरणों के साथ यह आवेदन प्रस्तुत किया है। सिर कलम करने की आवाजें आ रही हैं, नारे लग रहे हैं। लेकिन, कोई कार्रवाई नहीं की गई। मैं कुछ ऐसे उदाहरणों का उल्लेख करना चाहूंगा जो उन नारों के प्रत्युत्तर में हुए हैं। सकल हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने इस याचिका की विचारणीयता पर आपत्ति जताई। उन्होंने तर्क दिया कि उनके मुवक्किल के खिलाफ आरोप तो लगाए गए, लेकिन उन्हें कार्यवाही में पक्षकार नहीं बनाया गया। उन्होंने तर्क दिया कि, इस आधार पर इस याचिका को निरस्त किया जाना चाहिए। समाज को अपने स्वयं के विश्वास के अनुसार जुलूस निकालने का अधिकार है। इसे किसी अन्य धार्मिक विश्वास वाले व्यक्ति द्वारा चुनौती नहीं दी जा सकती।

भारत सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ता की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्रवाई की मांग में पक्षपात हो रहा है। यदि याचिकाकर्ता वास्तव में नफरत फैलाने वाले भाषणों को लेकर चिंतित है तो उसे ऐसे सभी मामलों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करनी चाहिए थी। उन्होंने प्रश्न उठाया कि केरल का याचिकाकर्ता केवल महाराष्ट्र की घटनाओं को ही क्यों निशाना बना रहा है। न्यायमूर्ति नागरत्थना ने कहा कि जिस समय संविधान लागू हुआ, उस समय इस तरह के नफरत फैलाने वाले भाषण प्रचलित नहीं थे। भाईचारे के अर्थ में अब दरारें आ रही हैं। उन्होंने पूछा कि राज्य सरकारें अभद्र भाषा की घटनाओं से निपटने के लिए तंत्र क्यों नहीं बना पा रही।

नेशनल क्राइम रिकॉर्डस ब्यूरों के आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल धारा 153-अ के तहत दर्ज होने वाले मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। सन 2014 में देश में हेट स्पीच के 336 मामले दर्ज हुए थे। सन् 2020 में 1804 मामले दर्ज हुए हैं। इसका मतलब है 7 साल में हेट स्पीच के मामले 6 गुना तब बढ़ गए हैं। लेकिन, सजा की दर अब भी कम है। सन 2014 में अदालतों में हेट स्पीच से जुड़े 19 मामलों का ही ट्रायल पूरा हुआ है। इनमें से केवल 4 में ही सजा मिली थी। सन् 2020 में 186 मामलों में ट्रायल पूरा हुआ है और उनमें से 38 मामलों में सजा मिली। सन 2020 में हेट स्पीच के मामलों में सजा की दर 20.4त्न था। इससे पहले सन् 2019 में 159 मामलों का ट्रायल पूरा हुआ था और 42 मामलों में सजा मिली थी। इसका मतलब हुआ कि ज्यादातर मामलों में आरोपी बरी हो जाते है।

यह भी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि हेट स्पीच पर लॉ कमीशन की सिफारिश अब तक लागू नहीं की गई है। हेट स्पीच पर लॉ कमीशन ने सन 2017 में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसमें आयोग ने सरकार से हेट स्पीच के लिए अगल धारा जोड़ने की सिफारिश की गई थी। आयोग ने धारा 153-स और 505-अ जोड़ने का सुझाव दिया था। प्रस्तावित 153-स में धर्म, जाति या समुदाय आदि के आधार पर बोलकर, लिखकर या इशारों से धमकाने पर दो साल की कैद और पांच हजार रूपये का जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है।

वहीं, कुछ मामलों में भय या हिंसा भड़काने पर सजा देने के लिए 505-ए को जोड़ा जाए। इस धारा के तहत एक साल की कैद या पांच हजार रूपए का जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि, सरकार की और से अभी तक इन सिफारिशों को लागू नहीं किया गया। इन सिफारिशों को लागू करवाने के लिए भी बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। यह मामला अभी उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। आशा की जानी चाहिए कि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय जो फैसला देगा उससे हेट स्पीच पर लगाम लग सकेगी तथा देश के नेताओं द्वारा जिन निम्न शब्दावली का प्रयोग किया जा रहा है, उससे देश की जनता राहत महसूस करेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईटः dainiksandhyaprakash.in

केवाईसी कराने के बाद भी सात दिन तक अप्रूवल नहीं करती नगरपालिका

केवाईसी करवाने के बाद महिलाओं के मोबाइल फोन पर अपडेट के बाद अप्रूवल होने की जानकारी चौबीस घण्टों मे मिलना चाहिए

बैतुल। लाडली बहना योजना का लाभ लेने के लिए लाडली बहना अब शिविर और आंगनवाड़ी नपा चक्कर काट रही है। केवाईसी कराने के लिए नगर पालिका एवं बैंकों के चक्कर लंबी कतारो मे अब बहना महिला उपभोक्ता बुरी तरह परेशान जो चुकी है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसकी जानकारी मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह एवं चौहान बैतुल कलेक्टर अमनवीर साहब को भी होना आवश्यक है। ताकि सिस्टम मे सुधार किया जा सके। मालूम होना चाहिए लाडली बहना योजना का लाभ लेने के लिए लाडली बेटियो और घरो की बहुओ किस को मुसीबत का सामना करना पड़ता है। बल्कि किस तरह सुविधा से महिलाओ जानकारी उनके मोबाइल फोन पर मिलना चाहिए। महिला द्वारा नगर पालिका मे केवाईसी कराने के लिये के आवेदन के बाद नियम अनुसार चौबीस घंटे के भीतर अपडेट होना आवश्यक है। लेकिन ऐसा बिल्कुल नही होता है। बल्कि नगर पालिका ऑपरेटर द्वारा महिलाओ को यह बताया जाता है। कि नपा द्वारा केवाई सी अपडेट कर दिया गया है। आप निश्चित होकर फॉम भरने जाईये यह सुनकर महिला आंगनबाड़ी केंद्र या वार्ड मे लगे शिविर मे जाकर फॉम भरने पहुचती है। लेकिन आपको बतादे की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक महिला इस बात से परेशान है। कि घंटो लाइन मे खड़े रहने के बाद उन्हे पता चलता है। कि फॉर्म भरने वाले ऑपरेटर के कंप्यूटर मोबाइल पर केवाईसी अपडेट अप्रूवल ही नही हुआ आपका फॉम नही भरा जा सकता। एक मामले मे जवाहर वार्ड गंज बैतूल आंगनबाड़ी का भाग 1 मे लाडली बहना योजना का फॉर्म भरने के लिए पहुँची एक महिला उसका भी सात दिन बाद भी केवाईसी अपडेट अप्रूवल होना नही बताया जबकि नपा के अनुसार अपडेट किया जा चुका था। तब नपा द्वारा अधिकृत कंप्यूटर/ मोबाइल ऑपरेटर हेमंत पटेल से इस

लाडली बहना योजना का लाभ लेने न गर पालिका आंगनवाड़और शिविर के चक्कर काट रही महिलाये

विषय पर चर्चा की गई तब उन्होंने बताया कि महिलाओ के लिए यह बड़ी समस्या है। कि लाडली बहना योजना का लाभ लेने के लिए नगर पालिका के आपरेटर अनुसार सभी दस्तावेज लेकर केवाईसी अपडेट करने के बाद भी अपडेट होने कोई जानकारी महिलाओ के मोबाइल फोन पर नही मिलती बल्कि फॉर्म भरने के दौरान ही स्पष्ट हो पाता है। कि उनका केवाईसी अपडेट हुआ है। या नही इसके अलावा दूसरा कोई विकल्प/ माध्यम नही है। जिससे महिलाये यह जान सके कि उनके द्वारा कराई गई केवाईसी सिस्टम मे अपडेट अप्रूवल भी हो चुकी है। या नही आपको बता दे कि यह बड़ी गंभीर समस्या है की केवाईसी को 24 घंटे के भीतर अपडेट कंप्यूटर सिस्टम अपने आप नही करता अगर कर्मचारी ध्यान न दे तो कोई अपडेट नही होगा। जिसकी कोई जानकारी लाडली बहना को प्राप्त नही होगी। ऊपर से एमपी ऑनलाइन मे भी जानकारी लेने पर भी आपको सही जानकारी नही मिलने वाली यही बताया जाएगा कि,,,,अपडेट हो चुका है। जब लाडली बहना अपना फॉर्म भरवाने शिविर या आंगनवाड़ी पहुंचती है। तो जरूरी नही की आपरेटर के मोबाइल सिस्टम मे बहना का केवाईसी अपडेट जो चुका हो और बहना का फार्म आसान भरा भी जा सके ऐसा जरूरी नही है इस स्थिति मे महिलाओ का घर से निकलकर घंटो लाइन मे लगकर अनावश्यक रूप से परेशान होना बिलकुल तय है। ऐसा कोई मैसेज बहना के मोबाइल फोन पर नही मिलता सरकार को इस पर विचार किया जाना चाहिए। क्योंकि के वाई सी अपडेट कराने के बाद नपा अप्रूवल होने के पश्चात ही कंप्यूटर सिस्टम पर अपडेट होता है। जिसके लिए नियम अनुसार चौबीस घन्टो की बजाय सात दिनों तक अपडेटअप्रूवल नही होने के कारण महिलाये परेशान रहती है। जिसकी जानकारी लाडली बहना फॉर्म भरने के दौरान ही जानकारी मिल पाती है। ऐसी कई लाडली बहना है। जो मायूस होकर शिविर और आंगनबाड़ी केंद्र मे घन्टो लाइन मे खड़े रहने के बाद वापस लौटती नजर आती है।

सरकार द्वारा आधार एवं मोबाईल नबर भी लिंक करने के बाद भी नपा केवाईसी अपडेट बताने के बाद भी महिला अब विश्वास नही कर सकती बात छोटी है। वहीं शीतल विश्वकर्मा निवासी जाकिर हुसैन वार्ड ने बताया कि उन्होंने अपनी समग्र आईडी मे निवास स्थान बदलवाने के तीस दिनो के बाद भी सुधार नही हुआ था चक्कर काट कर परेशान थी। इससे सरकारी सिस्टम और नगर पालिका की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े करते है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी आमजन की समस्याएं

बैतूल - कलेक्टर अमनबीर सिंह बैस ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई मे आमजन की समस्याएं सुनी। इस दौरान प्राप्त श्री बैस ने कुल 86 आवेदनो पर समय-सीमा मे उचित कार्रवाई के संबधित अधिकारियो को निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री बैस ने कहा है कि जिले भर से इस जनसुनवाई मे विश्वास के साथ आमजन अपनी समस्याओं को लेकर पहुँचते है। मामलो का निश्चित समय के भीतर निराकरण और सही कार्यवाही के लिए निर्देश किये है।

एसपी सिध्दार्थ द्वारा थाना शाहपुर भौरा चौकी का अक्स्मात निरीक्षण

बैतुल - पुलिस अधीक्षक सिध्दार्थ चौधरी द्वारा थाना शाहपुर भौरा चौकी का अक्स्मात निरीक्षण कर प्रत्येक शाखा मे कार्यरत कर्मचारियो से उनके द्वारा किये जा रहे। कार्यो को जानकारी लेकर असल जरायम रजिस्टर मर्ग अल्फाबेटिकल रजिस्टरो के रख रखाव एवं जप्त माल / वाहन के डिस्पोजल के संबंध मे पूछताछ की गई। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी शाहपुर भी उपस्थित रहे। रिकार्ड के रख रखाव एवं थाना परिसर स्वच्छता के संबध मे निर्देश दिये गये। ख़ास बात रही कि श्री थाने चौधरी ने थाने मे मौजूद शिकायत करने पहुचे पीड़ितो से उनकी समस्या पूछ कर पुलिस कार्य प्रणाली के संबध मे क्रास चेकिंग भी की गई है।

प्रवासी आयोग के अध्यक्ष भागचंद उइके ने सांसद सदस्य ज्ञानेश्वर पाटिल से की संगठनात्मक चर्चा

बरेली 7 मध्य प्रदेश राज्य प्रवासी श्रम आयोग के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त भागचंद उईके लगातार मध्यप्रदेश में भ्रमण कर रहे हैं जिससे मध्यप्रदेश में निवासरत प्रवासियों तक पहुंचा जाए ? अपने प्रवास के दौरान खंडवा विश्राम गृह में सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल से अध्यक्ष ने सौजन्य भेंट कर कई संगठनात्मक चर्चा कर प्रवासी श्रमिक आयोग द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के बारे में सांसद से विस्तृत चर्चा कर सुझाव लिए 7 भागचंद योगी ने बताया कि प्रवास के दौरान विधायक सांसद विधायक जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा तैयार की जा रही है जिससे मध्यप्रदेश में निवासरत श्रमिक प्रवासियों के लिए जन कल्याण के काम किए जाएं और आयोग द्वारा चलाए जा रहे अभियानों का भी सदस्यों के साथ ग्राउंड जीरो पर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है इस बीच खंडवा में प्रवासी श्रम आयोग की बैठक मैं भी अध्यक्ष शामिल हुई चर्चा की।

रूढ़ियों को समाप्त करना और परंपराओं को पुनस्थापित करने का श्रेय महात्मा फुले को

दमोह । क्रांतिसूर्य महात्मा फुले नारी शिक्षा के लिए दो शताब्दियों पहले उनके जो प्रयास है उसके लिए वह हमेशा अमर रहेंगे। उन्होंने बाल विवाह, विधवा विवाह से लेकर जो मूल शिक्षा है उसके प्रति भी उनका जो योगदान है, वह सराहनीय है। भारतीय रूढ़ियो को समाप्त करना और परंपराओं को पुनर्स्थापित करने का श्रेय महात्मा ज्योतिबा फुले को है। जिस कम उम्र में उन्होंने यह सब किया। उस समय ना साधन थे ना अनुकूलता थी, उन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उनकी सफलता, उनकी तप साधना का प्रतीक है। मैं उनके चरणों में नमन करता हूं। इस आशय के विचार केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जलशक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने स्थानीय मॉडल स्कूल सी.एम. राईज स्कूल का नाम महात्मा ज्योतिबा फुले के नाम पर रखे जाने तथा छात्राओं से संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये। इस मौके पर कलेक्टर मयंक अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल, सीईओ जिला पंचायत अजय श्रीवास्तव, भरत यादव जिला शिक्षा अधिकारी एसके मिश्रा सहित जनप्रतिनिधिगण, सीएम राईज स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकायें तथा बड़ी संख्या में छात्रायें मौजूद थी।

उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री बोरावां आकर स्व. सुभाष यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित करेंगे पुष्पांजलि

खरगोन। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गुरूवार 13 अप्रेल

को अपरान्ह 3 बजे ग्राम बोरावां आकर मध्यप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व.सुभाष यादव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री अरूण यादव और प्रदेश के पूर्व कृषि मंत्री एवं कसरावद के विधायक सचिन यादव भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व.मुलायमसिंह यादव और मध्यप्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व.सुभाष यादव के गहरे पारिवारिक रिश्ते थे। अब इन्हीं रिश्तों को उनके बेटे अखिलेश यादव, अरूण यादव और सचिन यादव आगे बढाकर उन रिश्तों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। अखिलेश यादव बोरावां में अरूण यादव और सचिन यादव के परिजनों से भी भेट करेंगे।

मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां तेज, कलेक्टर एसपी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

खरगोन। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के महेश्वर आगमन की तैयारियां तेज हो गई है।14 अप्रैल को वे यहां बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती और महिला महासम्मेलन में पहुचेंगे। सोमवार को कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा और एसपी श्री धर्मवीर सिंह ने तैयारियों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बूड़ी जीन स्थित मैदान पर कार्यक्रम स्थल के सम्बंध में सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। यहाँ पार्किंग, मंच, प्रदर्शनी,सजावट आदि के सम्बंध में निर्देशित किया। मंच और डॉम में बैठक व्यवस्थाओं तथा रैंप मजबूत और चौड़ा बंनबने के निर्देश दिए है।

जिलेभर में लगाए जा रहे रेवेन्यू कैम्प, कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जीआर ने मंगलवार को ईशानगर में लगाए गए रेवेन्यू समस्याआ निवारण कैम्प का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नायब तहसीलदार को क्षेत्र के फौती नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन की जानकारी लेते हुए लंबित प्रकरण का तत्काल निराकृत करने एवं रेवेन्यू कोर्ट को ठीक से देखने के निर्देश दिए। साथ ही रेवेन्यू कैम्प की जानकारी मुनादी करके ग्रामवासियों को दे।

कलेक्टर के निर्देशन में जिले भर में रेवेन्यू कैम्प के माध्यम से एक ही स्थान पर संबंधित का फौती नामांतरण एवं राजस्व समस्या का निराकरण तत्काल हो रहा है। उन्होंने मृत पंजी का अवलोकन करते हुए अपडेट करने, पिछले तीन का रिकॉर्ड तैयार रखने के निर्देश दिए एवं तत्काल फौती नामांतरण, अंत्येष्टी सहायता, राष्ट्रीय परिवार सहायता, विधवा पेंशन योजना का लाभ तत्काल देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधित आवेदन लंबित न रहे और हर पात्र व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ मिले। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजनांतर्गत लगाए गए शिविर में महिलाओं से फॉर्म भरने, ई-केवायसी, डीबीटी तथा आवेदन करने में किसी भी तरह की परेशानी तो नहीं आ रही जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंचायतों के संपर्क ग्रुप में योजना एवं व्यक्ति के हितलाभ संबंधित जानकारी तत्काल भेजें। उन्होंने पहाड़गांव में शासकीय उचित मूल्य की दुकान का भी निरीक्षण कर स्टॉक की जानकारी ली एवं समय राशन वितरण करने के निर्देश दिए और हो राशन वितरण की प्रक्रिया को हितग्राही के समक्ष में देखा। साथ ही हितग्राही को समय मिल रहे राशन के बारे में पूछा। इस अवसर पर एडीएम, एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

13 को छतरपुर आयेंगे शिवसेना के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सुनील

छतरपुर- शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष सुनील शर्मा जी मध्यप्रदेश के दौरे पर है और पदाधिकारियों से लगातार बैठक कर रहे है जिसके संदर्भ में 13 अप्रैल को शिवसेना के प्रदेश प्रमुख सुनील शर्मा जी छतरपुर जिले के एक दिन के प्रवास पर रहेंगे जहां पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारीयों को संबोधित करेंगे तथा पत्रकारवार्ता कर पत्रकारों से रूबरू होंगे उनका यह दौरा 26 अप्रैल को भोपाल में होने वाले जन आंदोलन को लेकर होगा साथ ही शिवसेना को मध्यप्रदेश के मजबूती प्रदान करने के लिए होगा शिवसेना जिला प्रमुख मुन्ना तिवारी ने बताया है कि शिवसेना के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का यह प्रथम जिला का दौरा है।

क्राइम मीटिंग में बोले एसपी-पीड़ित के साथ दुर्व्यवहार न हो

शिवपुरी - नवागत पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया ने जिले के समस्त एसडीओपी एवं समस्त थाना प्रभारियों के साथ मंगलवार को कंट्रोल रूम में पहली क्राइम मीटिंग ली। मीटिंग में सर्व प्रथम पुलिस अधीक्षक भदौरिया द्वारा सभी अधिकारियों से परिचय लिया गया एवं थानावार उपलब्धियों व आगामी लक्ष्यों के बारे मे जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त अधिकारियों को चेताया गया कि थाने पर आने बाले पीड़ित के साथ दुरुव्यवहार न करें एवं नैतिकता के साथ व्यवहार करते हुये उनकी समस्या को सुने एवं वैधानिक कार्यवाही करें।

इसके अलावा पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को थाने के सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने,सभी थानों को परस्पर प्रतिस्पर्धा करते हुये अच्छे से अच्छा काम करने ,थाना परिसर मे पेड़ पौधों एवं फूलों के गमले रखें एवं पानी की व्यवस्था थानों पर दिन एवं रात्रि मे ड्यूटी अफसर थाने पर मौजूद रहे एवं ड्यूटी ऑफिसर का मोबाइल नंबर थाने की दीवाल पर चस्पा हो यह सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अलावा एसपी भदौरिया द्वारा थाने पर प्राप्त होने बाली छोटी-छोटी शिकायतों पर तुरंत कार्यवाही करने,जुआ, सट्टा, अवैध शराब, अवैध उत्खनन, शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, राशन, नार्कोटिक्स, ड्रग माफियाओं व बलात्संग, पोक्सो एक्ट मे आरोपियों के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करने एवं आरोपियों के खिलाफ एनएसए की कार्यवाही करने पर ज़ोर दिया गया।संपत्ती संबंधी अपराधों,चोरी, नकबजनी, लूट, डकैती में कमी लाने

एवं तुरत कार्यवाही करते हुये घटना का पर्दाफास कर आरोपियों की गिरफ्तारी,आरोपियों की प्रोफाइल तैयार करने, विशेष अभियान चला कर ज्याता से ज्यादा वारंटों की तामील करने,गंभीर अपराधों मे 24 घंटे के अंदर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने,नाबालिक बालक बालिकाओं के गुमसुदगी में जल्द से दस्तयाबी की कार्यवाही करने,सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुये संतुष्ठी पूर्वक निराकरण करने एवं निराकरण का प्रतिशत 90 से अधिक करने,कार्यालय से प्राप्त शिकायतों का तीन दिवस के अंदर स्टेटस अपडेट कर सात दिन के अंदर निराकरण करने,थाने पर आरोपियों को अनावश्यक न रखने व कैमरे की निगरानी मे ही रखने एवं समस्त थाना प्रभारयों को अपने क्षेत्र में पैदल पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए।

सहायक ने बुजुर्ग महिला की कुटीर के 40 हजार हड़पे, शिकायत

शिवपुरी। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक 80 साल की बुजुर्ग महिला ने उसके गांव के सहायक सचिव पर पीएम आवास योजना की तीसरी किश्त के 40 रुपए छीनने के आरोप लगाए। जिले के परिच्छा पंचायत की रहने वाली महिला का कहना है कि वो इस मामले की पुलिस से भी शिकायत कर चुकी है लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। यहीं नहीं उसने सीएम हेल्पलाइन में भी सहायक सचिव की शिकायत की है। कलेक्टर रविंद्र चौधरी ने जांच के निर्देश दिए है। बुजुर्ग महिला नारायणी पत्नी प्रभुदयाल शिवहरे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उसे कुटीर स्वीकृत हुई थी। जिसकी अंतिम किश्त के 40 हजार रुपए उसके खाते में आए जिसे उसने बैंक से निकाला और घर आने लगी, तभी रास्ते में उसे गांव का सहायक सचिव हेमंत गोस्वामी मिलाए उसने मुझे रोका और कहा कि खाते में जो रुपए आए हैं,वह किसी दूसरी नारायणी नाम की महिला के हैं इतना कहते हुए उसने मेरे हाथ से 40 हजार रुपए छीन लिए। इसके बाद महिला पोहरी थाने पहुंची और सहायक सचिव की शिकायत कराई लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। शिकायत करने के बाद से सहायक सचिव लगातार उसे जान से मारने की धमकी दे रहा है।

मामले में सहायक सचिव हेमंत गोस्वामी का कहना है कि महिला के आरोप निराधार हैं। महिला को आवास की तीसरी किश्त मिल चुकी है जो वह खर्च कर चुकी है जबकि महिला को उन पैसों का इस्तेमाल आवास की छत में करना था। महिला ने आज दिनांक तक आवास की छत नहीं डलवाई है।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई

छतरपुर।।जिला पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। कलेक्टर संदीप जी.आर. सहित अधिकारियों ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण की एवं दीपप्रज्जवल किया। तत्पश्चात् जिला स्तरीय जनसुनवाई में लोगों से प्राप्त आवेदनों की सुनवाई शुरू हुई। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त 104 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण हेतु सौंपे गये। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम नमः शिवाय अरजरिया सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही दिव्यांगों की अलग से समस्याएं सुनी गई। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, अतिक्रमण, स्वास्थ्य, खाद्य, श्रम, सामाजिक न्याय, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुये।

न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त 3. हर्राखेडा तहसील बैरसिया जिला भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक 172 अ/6/2022-23 बैरसिया दिनांक 10/04/20023

उद्घोषणा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शंकरलाल पुत्र हरीराम निवासी ग्राम सेमली लोड़ा तहसील सारंगपुर जिला राजगढ़ (म.प्र.) द्वारा आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109-110 मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत कर लेख किया है कि ग्राम रोंझिया बाज्याफत स्थित भूमि खसरा कमांक 155 / 2/3 कुल रकवा 2.000 हेक्टेयर भूमि का फौतीनामान्तरण चाहा गया है।

आवेदक द्वारा आवेदित भूमि का वैधवारिसों के नाम फौतीनामान्तरण किये जाने की मांग की है। उक्त भूमि के फौतीनामान्तरण किये जाने में किसी को आपत्ति हो तो वह आपत्ति दिनांक 17/04/2023 को स्वयं उपस्थित होकर या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। वादम्याद आपत्ति पर किसी प्रकार का कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नायब तहसीलदार
वृत्त 3. हर्राखेड़ा बैरसिया

हर घर नल से जलः कलेक्टर ने तरपेड बांध का किया निरीक्षण

छतरपुर,। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने मध्य प्रदेश जल निगम मर्यादित द्वारा मंगलवार को हर घर नल से जल पहुंचाने क्रियान्वित गरोली (नौगांव) ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत इंटेक वेल निर्माण कार्य हेतु तरपेड बांध पर प्रस्तावित निर्माण स्थान का निरीक्षण किया गया। इस दौरान एडीएम नमः शिवाय अरजरिया, एसडीएम बलवीर रमन, पीएचई एवं जल निगम के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने जल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शीघ्र ही इंटेक वेल और जल शोधन संयंत्र का निर्माण कार्य प्रारंभ करें। उन्होंने एसडीएम को तुरंतकि जल शोधन संयंत्र हेतु शासकीय भूमि के लिए शीघ्र सीमांकन कर अग्रिम आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल शोधन संयंत्र के नक्शें का अवलोकन करते हुए अलग-अलग स्थान पर उच्च स्तरीय टंकियों के प्वाइंट एवं किन ग्रामों में पेयजल जाएगा आदि की विस्तृत जानकारी ली।

एबीवीपी व बजरंगदल कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट करने वाले 04 आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले की सीमा पर स्थित क्षीर सागर के ग्राम बिजौरी में बीते दिनों एबीवीपी व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं कर साथ मारपीट व बलवा करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों दादू यादव, उदय भान,बेसाहू बैगा तथा शंकर दास यादव को गिरफ्तार कर आज न्यायालय में पेश किया।जिन्हें न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। न्यायालय से जेल ले जाते समय पुलिस वाहन जय स्तंभ में अचानक खराब हो गया।जिसके बाद चारो आरोपियो को पैदल ही मुख्य मॉर्ग से जेल तक ले जाया गया। उक्त वारदात में शामिल दो अन्य आरोपियो को पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका था। जबकि ये चारों आरोपी फरार चल रहे थे। विदित हो कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शहडोल मे विभाग संगठन मंत्री सुरजीत सिंह बघेल पिता मानकचन्द्र बघेल उम्र 25 वर्ष द्वारा बीते दिनों इसकी शिकायत दर्ज कराई गई थी कि गत 01 अप्रैल को मैं अपने साथी अनुराग वर्मा, अविनाश मिश्रा, बजरंग दल जिला संयोजक अखिलेश द्विवेदी के साथ क्षीरसागर ग्राम बिजौरी स्थित मंदिर मे सन्त महंत गिरी से मिलने गया था। जब हम लोग मंदिर से नीचे तरफगये तो वहां नदी के दूसरी तरफकुछ लोग खाना मे मांस मटन बनाकर शराब लेकर सोन नदी के किनारे चले गये जो वहां पहुंचते ही एक आंख से काना व्यक्ति प्रीतम यादव व उसके साथ वाले खुशी यादव,सीताराम यादव, शंकरदास यादव, उदय यादव, दद्दू यादव, बिसाहू यादव व अन्य दो और व्यक्ति हम लोगों से बोले की शराब पीने के लिए पैसे दो नहीं तो यहीं पटक के मारेंगे। जब हम लोगो ने पैसे देने से मना किये तो उन लोगो ने हमारे साथ गाली गलौच करते हुये मारपीट की गई थी। फरियादी की शिकायत पर आरोपियो के खिलाफधारा 323, 327, 294, 506, 147, 148, 149 के तहत मामला दर्ज सोहागपुर थाने में शून्य पर दर्ज कर सम्बंधित गोहपारू थाना विवेचना के लिए भेजा गया था।

काम कर वापस लौट रहे व्यक्ति की सडक हादसे में मौत

शहडोल। काम कर घर वापस लौट रहे व्यक्ति की घर से महज 200 मीटर पहले ही सड़क हादसे में मौत हो गई है, पूरी रात शव रास्ते में ही पड़ा रहा 08 घंटे बाद लोगों को मामले की खबर लगी, जिले के बुढार थाना क्षेत्र के धनगवा गांव के पास यह हादसा हुआ है, मंगलवार की सुबह पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि मृतक भारत यादव 45 वर्ष निवाशी धनगवा शहडोल में ड्राइवरी का काम करता था, काम करने के बाद वह बीती रात 10 बजे शहडोल से घर के लिए निकला तभी घर पहुंचने से 200 मीटर पहले ही सड़क के किनारे लगे पत्थर से उसकी बाइक जा टकराई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। वह मार्ग रात में कम चलता है जिसकी वजह से घटना की जानकारी 08 घंटे बाद पुलिस को मिली पुलिस ने जानकारी देते हुए यह भी बताया है कि सुबह 06 बजे जब रास्ते से गुजर रहे ग्रामीणों ने खून से लथपथ शव देखा तो मामले की जानकारी पुलिस को दी, सूचना लगते ही पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि सुनसान रास्ता होने की वजह से रात में मामले की जानकारी नहीं लगी थी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिकी विभाग मुख्यालय गोविंदपुरा (बी.एच.ई.एल)

निविदा आमंत्रण घोषणा पत्र

क्र.363/यां. वि./2023 भोपाल दिनांक 11.04.2023

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार पर्सेंटेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर	कार्य की अविध
1	2022_ UAD _ 252775_3	CONST. OF ZONE OFFICE NEAR OVERHEAD TANK OLD SUBASH NAGAR WARD 44, ZONE 12 (third call)	2394263/-	17957/-	5000/-	MPUADD ISSR 2021	06 Months

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M. (time) 12.04.2023 (date) to 17:30P.M. (time) 26.04.2023(date).
3. Amendments to NIT (if any) would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.

The initial period of 3(Three) year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

नि.क्र. 46/023/024

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

OFFICE OF THE POLICE STATION KOHEFIZA, BHOPAL PIN 46001 (M.P.)

क्रमांक था./कोहे./भो / गुम इंसान - 21/23 दिनांक 31.03.2023

जाहिर सूचना

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है सूचक अर्जुन गौसर पिता प्रकाश गौसर उम्र 26 साल निवासी फोरसीजन गार्डन स्टाफ क्वाटर खानूगाँव कोहेफिजा भोपाल मोबा. 9617480198 ने थाना आकर रिपोर्ट किया की मै उपरोक्त लिखाये पते पर रहता हूँ तथा फोरसीजन गार्डन मे नौकरी करता हूँ कि दिनांक 13/03/23 के सुबह करीब 04.00 बजे मे अपने कमरे से गार्डन के किचिन मे साफ सफाई करने गया था सुबह करीब 08.30 बजे जब मे घर वापस आया तो मुझे मेरी पत्नि सपना गौसर पति अर्जुन उम्र 25 साल घर पर नही मिली जिसे मैने आसपास तलाश किया व रिश्तेदारो मे पता किया लेकिन आज दिनाक 17/03/23 तक उसका का कोई पता नही चला है मेरी पत्नि सपना गौसर का हुलिया रंग गौरा, चेहरा गोल, ऊचाई करीब 05 फिट, दुबली पतली है जो साडी ब्लाउज पेटिकोट पहने है जो घर से बिना बताये कही चली गई है मुझे शंका है की मेरी पनि सुनील घारवे के साथ गई है रिपोर्ट करता हूँ कार्यवाही की जावे। सूचक की रिपोर्ट पर गुमइंसान क्रमाक 21/2023 कायम कर जाँच मे लिया गया कायमी की सूचना जरिये वायरलेस सेट शहर व देहात के सभी थानो को भेजी गई।

उक्त गुमशुदा के सबंध में कोई जानकारी मिलती है तो थाना कोहेफिजा के मोवाईल क्रमांक 9479990687 पर सूचना देने का कष्ट करें।

जी-11370/23

थाना कोहेफिजा
थाना कोहेफिजा भोपाल

हरदा विधानसभा पर रहा कांग्रेस-भाजपा का बराबर कब्जा

बीते 30 वर्षों में मतदाता तो बढ़े लेकिन भाजपा का वोट प्रतिशत घटा

हरदा विधानसभा क्षेत्र में पिछले 50 वर्षों में 1 लाख 66 हजार 584 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। 1972 में इस विधानसभा में मात्र 61 हजार 711 मतदाता थे, जबकि 2023 में अभी तक की मतदाता सूची अनुसार 2 लाख 28 हजार 895 मतदाता है। जिसमें पिछले 2018 की तुलना में 13 हजार 936 नए मतदाता बढ़े है। इस क्षेत्र में हुए कुल 15 विधानसभा चुनाव में 7 बार कांग्रेस, 6 बार भाजपा तथा 1 बार किसान मजदूर प्रजा पार्टी एवं 1 बार जनता पार्टी के उम्मीदवार ने जीत हासिल की है। 1980 में भाजपा के अस्तित्व में आने के पश्चात 3 बार कांग्रेस और 6 बार भाजपा जीती है। यहां 1993 से भाजपा द्वारा लगातार कमल पटेल को ही अपना उम्मीदवार बनाया जाता रहा है। जबकि कांग्रेस हर बार नए चेहरे पर दांव लगाती रही है। जिसमें केवल एक बार डॉ. रामकिशोर दोगने विजयी रहे, जबकि 5 बार भाजपा के कमल पटेल ने जीत हासिल की है। परंतु विगत 30 वर्षों में जहां विधानसभा के नए मतदाता बढ़े है, वहीं भाजपा का वोट प्रतिशत कम हुआ है।

प्रदेश की हरदा विधानसभा क्षेत्र का मध्यप्रदेश गठन से आज तक कांग्रेस और भाजपा ने बराबर समय नेतृत्व किया है। 1 नवंबर 1956 को मध्यप्रदेश का गठन होने के पश्चात इस विधानसभा सीट पर भाजपा के अस्तित्व में आने तक अधिकांश समय कांग्रेस उम्मीदवार ही विजय होते रहे। परंतु जब 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ तो उसके बाद महज तीन बार ही कांग्रेस को जीतने का अवसर मिल पाया। इस क्षेत्र से मध्यप्रदेश गठन से पहले 1951 में जहां किसान मजदूर प्रजा पार्टी से महेशदत्त मिश्र ने प्रतिनिधित्व किया था, वहीं मध्यप्रदेश के अस्तित्व में आने के पश्चात 1957 में कांग्रेस से गुलाब रामेश्वर और 1962 में कांग्रेस के ही लक्ष्मणराव नाईक ने नेतृत्व किया। इसी तरह 1969 में कांग्रेस के नन्हेलाल पटेल तथा 1972 में हुए मध्यावर्ती चुनाव में फिर कांग्रेस के ही नन्हेलाल पटेल ने भारतीय जनसंघ के उम्मीदवार वीरेन्द्र कुमार आनंद को 8 हजार 854 मतों से पराजित करते हुए जीत हासिल की थी। परंतु 1977 के विधानसभा चुनाव में कुल 36 हजार 230 मतदाताओं के मताधिकार उपरांत जनता पार्टी के उम्मीदवार बाबूलाल सिलारपुरिया ने 15 हजार 813 वोट हासिल कर निर्दलीय चुनाव लड़े वीरेन्द्र कुमार आनंद को 6 हजार 102 मतों से पराजित किया था। जब 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ तो इस विधानसभा क्षेत्र से पहली बार भाजपा ने शिवनारायण टांक को अपना उम्मीदवार बनाया था। तब इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 68 हजार 239 मतदाता थे, जिसमें 38631 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसी चुनाव में हरदा से प्रदेश की राजधानी भोपाल में बतौर पत्रकार पत्रकारिता करने गए विष्णु राजौरिया ने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था। श्री राजौरिया को तब कांग्रेस के दिग्गज नेता अर्जुन सिंह का कट्टर समर्थक माना जाता था। प्रदेश गठन के बाद यही पहला अवसर था जब इस विधानसभा क्षेत्र से सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्राम्हण उम्मीदवार विष्णु राजौरिया चुनाव मैदान में उतरे थे। जिन्होंने मात्र 19 हजार 836 वोट हासिल कर भारतीय जनता पार्टी के शिवनारायण टांक को 2114 मतों से पराजित किया था। श्री राजौरिया ने 1985 के विधानसभा चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार वीरेन्द्र कुमार आनंद को 5052 मतों से पराजित कर अपना कब्जा बरकरार रखा था। इस चुनाव में श्री राजौरिया को कुल वैध 47 हजार 328 मतों में से 25 हजार 480 मत हासिल हुए थे। परंतु जब 1990 में विधानसभा चुनाव हुए तो नामांकन दाखिल होने के अंतिम समय में कांग्रेस के इस कद्दावर नेता और अर्जुन सिंह की नाक का बाल कहलाने वाले विष्णु राजौरिया का टिकिट काटकर कांग्रेस ने राजपूत समाज के लखन सिंह मौर्य को उम्मीदवार घोषित कर दिया था। यहां उल्लेखनीय है कि विष्णु राजौरिया के विधायक और प्रदेश सरकार में मंत्री रहते हुए हरदा के ही कद्दावर कांग्रेस नेता एकनाथ अग्रवाल से पटरी नहीं बैठ पाने के कारण कांग्रेस दो धड़ों में बंट गई थी। यही कारण था कि कांग्रेस नेता एकनाथ अग्रवाल विष्णु राजौरिया को टिकिट देने के पक्ष में नहीं थे। जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस के दिग्गज नेता अर्जुन सिंह दो बार के विजयी विधायक विष्णु राजौरिया का टिकिट पक्का करा चुके थे। ऐसी स्थिति में उस समय राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा थी कि विष्णु राजौरिया से खफा चल रहे एकनाथ अग्रवाल ने ही अपने प्रभाव का उपयोग करते हुए भारतीय जनता पार्टी से अपने स्वजातीय बंधु बद्रीनारायण अग्रवाल को टिकिट दिलाने में भीतरखाने से मदद की थी। यह पहला अवसर था जब हरदा विधानसभा के खिरकिया क्षेत्र से किसी राजनीतिक दल द्वारा अपना उम्मीदवार बनाया गया हो। हकीकत चाहे जो भी हो लेकिन माना जाता था कि बद्रीनारायण अग्रवाल को भाजपा द्वारा अपना उम्मीदवार घोषित करने के बाद कांग्रेस ने नामांकन दाखिल होने वाले दिन अंतिम समय में अपना उम्मीदवार बदलते हुए लखनसिंह मौर्य को उम्मीदवार घोषित कर दिया था। चूंकि विष्णु राजौरिया की दावेदारी का विरोध करते हुए उस समय स्वर्गीय एकनाथ अग्रवाल द्वारा अपनी ओर से लखनसिंह मौर्य का नाम ही प्रस्तावित किया था

अब जबकि कांग्रेस ने श्री अग्रवाल द्वारा प्रस्तावित नाम को ही उम्मीदवार घोषित कर दिया तो ऐसी स्थिति में श्री अग्रवाल खेमे के समक्ष दुविधा की स्थिति निर्मित हो गई थी। चूंकि एक ओर भाजपा उम्मीदवार बद्रीनारायण अग्रवाल को भी उन्हीं की पसंद माना जा रहा था तो वहीं दूसरी ओर लखनसिंह मौर्य भी उन्हीं के समर्थक थे। इस चुनाव में जहां श्री राजौरिया खेमे ने श्री अग्रवाल के समर्थक लखनसिंह मौर्य का विरोध किया तो वहीं श्री अग्रवाल के समर्थक भी उतना खुलकर अपने उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार नहीं कर पाए थे। परिणामस्वरुप इस चुनाव में कुल 60 हजार 137 मतों में से 31 हजार 11 मत भाजपा उम्मीदवार बद्रीनारायण अग्रवाल ने हासिल करते हुए कांग्रेस के लखनसिंह मौर्य को 5 हजार 192 मतों से पराजित करते हुए भाजपा की विजय पताका लहराई थी। भारतीय जनता पार्टी के गठन पश्चात हरदा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की यह पहली जीत थी। बहरहाल अयोध्या बाबरी मस्जिद मुद्दे को लेकर 1993 में मध्यप्रदेश सहित चार राज्यों की सरकार भंग कर केंद्र ने राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। जिसके चलते 1993 में हुए मध्यावर्ती चुनाव में जहां कांग्रेस ने पुनः अपने अपराजित नेता विष्णु राजौरिया को उम्मीदवार बनाया था तो वहीं भारतीय जनता पार्टी ने विद्यार्थी परिषद से निकलकर आए युवा नेता कमल पटेल को चुनाव मैदान में उतारा था। इस चुनाव में विष्णु राजौरिया के पक्ष में कांग्रेस के दिग्गज नेता अर्जुन सिंह स्वयं जनसभा लेने हरदा आए थे। तब उन्होंने सार्वजनिक मंच से कहा था कि भाजपा ने कांग्रेस के शेर विष्णु राजौरिया के सामने कमल पटेल के रुप में मेमना उतार दिया है। वहीं उन्होंने अपनी ही पार्टी कांग्रेस के स्थानीय नेता स्वर्गीय एकनाथ अग्रवाल को भी मंच से भला बुरा कहा था। अर्जुन सिंह इस दौरान अपने उम्मीदवार की जीत को लेकर इतने ज्यादा आशान्वित थे कि उन्होंने यहां तक कह दिया था कि अगर भाजपा के सुंदरलाल पटवा भी यहां आकर चुनाव लड़ते है तो हार जाएंगे। यह वह दौर था जब हरदा क्षेत्र कपास उत्पादन और खरीदी का बड़ा केन्द्र हुआ करता था। यह कारोबार कांग्रेस के कद्दावर नेता एकनाथ अग्रवाल द्वारा बड़े पैमाने पर किया जाता था। मंडी में बिकने वाले कपास का तौल श्री अग्रवाल की जीनिंग फैक्ट्री में ही होता था और कहा जाता था कि यहां किसान तौल में की जाने वाली गड़बड़ी को लेकर आरोप प्रत्यारोप लगाते है। तब भाजपा के युवा नेता कमल पटेल ने इसे ही अपनी राजनीति का मुद्दा बनाते हुए किसानों के हित में तौल कांटों की जांच कराने को लेकर एक बड़ा आंदोलन किया था। किसानों के बीच निडरता के साथ श्री अग्रवाल का विरोध करने और किसानों का पक्ष लेने के कारण कमल पटेल युवा नेतृत्व के रुप में चर्चित हो गए थे। इस दौरान हर समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद करने वाले कमल पटेल को स्थानीय मीडिया ने भी अच्छा कवरेज देते हुए जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया था। यही कारण था कि बहुत ही कम समय में कमल पटेल न केवल हरदा विधानसभा क्षेत्र में बल्कि उस समय अविभाजित रहे पूरे होशंगाबाद जिले में चर्चित हो गए थे। वैसे तो श्री पटेल ने कांग्रेस नेता श्री अग्रवाल का व्यवसायिक तौर पर विरोध करते हुए अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी, लेकिन विधानसभा चुनाव में श्री अग्रवाल अपने राजनैतिक विरोधी विष्णु राजौरिया को पुनः जीत तक वजनदार नहीं होने देना चाहते थे।

वहीं अर्जुन सिंह को भी वह इस पराजय से राजनीतिक तौर पर प्रदेश स्तर पर शिकस्त देने का कार्य करना चाहते थे। जिसके परिणामस्वरुप इस विधानसभा चुनाव में जहां भारतीय जनता पार्टी अपने युवा नेता कमल पटेल के पक्ष में तन-मन और धन के साथ चुनाव मैदान में उतरी थी तो वहीं परदे के पीछे से श्री अग्रवाल के समर्थकों ने भी श्री पटेल का ही साथ दिया था। जिससे कांग्रेस के विष्णु राजौरिया को हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में कुल 72 हजार 654 मतदाताओं में से भाजपा के कमल पटेल को 41 हजार 107 वोट मिले थे। उन्होंने कांग्रेस के श्री राजौरिया को 11 हजार 565 मतों से पराजित करते हुए 57 प्रतिशत मत हासिल किए थे। इस हार के बाद विष्णु राजौरिया ने हरदा विधानसभा क्षेत्र से लगभग अपना संपर्क कम कर लिया था। लेकिन कांग्रेस की राजनीति में अब भी राजौरिया ग्रुप और सेठ ग्रुप के रुप में दो धड़े बने हुए थे। जब 1998 में विधानसभा चुनाव हुए तो भाजपा ने अपने युवा नेता कमल पटेल को ही उम्मीदवार बनाया था, लेकिन कांग्रेस ने जाट समाज के कमल पटेल का तोड़ जाट समाज के अनिल पटेल को अपना उम्मीदवार बनाया। अनिल पटेल कांग्रेस नेता स्वर्गीय एकनाथ अग्रवाल के कट्टर समर्थक माने जाते थे। लेकिन इस चुनाव में राजौरिया गुट ने जहां अनिल पटेल का विरोध किया तो वहीं जाट समाज भी दो धड़ों में विभाजित हो गई थी। वहीं क्षेत्र के मतदाताओं ने भी दोनों जाट उम्मीदवारों में से अपने देखे परखे और विगत 5 वर्षों से विधानसभा क्षेत्र का नेतृत्व करते हुए हरदा को जिला घोषित कराने वाले नेता कमल पटेल पर अधिक भरोसा जताया। जिसके चलते इस चुनाव में कुल 77 हजार 208 मतदाताओं में से 44 हजार 357 मतदाताओं ने भाजपा उम्मीदवार कमल पटेल को वोट दिए थे। जिसके चलते उन्होंने कांग्रेस के अनिल पटेल को 14069 वोटों से पराजित करते हुए पुनः 57 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। इस चुनाव में लगभग 5 हजार नए मतदाता तो जुड़े थे लेकिन कमल पटेल को हासिल होने वाले मतों का प्रतिशत पिछले चुनाव की तुलना कम नहीं हुआ था। वहीं जीत का अंतर भी पिछले चुनाव से बढ़ गया था। परंतु इस चुनाव के बाद हुए लगभग हर चुनाव में कमल पटेल का वोट प्रतिशत नीचे खिसकता चला गया। वहीं जीत का अंतर भी कम होता गया। 2003 के विधानसभा चुनाव में जहां भाजपा ने तीसरी बार कमल पटेल को अपना उम्मीदवार घोषित किया था वहीं कांग्रेस ने फिर विष्णु राजौरिया को चुनाव मैदान में उतार दिया। इस चुनाव में भी 1993 वाली राजनीतिक स्थितियां दोहराई गई और कांग्रेस के अग्रवाल खेमे ने श्री राजौरिया का परदे के पीछे विरोध करते हुए पराजय में महती भूमिका निभाई। जिसके चलते भाजपा के कमल पटेल कुल 97 हजार 761 वैध मतों में से 46398 मत हासिल कर कांग्रेस के श्री राजौरिया से 5475 मतों से जीत गए थे।

इस चुनाव में जहां जीत का अंतर बीते चुनाव की तुलना आधे से भी कम रहा तो वहीं प्राप्त मतों का प्रतिशत भी खिसक कर 47 प्रतिशत रह गया था। इसके पश्चात जब 2008 में विधानसभा चुनाव हुए तो भाजपा ने चौथी बार कमल पटेल को ही अपना उम्मीदवार बनाया। इस दौरान कमल पटेल प्रदेश में बनी भाजपा सरकार के मंत्री के रुप में चुनाव लड़े थे। वह स्वर्गीय बाबूलाल गौर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में चिकित्सा शिक्षा एवं धर्मस्व न्याय मंत्री रहे। तत्पश्चात शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार में बतौर राजस्व मंत्री की भूमिका निभाते हुए यह चुनाव लड़ रहे थे। इस चुनाव में कांग्रेस ने फिर अपना उम्मीदवार बदलते हुए हरदा नगरपालिका के अध्यक्ष रहे हेमंत टाले को चुनाव मैदान में उतारा था। हरदा विधानसभा क्षेत्र में जातिगत समीकरणों के मान से गहरा प्रभाव रखने वाले गुर्जर समुदाय के हेमंत टाले ने न केवल कमल पटेल की जीत का अंतर बढ़ा दिया बल्कि राजनीतिक दृष्टि से इस चुनाव को पहले से ही भाजपा की झोली में जाता माना जा रहा था। यहां कमल पटेल ने 1 लाख 11 हजार 945 विधिमान्य मतों में से 45 हजार 123 मत हासिल करते हुए कांग्रेस के हेमंत टाले को 8863 मतों से पराजित किया था। पिछले चुनाव की तुलना इस चुनाव में जहां 14184 नए मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था, लेकिन कमल पटेल को जहां 2003 के चुनाव में 46398 मत हासिल हुए थे और वह कुल मतदान का 47 प्रतिशत मत हासिल करने में कामयाब रहे थे वहीं इस चुनाव में उन्हें बढ़े हुए मतदाताओं के बावजूद महज 45 हजार 123 मत हासिल हुए और प्रतिशत की दृष्टि से वह खिसककर 41 प्रतिशत पर आ गए थे। पिछले चार चुनावों पर नजर डाली जाए तो जहां 1993 और 1998 के चुनाव में उन्होंने मतदाताओं के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखते हुए 57 प्रतिशत मत हासिल किए थे तो वहीं 2003 में यह खिसककर 47 पर और 2008 में 41 प्रतिशत पर आ गया था। प्राप्त मतों की घटती संख्या और खिसकता मतदाता प्रतिशत यह स्पष्ट संदेश दे रहा था कि भाजपा के कमल पटेल की पकड़ क्षेत्र के मतदाताओं में घटती जा रही है। लेकिन इस समय तक चार बार के विधायक और दो बार युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष का दायित्व निभाने के साथ ही सरकार में मंत्री रह चुके कमल पटेल ने अपनी इस कमजोर होती जमीनी पकड़ को उतनी गंभीरता से नहीं लिया। परिणामस्वरुप 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा से ही दावेदारों की लम्बी कतार पार्टी के समक्ष अपनी दावेदारी प्रस्तुत करती नजर आने लगी तो वहीं कमल पटेल को भी अपना टिकिट पक्का कराने में काफी मशक्कत करना पड़ी। इस चुनाव में कांग्रेस ने फिर नए चेहरे के रुप में गुर्जर समुदाय से ही डॉ. रामकिशोर दोगने को अपना उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस की स्थानीय राजनीति से दूर सभी को साधने और साथ लेकर चलने की कवायद के चलते श्री दोगने चुनाव प्रचार दौरान ही अपनी पकड़ मजबूत करते नजर आ रहे थे। वहीं लम्बी राजनीतिक पारी खेल चुके कमल पटेल जहां अतिआत्मविश्वास और अपनी ही पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं की नाराजगी के चलते कमजोर प्रतीत हो रहे थे। बहरहाल इस चुनाव में उनके बढ़े हुए राजनीतिक कद के साथ ही जीत के प्रति जरुरत से ज्यादा आशान्वित होने तथा मतदाताओं के बीच कहीं जाने वाली बातों ने वोटों के अंतर को कम करना शुरु कर दिया था। जिसके चलते इस चुनाव में कुल 1 लाख 54 हजार 823 विधिमान्य मतों में से कमल पटेल मात्र 69 हजार 956 मत ही प्राप्त कर पाए जबकि कांग्रेस के डॉ. रामकिशोर दोगने ने 74 हजार 607 मत हासिल कर कमल पटेल को 4 हजार 651 मतों से पराजित कर दिया था। इस पराजय ने जहां भाजपा के कमल पटेल को आत्ममंथन करते हुए अपने अभेद गढ़ में सेंध लगाने वाले डॉ. दोगने की तुलना जनता के समक्ष खुद को पुनःस्थापित करने का अवसर दिया। जिसके परिणामस्वरुप 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी द्वारा पुनः उम्मीदवार बनाए जाने का कमल पटेल ने कोई कोर कसर बाकी न रखते हुए जीत हासिल करने के तमाम प्रयास किए। कांग्रेस ने इस चुनाव में अपने वर्तमान विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने को ही उम्मीदवार बनाया था। लेकिन तब तक कांग्रेस फिर धड़ों में विभाजित हो चुकी थी। इस बार श्री दोगने के साथ कांग्रेस का अग्रवाल गुट तो चुनाव मैदान में था लेकिन जिलाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पंवार एवं राजपूत समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले खिरकिया क्षेत्र के कांग्रेस नेता बद्री पटेल सांगवा भीतरखाने से समर्थन नहीं कर रहे थे। राजनीतिक दृष्टि से माना जा रहा था कि विधानसभा क्षेत्र के विश्नोई बाहुल्य मतदान क्षेत्रों में जहां लक्ष्मीनारायण पंवार के विरोध चलते भाजपा का पलड़ा भारी बना हुआ था तो वहीं खिरकिया क्षेत्र में राजपूत समाज के मतदाताओं ने भी कमल पटेल का साथ दिया था। इसी तरह नर्मदा के तटवर्तीय क्षेत्रों में जाट समाज एक बार फिर कमल पटेल के पक्ष में मैदान पकड़ चुकी थीजिसके फलस्वरुप श्री पटेल अपनी खोई हुई सीट को 6667 मतों से जीत हासिल कर प्राप्त करने में कामयाब रहे। इस चुनाव में उन्होंने 1 लाख 74 हजार 782 मतदाताओं में से 85 हजार 651 मत हासिल किए थे। जो प्रतिशत के मान से 49 प्रतिशत थे। 2003 से 2013 तक के चुनाव में कमल पटेल का जो मत प्रतिशत निरंतर खिसक रहा था वह इस चुनाव में पुनः ऊपर जाते हुए एक मजबूत स्थिति में पहुंच गया था। अब आने वाले विधानसभा चुनाव में अगर भाजपा अपने कद्दावर नेता कमल पटेल को ही उम्मीदवार बनाती है तो ऐसी स्थिति में कांग्रेस क्या फिर डॉ. रामकिशोर दोगने को मैदान में उतारती है या वर्तमान में कांग्रेस से दावेदारों की उभरकर आ रही लम्बी फेहरिस्त में से किसी नए चेहरे को मौका देती है यह तो अभी भविष्य के गर्भ में है। कमल पटेल वर्तमान प्रदेश सरकार में बतौर कृषि मंत्री इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे है तो ऐसी स्थिति में वह अपने क्षेत्र के मतदाताओं को अपनी कार्यशैली, व्यवहार और विकास कार्यों से कितना प्रभावित कर पाएंगे यह भी भविष्य के गर्भ में छुपा है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए यह कहना अनुचित नहीं है कि आने वाला विधानसभा चुनाव किसी भी राजनीतिक दल के लिए परसी हुई थाली के समान न होकर कड़े मुकाबले वाला होगा।

2023 की पहली तिमाही में पोको इंडिया फ्लिपकार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाला ब्रांड बना

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज़्यूमर टेक्नॉलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने घोषणा करके बताया कि यह 2023 की पहली तिमाही में फ्लिपकार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन ब्रांड बन गया है। पोको के सेल के ये प्रभावशाली आँकड़े पॉवर-पैक्ड पोको एक्स5 प्रो की अपार सफलता और एंट्री-लेवल मॉडल, पोको सी50 के कारण हैं, जो मार्च में फ्लिपकार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन मॉडल थे।इस उपलब्धि पर अपना उत्साह साझा करते हुए श्री हिमांशु टंडन, कंट्री हेड, पोको इंडिया ने कहा, ''हमें मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से हम बहुत उत्साहित हैं। हमें खुशी है कि 2023 की पहली तिमाही में फ्लिपकार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन ब्रांड्स की सूची में हम सबसे ऊपर हैं। यह सफलता हमारे उत्पादों में हमारे ग्राहकों के विश्वास का प्रमाण है क्योंकि हम उन्हें भिन्न-भिन्न मूल्य वर्गों में उच्च गुणवत्ता के स्मार्टफोन प्रदान करते हैं। अपने ग्राहकों की निष्ठा के लिए हम उनके आभारी हैं। हम भविष्य में इसी तरह से उपलब्धियाँ हासिल करते जाने के लिए आशान्वित हैं, और हम भारत में सबसे पसंदीदा स्मार्टफोन ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखेंगे।''पोको इंडिया सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं से युक्त स्मार्टफोन पेश करने पर केंद्रित है, जो ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप हों और भारत के प्रतिस्पर्धी स्मार्टफोन बाजार में ब्रांड की तीव्र वृद्धि में मदद करें।

एमएक्स प्लेयर ने 'वाउ वूमेन आफ व्रेसटिंग' पेश किया

मुंबई, एजेंसी। अपने विशाल कंटेंट पोर्टफोलियो में विविधता लाने और उसे मजबूत करने के लिए, एमएक्स प्लेयर - भारत का नंबर1 ओटीटी प्लेटफॉर्म ने पैरामाउंट ग्लोबल कंटेंट डिस्ट्रीब्यूशन के साथ मिलकर भारतीय दर्शकों के लिए 'वाउ वूमेन आफ व्रेसटिंग' पेश किया। भारतीय मनोरंजन सुपर ऐप, एमएक्स प्लेयर ने सफल सभी-महिला कुश्ती श्रृंखला के नए सीज़न को लाइसेंस दिया है, जिसमें 52 एपिसोड के स्ट्रीमिंग अधिकार शामिल हैं, जिसमें प्रत्येक एपिसोड एक घंटे की अवधि का है। 'वाउ वूमेन आफ व्रेसटिंग' एक विशिष्ट अखिल-महिला कुश्ती खेल शो है, जहां 'वाउ सुपर देयर नामक बुद्धिमान, निडर और प्रेरित महिलाओं का एक समूह चैंपियनशिप, न्याय के लिए अपनी लड़ाई को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से एक साथ आता है। ये सशक्त महिलाएं रिंग के अंदर प्रतियोगिताओं और प्रतिद्वंद्विता को सुलझाती हैं। किसी भी अन्य पेशेवर कुश्ती श्रृंखला के विपरीत, ×स39;वाह - कुश्ती की महिलाएं ; नाटक, भावनाओं, रोमांच औरमनोरंजन से भरपूर है। एमएक्स प्लेयर में, हमारे पास अपने दर्शकों को विभिन्न शैलियों में सर्वश्रेष्ठ के साथ पेश करने काट्रैक रिकॉर्ड है। 'वाउ वूमेन आफ व्रेसटिंग' के नए सीजन के लिए पैरामाउंट ग्लोबल कंटेंटडिस्ट्रीब्यूशन के साथ अपनी तरह का पहला स्पोर्ट्स डील उस दिशा में एक और कदम है। हमारा मानना है कि मजबूत और प्रेरक महिला पहलवानों के बारे में एक आकर्षक खेल मनोरंजन श्रृंखला हमारे दर्शकों के साथ प्रतिध्वनित होगी क्योंकि ''वाउ सुपर देयर 39; में से प्रत्येक की चुनौतियों, धैर्य और दृढ़ संकल्प की व्यक्तिगत कहानियां इतनी शक्तिशाली हैं कि यह निश्चित रूप से एक मनोरंजक श्रृंखला बनाती है।

रिलायंस कैपिटल की दूसरी नीलामी एक बार फिर टली

नयी दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में फंसी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) की मंगलवार को होने वाली दूसरी नीलामी को कर्जदाताओं ने टाल दिया है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने आरसीएल के लिए दूसरी ऑनलाइन नीलामी 11 अप्रैल को करने का कार्यक्रम तय किया था लेकिन इसे अब टाल दिया गया है। नई तारीख के बारे में अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इसके पहले पिछले हफ्ते भी नीलामी के दूसरे दौर को 11 अप्रैल तक के लिए टाला गया था। सूत्रों के मुताबिक, हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल, टॉरेंट इंवेस्टमेंट और सिंगापुर की ओकट्री ने दूसरे दौर की नीलामी में हिस्सा लेने की पुष्टि की हुई है। इसके पहले रिलायंस कैपिटल की बिक्री के लिए दिसंबर में ऑनलाइन नीलामी हुई थी जिसमें टॉरेंट इंवेस्टमेंट ने सर्वाधिक बोली लगाई थी। वहीं दूसरे स्थान पर रही आईआईएचएल ने नीलामी के बाद संशोधित बोली लगा दी जिसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 29 नवंबर, 2021 को रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को भंग करने के साथ नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त कर दिया था।

गर्मी की दस्तक से पहले ही पीक पर पहुंची आइसक्रीम की बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल गर्मी में आइसक्रीम की बिक्री बढ़ जाती है। गर्मियां खत्म होते ही बिक्री कम हो जाती है। लेकिन इस बार गर्मी की दस्तक से पहले ही आइसक्रीम की बिक्री ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आइसक्रीम की ताबड़तोड़ बिक्री हो रही है। आम तौर पर वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में वार्षिक बिक्री का 60 प्रतिशत या कुछ ब्रॉन्डों के लिए इससे भी ज्यादा हो सकता है। ग्रेविस फूड्स (बास्किन रॉबिन्स) के सीईओ मोहित खट्टर के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में सर्दियों के महीनों में भी मजबूत बिक्री दिख रही है। सर्दियों के महीनों में भी कंपनी की औसत बिक्री लगभग गर्मियों के महीनों में बिक्री के समान स्तर पर थी। जानकारों के मुताबिक, अब ऑफ सीजन में आइसक्रीम खाने का चलन बढ़ रहा है।

आइसक्रीम की बिक्री बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। इसकी एक वजह अब आइसक्रीम की आसानी से उपलब्धता है। अब कई कंपनियां आइसक्रीम की घरों में 10 मिनट में डिलीवरी कर रही हैं। लोगों के पास अब अच्छे फ्रीज भी हैं। इसमें आइसक्रीम को आसानी से स्टोर किया जा सकता है। इंडियन डेयरी एसोसिएशन के अध्यक्ष आरएस सोढ़ी के मुताबिक, आइसक्रीम की खपत में मौसमी बदलाव निश्चित रूप से कम हो रहा है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि घरों में आइसक्रीम की खपत बढ़ गई है। इसके अलावा, एक दशक पहले की तुलना में आज आइसक्रीम के कई फ्लेवर उपलब्ध हैं।

आइसक्रीम की सबसे बड़ी कंपनी अमूल ने हाल ही में कहा था कि वह देश में 100 आइसक्रीम पार्लर शुरू करने की योजना बना रही है, जो प्रीमियम आइसक्रीम फ्लेवर पेश करेगी। उद्योग स्तर पर, आइसक्रीम का बिजनस करीब 17 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। आजकल लोग अपनी छोटी-छोटी खुशियों को आइसक्रीम के साथ मनाना पसंद करते हैं। आज, लोगों के लिए आइसक्रीम का सेवन करने के कई अवसर हैं। कंपनियों के मुताबिक, इस साल महिला दिवस पर आइसक्रीम की बिक्री में बड़ा उछाल देखने को मिला था। देश का आइसक्रीम मार्केट 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का है।

प्योर ईवी ने छिंदवाड़ा में अपने नए ईवी डीलरशिप शोरूम की शुरुआत की

छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश)। देश के प्रमुख इलेक्ट्रिक व्हीकल 2-व्हीलर ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ईवी2डब्ल्यू ओईएम) में से एक, प्योर ईवी ने छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश में अपना नवीनतम ईवी डीलरशिप शोरूम- अरिहंत ऑटोमोटिव लॉन्च किया है। इसका उद्घाटन कार्यक्रम स्थानीय भाजपा नेता श्री बंटी साहू और सरपंच श्री जय सक्सेना की उपस्थिति में संपन्न हुआ। गोगिया अस्पताल, विष्णु नगर, छिंदवाड़ा के सामने परासिया रोड पर स्थित यह शोरूम एक प्रीमियम एक्सपीरियंस सेंटर है, जो प्योर ब्रांड की इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल्स और स्कूटर्स की रेंज की पेशकश करने के लिए प्रतिबद्ध है। डीलरशिप्स के अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से प्योर ईवी, न सिर्फ देश, बल्कि विदेशों में भी ईवी2डब्ल्यू की 60,000 से अधिक डिलीवरीज़ का सराहनीय आँकड़ा पार कर चुका है। कंपनी ने तेलंगाना में 1,00,000 वर्ग फुट में फैली हुई फैक्ट्री की स्थापना की है, जिसमें व्हीकल और इन-हाउस बैटरी मैन्युफैक्चरिंग डिविज़न्स शामिल हैं। कंपनी की योजना 120,000 यूनिट्स की वार्षिक वाहन उत्पादन क्षमता और 0.5 त्नङ्खद्ध की वार्षिक बैटरी उत्पादन क्षमता सहित 2,00,000 वर्ग फुट फैसिलिटी का विस्तार करने की है, जो वित्त वर्ष 24 के अंत तक तैयार हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्योर ईवी ने हाल ही में भारत की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल- द्गष्टश्चह्म्4द्बह्ल भी लॉन्च की है। छिंदवाड़ा में प्योर ईवी की डीलरशिप के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए, श्री रोहित वडेरा, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, प्योर ईवी, ने कहा, संसाधनों से भरपूर छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश का काफी तेजी से विकसित होने वाला शहर है। ऐसे में, हम यहाँ के स्थानीय समुदाय का अहम् हिस्सा बनने और प्योर ईवी की अपनी इस यात्रा को उनके साथ साझा करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह मध्य प्रदेश राज्य में हमारी 9वीं विशिष्ट डीलरशिप है, जो न सिर्फ मध्य प्रदेश के प्रति हमारे विश्वास और प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, बल्कि पूरे राज्य में हमारी उपस्थिति का विस्तार भी करती है। वे आगे कहते हैं, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्य प्रदेश, समर्पित ईवी नीति को अपनाने वाले कुछ चुनिंदा राज्यों में से एक है जो एक स्थायी ईवी इकोसिस्टम को बढ़ावा देने और इसे समृद्ध बनाने में सक्षम है। प्योर ईवी का साझा विज़न माननीय मुख्यमंत्री के विज़न के अनुरूप है, जिसमें राज्य और देश को स्थायी परिवहन के साधन उपलब्ध कराने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए पेट्रोल व डीजल व्हीकल्स से उत्सर्जन में कमी करते हुए इन्हें एक बेहतर स्थान के रूप में स्थापित करने की बात कही गई है। इन-हाउस विकसित प्रोडक्ट्स के तकनीकी पहलुओं और साथ ही साथ सर्विस नेटवर्क के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, श्री रोहित वडेरा ने कहा, प्योर ईवी को अपने रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर में प्रोडक्ट डिज़ाइन और विकास की एक मजबूत टीम का समर्थन प्राप्त है। भारतीय ग्राहकों की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी, हमेशा प्रमुख रिसर्च और डेवलपमेंट एक्टिविटीज़ को संरेखित करती है। इंडस्ट्री में सभी आवश्यक टूल्स और इक्विपमेंट्स के साथ अत्याधुनिक वर्कशॉप स्थापित करने के दृष्टिकोण के माध्यम से, हम अपने सम्मानित ग्राहकों को बिक्री के बाद सर्विस के सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं। प्योर ईवी वर्तमान में प्रमुख ईवी2डब्ल्यू ब्रांड्स में से एक है और देश भर में अपने डीलरशिप नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहा है।

वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे के दिन सेंसोड़ाइन ने समस्त भारतीयों को प्रोत्साहित किया

मुंबई, एजेंसी। सेंसोड़ाइन, हाउस ऑफ हेलियन के एक प्रमुख ओरल केअर ब्राण्ड, ने वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे के उपलक्ष्य में 13 से 31मार्च तक एक अभियान शुरू किया। बी सेंसिटिव टू ओरल हेल्थ नामक इस अभियान की शुरुआत उपभोक्ताओं को सक्रिय ओरल केयर की ज़रूरत के बारे में बताने के लिए तथा उन्हें दांतो की देखभाल की सलाह देने के लिए की गयी। आमतौर पर की जाने वाली दाँतों की सफाई और मुँह की देखभाल के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिएटीम सेंसोड़ाइन ने लगभग 500 डेंटल कैम्प लगाने की योजना बनायी, जिससे भारत के चारों संभागों के लगभग 70 शहरों में मौजूद 5000 रोगियों को लाभ मिला। साथ ही, 85 शहरों के 100 से भी अधिक डेंटल कॉलेजों और लगभग 3000 डेंटल क्लीनिक के साथ मिलकर सेंसोड़ाइन ने पूरे भारत में 1 लाख से भी अधिक उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त दंत चिकित्सक की सलाह देने की योजना बनायी।टीम सेंसोड़ाइन, प्रैक्टो के साथ साझेदारी कर 30,000 लोगों को मुफ़्त दंत चिकित्सा की सलाह देने का लक्ष्य बना रही है।

सुश्री अनुरीता चोपड़ा मार्केटिंग हेड - ओरल केअर, भारत उप-महाद्वीप हेलियन ने कहा - सेंसोड़ाइन उपभोक्ता शिक्षा के कारण, पिछले एक दशक से भी अधिक समय से भारत में भरोसेमंद ब्राण्ड रहा है। इस वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे पर हमारा मकसद लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की आवश्यकता के बारे में शिक्षित करना था, जिससे उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है, जबकि हम अपने पूरे शरीर के स्वास्थ्य का बहुत ध्यान रखते हैं, फिर भी हम अपने ओरल हेल्थ और स्वच्छता को नजरअंदाज करते हैं, कैटेगरी हेड - ओरल हेल्थकेयर-हेलियन ने भी इस अभियान की सफलता पर अपना उत्साह दिखाते हुए कहा कि, हम मानते हैं की हर कोई अच्छी ओरल केयर पाने का हकदार है, और इसलिए बी सेंसिटिव टू ओरल हेल्थ अभियान द्वारा हम भारतीयों को उनके ओरल हेल्थ का ध्यान रखने के लिए सही तरीका बताते हुए दंत चिकित्सा से जुड़ी सलाह देने में सफल हुए हैं।

बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती पर निशुल्क नेत्र शिविर 14 से

छिन्दवाड़ा । डॉ बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल से 30 अप्रैल तक नेत्र और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है भाजपा नेता एवं जन अधिकार सेवा समिति के अध्यक्ष संदीप रघुवंशी ने बताया कि कैंप में स्वास्थ्य की जांच के अलावा लाडली बहना योजना की केवाईसी फार्म इसी कैंप में भरवाए जा रहे हैं उन्होंने चौरई विधानसभा की मातृशक्ति, युवा शक्ति, नेत्र रोगियों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में स्वास्थ्य की जाँच कराएँउन्होंने बताया कि नेत्र से शिविर कैंप के स्थान 14 अप्रैल चंदनवाड़ा,15 अप्रैल परसोली,16 अप्रैल खमरा, 17 अप्रैल चांद, 18 अप्रैल पनिहारी,19 अप्रैल बिछुआ, 20 अप्रैल खामर पानी ,21 अप्रैल धनेगाव, 22 अप्रैल कपूर खेड़ा,23 अप्रैल करलई,24अप्रैल थोड़ा माल, 25 अप्रैल रामपुरी टोला,26 अप्रैल मेघदोन,27 अप्रैल रामगढ़,28 अप्रैल हीवर खेड़ी,29 अप्रैल कपुरदा 30 अप्रैल चौरई में समापन होगा।

दीपक बंदेवार बने सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष

छिंदवाड़ा । सेन समाज की बैठक एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन भोपाल स्थित विधानसभा विश्राम गृह खंड क्रमांक . 2 में संपन्न हुआ ण् इस कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश कार्यकारणी के पदाधिकारी एवं जिले के जिला अध्यक्ष प्रमुख रूप से शामिल हुए इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए सेन समाज विकास संगठन के संस्थापक प्रवीण सेन परमात्मा ने सेन समाज एवं दलितए पिछड़ा वर्ग की लगातार आवाज उठाने वाले युवा और कर्मठ नेता दीपक बंदेवार को युवा सेन समाज का राष्टीय अध्यक्ष बनाने के लिए प्रस्ताव रखा जिसमें सभी सामाजिक बन्दुओ ने सहमति जताते हुए दीपक बंदेवार को राष्टीय अध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा की।

15 अप्रेल को पटेल मंगल भवन में मनाई जायेगी महात्मा फुले जंयती

छिंदवाड़ा। महात्मा फुले समाजिक शिक्षण समिति के तत्वाधान मे अगामी 15 अप्रेल दिन शनिवार को दोपहर 2 बजे स्थानीय पटेल मंगल भवन मे महात्मा फुले जंयती के आयोजंन के साथ मी सावित्री बाई बोलतो टी.वी. कलाकार अपूर्वा सुनार, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर नेशनल बूमेन एक्सीलेंस अवार्ड एवं अहिल्या बाई होल्कर पुरूस्कार से सम्मानित द्वारा सावित्री बाई के जीवन पर आधारित मार्मिक नाटक का मंचन के साथ विदभ हास्य कलाकार विजय घाटोड द्वारा मी गंगु बाई बोलते हास्य नाटक का भी आयोजन करने समिति की बैठक मे निर्णय लिया गया है।

22. 50 लाख रुपए की लागत से संजीवनी क्लीनिक के निर्माण का भूमि पूजन

परासिया । परासिया के वार्ड क्रमांक 16 में दिन मंगलवार को लगभग 22~ 50 लाख रुपए की लागत से संजीवनी क्लीनिक के निर्माण का भूमि पूजन किया गया भूमि पूजन नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय जी के द्वारा किया गया भूमि पूजन कार्यक्रम में उपाध्यक्ष महेश सोमकुवर लोक निर्माण विभाग के सभापति पवन सूर्यवंशी वार्ड नंबर 17 के पार्षद पूनम कैथवास सभापति कुंती हुई के सभापति सुषमा चौरसिया वार्ड क्रमांक 2 की पार्षद रुकमा बनसोड़ भाजपा के मंडल अध्यक्ष राजेश दुबे एवं वार्ड के नागरिक अशोक शर्मा रवि विश्वकर्मा एवं वार्ड के वरिष्ठ नागरिक गण उपस्थित रहे। वार्ड के लोगों को सस्ता एवं सुलभ इलाज मिल सके इस उद्देश्य प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान ने संजीवनी क्लीनिक की योजना प्रारंभ की इसके तहत परासिया शहर को दो संजीवनी क्लिनिक प्राप्त हुए जोकि वार्ड नंबर 2 और वार्ड नंबर 16 में निर्मित हो रहे हैं संजीवनी क्लीनिक के निर्माण हो जाने पर वार्ड के एवं नगर के नागरिक गण अपना इलाज सुलभता से करवा पाएंगे वार्ड नंबर 16 में संजीवनी क्लीनिक के निर्माण से वार्ड के लोगों में अत्यंत हर्ष व्याप्त है नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा सभी वार्ड वासियों को संजीवनी क्लीनिक की सौगात दी गई एवं सभी को बधाइयां दी गई।

अनादि बुधोलिया छिंदवाड़ा आये

छिंदवाड़ा। उपवनमण्डलाधिकारी सारणी बैतूल के अनादि बुधोलिया की नवीन पदस्थापना सिल्लेवानी सामान्य वनमण्डल छिंदवाड़ा में किया गया।

छह माह से वेतन के लिये भटक रहे कर्मचारी

छिन्दवाड़ा । भाजपा की जनविरोधी, कर्मचारी विरोधी, युवा विरोधी, किसान विरोधी और महिलाओं को अपमानित करने वाली मानसिकता का एक और उदाहरण सामने आया है। भाजपा की सरकार में बीते छह माह से कर्मचारी वेतन के लिये भटक रहे हैं, किन्तु उन्हें केवल आश्वासन मिल रहा है, वेतन नहीं। ज्वाला ग्रामीण एवं स्वरोजगार संस्था में काम करने वाले महिला पुरुष कर्मचारियों को बीते छह माह से वेतन प्राप्त नहीं हुआ है, जिसके चलते उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है, कर्मचारियों के समक्ष परिवार का गुजर बसर करना मुश्किल हो चुका है। बिगड़ती आर्थिक स्थिति ने कर्मचारियों को चिंता में डाल दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान घोषणाओं में मस्त है और उनकी गलत नीतियों से जनता और कर्मचारी वर्ग त्रस्त है। कर्मचारियों के हितों में कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ ने श्रम विभाग का घेराव कर श्रम अधिकारी को ज्ञापन प्रस्तुत कर कर्मचारियों को अविलम्ब वेतन दिये जाने की मांग रखी। कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष फिरोज खान ने चेतावनी दी कि कर्मचारियों का वेतन जल्द से जल्द नहीं किया गया तो उग्र प्रदर्शन किया जावेगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय फिरोज खान, रेहान अंसारी व इरफान मंसूरी सहित कांग्रेस झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सीमाकंन व बंटवारा करने, सड़क निर्माण करने, भूमि का कब्जा दिलाने की मांग

जन सुनवाई: कलेक्ट्रेट में सुनी गई 350 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा । राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 350 आवेदकों की समस्यायें सुनी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये जिनकी उन्होंने पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने समक्ष में बैठाकर सुनवाई की । जनसुनवाई में मुख्य रूप से सीमाकंन व बंटवारा करने, सड़क निर्माण करने, भूमि का कब्जा दिलाने व आवासीय पट्टा प्रदाय करने, आर्थिक सहायता व किसान सम्मान निधि राशि दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। कलेक्टर श्रीमती पटले ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिये भी चिन्हांकित किया । जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम पाथरपूंजी के विनोद यादव ने दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना की राशि दिलाने, छिंदवाड़ा नगर की श्रीमती चंद्रकला मालवीय ने पति की आकस्मिक दुर्घटना से मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता राशि दिलाने, श्रीमती सरस्वती मोहबे ने विधवा पेंशन चालू कराने व श्री राजेश पाल ने शासकीय भूमि पर हुये अतिक्रमण की जांच कराने, ग्राम चारगांव के श्री झनकलाल चौरिया ने प्रधानमंत्री सम्मान निधि की राशि दिलाने, ग्राम कोल्हूखेड़ा के श्री सुरेश उईके ने ट्रायसायकल दिलाने, ग्राम करेर के सरपंच ने ग्राम पंचायत में जल संकट दूर करने के लिये बोरवेल कराने, ग्राम परतापुर के सरपंच ने ग्राम के तालाब का गहरीकरण, चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण कराने और पंचायत भवन निर्माण कराने, ग्राम सलैया के श्री रवि विश्वकर्मा ने कृषि ऋण माफ कराने, ग्राम परसगांव सर्रा के श्री ओमकार श्रीवास ने शासकीय भूमि पर बने मकान का भू-खंडधारक पट्टा देने, ग्राम उमरानाला की श्रीमती माधुरी बारंगे ने प्रधानमंत्री आवास योजना व शौचालय का लाभ दिलाने, ग्राम चिबलामऊ के सरपंच ने ग्राम चिबलामऊ से सुआआम तक सड़क निर्माण कराने, ग्राम अंजनी के श्री सुशील चौधरी ने टी.सी.दिलाने, ग्राम बगदरी के श्री रामानसिंह डेहरिया ने भूमि का सीमांकन करने, ग्राम नागलवाड़ी की सुश्री रूपा नारनोर ने घर के बाजू से लगे पुल को हटवाने, ग्राम अंबाड़ा बाजारमाल के मधुकर पांसे ने अंबाड़ा स्टापडेम की मरम्मत कराने, ग्राम रहेप के मौआढाना टोला के ग्रामवासियों ने मनरेगा से निर्मल नीर कुंआ बनवाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री पार्थ जैसवाल व एसडीएम श्री अतुल सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई, जबकि अन्य सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से शामिल हुये।

जनसुनवाई में समस्या सुनी, समाधान बताया और चाय भी पिलाइ

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा कंट्रोल रूम में आज अलग ही नजारा था... एसपी विनायक वर्मा जनसुनवाई कर रहे थे और लोग अपनी समस्या सुना रहे थे... एसपी श्री वर्मा समस्याओं का समाधान करते हुए आवेदकों को चाय भी पिला रहे थे। अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि अपनी समस्या लेकर आए आवेदकों को चाय-पानी पिलाकर उनकी समस्या का समाधान हो... पर छिंदवाड़ा कंट्रोल रूम में बैठे एसपी विनायक वर्मा ऐसा ही रूप में नजर आए। उनके साथ सीएसपी अमन मिश्रा, कोतवाली टीआई सुमेर जगेत, देहात टीआई गणपत सिंह उइके, कुंडीपुरा टीआई महेंद्र भगत भी थे।

किसानों से नरवाई का उपयोग खाद और भूसा बनाने में करने की अपील

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह, सहायक कृषि यंत्री और जिला प्रशासन द्वारा जिले के किसानों से नरवाई का उपयोग खाद और भूसा बनाने में करने एवं नरवाई में आग नहीं लगाने की अपील की गई है । यदि कोई कृषक नरवाई में आग लगाता है तो उसके विरूध्द दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान किया गया है। सहायक कृषि यंत्री ने बताया कि प्राय: देखा गया है कि किसान गेहूं की फसल कटने के बाद बचे हुये तने के अवशेष जिन्हें नरवाई कहते हैं, को आग लगाकर नष्ट कर देते हैं। नरवाई में आग लगाने से भूमि की उर्वरता नष्ट होती है और अग्नि दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, जबकि यदि फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा उन्हें भूमि में वापस मिला दिया जाये तो मृदा में कार्बनिक प्रदार्थ व पोषक तत्वों में वृध्दि होगी जिससे मृदा के भौतिक गुण में सुधार होता है । उन्होंने बताया कि मृदा स्वास्थ, पर्यावरण व फसल उत्पादकता को दृष्टिगत रखते हुये फसल अवशेषों को जलाने की अपेक्षा भूमि से मिला देने पर मृदा को बहुत लाभ होता है। फसल अवशेषों से प्राप्त कार्बनिक पदार्थ भूमि में जाकर मृदा पर्यावरण में सुधार कर सूक्ष्मजीवी अभिक्रियाओं को उत्प्रेरित करता है जिससे फसल उत्पादन में वृध्दि होती है । उन्होंने बताया कि गेहूं कटाई के दौरान किसान कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्री मेनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रॉ रीपर का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। यह सिस्टम नरवाई को बारीक कर देता है जिससे कटाई के बाद रोटावेटर अथवा मल्चर से आसानी से मिट्टी में मिलाया जा सकता है । इसी प्रकार स्ट्रॉ रीपर फसल अवशेष को काटकर भूसा में बदल देता है जिसका उपयोग पशुओं के चारा के रूप में और अतिरिक्त आय के साधन के रूप में किया जा सकता है ।

जिला अस्पताल में दवाइयां नहीं मरीज हो रहे परेशान

छिंदवाड़ा । सक्रिय समाजसेवी रिंकू रितेश चौरसिया ने बताया की जिला अस्पताल की हालत बहुत ज्यादा बद्दत्तर हो चुकी है,, चहू और गंदगी अपने पैर पसारे हुए हैं, बाथरूम लैट्रिन की हालत तो देखते बनती है। मोदी जी के स्वच्छता अभियान की यहां धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। ऑन ड्यूटी पर डॉक्टर तैनात नहीं होते हैं ,,नर्स वार्डबॉय उपलब्ध नहीं होते है। मरीज घंटों लाइन में खड़े होने के उपरांत जैसे तैसे डॉक्टर साहब आते हैं और दवाइयां पर्ची पर लिखते हैं, तो जिला अस्पताल छिंदवाड़ा में मरीजों को दवाइयां उपलब्ध नहीं हो पा रही है। जिससे मरीज एवं उनके परिजन यहां वहां परेशान हो रहे हैं। यहां प्रश्न खड़ा होता है की जो दवाइयां मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है वह दवाइयां आखिर कहां जा रही है। हमारे विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है कि बहुत से डॉक्टरों की कमीशन मेडिकल स्टोरों से बंधी हुई है,, और वे चाहते कि मरीज प्राइवेट मेडिकल से ही दवाइयां खरीद करके लाए। जिससे इनकी ऊपरी कमाई हो सके,, जागते रहो ग्रुप खून का रिश्ता ग्रुप के सक्रिय रक्तदाता मोनिस खान जी अपना उपचार करवाने के लिए जिला अस्पताल छिंदवाड़ा पहुंचे, जहां डॉक्टर द्वारा दवा लिखे जाने पर वह अस्पताल के दवा डिपो पर पहुंचे किंतु उन्हें दवाइयां नहीं मिली और उन्हें कहा गया कि प्राइवेट मेडिकल स्टोर से आप खरीद करके लाए। दवा को लेकर के दवा डिपो वाले ने मोनिस खान से काफी हुज्जत बाजी की जिसकी माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 में शिकायत दर्ज की गई।

10 होम्योपैथी विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों में 4656 रोगी हुये लाभान्वित

268वी हेनिमैन जयंती के उपलक्ष्य में छिंदवाड़ा में संपन्न

छिन्दवाड़ा । राज्य शासन के आयुष विभाग द्वारा विश्व होम्योपैथिक दिवस व 268वी हेनिमैन जयंती के उपलक्ष्य में %%होम्यो परिवार सर्वजन स्वास्थ्य वन हेल्थ वन फैमिली थीम पर गत दिवस जिला चिकित्सालय परिसर के गेट नंबर-2 के साथ ही जिले के 9 होम्योपैथी औषधालयों में निःशुल्क होम्योपैथिक शिविर संपन्न हुये । इन शिविरों में 4 हजार 656 रोगी लाभान्वित हुये जिनका परीक्षण कर निःशुल्क औषधि प्रदान की गई ।प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ.प्रमिला यावतकार ने बताया कि जिला चिकित्सालय परिसर के गेट नंबर-2 में 884, होम्योपैथी जिला चिकित्सालय नवेगांव में 367, मैनीखापा औषधालय में 292, पंढरी औषधालय में 431, खैरीतायगांव औषधालय में 562, रिधौरा औषधालय में 509, जोबनीखापा औषधालय में 545, जाम सांवली औषधालय में 360, सौंसर औषधालय में 385 और चिचखेड़ा औषधालय में 321 रोगियों का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क औषधि प्रदान की गई। शिविरों में रोगियों का उपचार कर उन्हें होम्योपैथी की जानकारी भी प्रदान की गई। सभी शिविरों में कोरोना से बचाव के लिए आर्सेनिक अल्बम का वितरण करने के साथ ही आयुष क्योर एप्प का प्रचार भी किया गया।

जामसांवली मंदिर में संपन्न होम्योपैथी शिविर

विश्व होम्योपैथी दिवस के उपलक्ष्य में जिला आयुष अधिकारी डॉ.प्रमिला यावतकर के दिशा निर्देशन में गत दिवस जामसांवली मंदिर में संपन्न निःशुल्क होम्योपैथी और आयुर्वेदिक शिविर में 360 मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिया गया । इस शिविर में डॉ.रश्मि रसेला और डॉ.नम्रता झांझोड़ द्वारा अपनी सेवायें दी गई।

हरनाखेड़ी की पुलिया दूर्घटना को दे रही आमंत्रण

हरनाखेड़ी/चांद । विगत कई वर्षों पहिले हरनाखेडी

नदी पर बनी पुलिया पिछले दस वर्षों से जर्जर अवस्था में है जो कभी भी भारी वाहनों के आवाजाही से टूट सकती हैं ओर निकट भविष्य में कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है,अभी प्रतिदिन आने जाने वाले वाहन को असुविधा तो होती है साथ में शाम के समय अक्सर फिसल जाया करते हैं क्योंकि पिछले साल रोड बनाने वाली कंपनी व ठेकेदार ने पुलिया के वाजू नदी में मुरम डालकर पुलिया का काम छोड़ दिया है और उसी कच्ची, उखड़ी, घड्डे वाली रोड से लोगो व वाहनों का आना जाना प्रतिदिन रिस्क लेकर पिछले एक साल से कर रहे लेकिन पुलिया निर्माण का कार्य रोड ठेकेदार द्वारा अभी तक शुरू भी नहीं किया गया है जबकि इस रोड व अन्य पुलिया का कार्य पिछले वर्ष ही पूर्ण कर लिया गया है जबकि इस जर्जर पुलिया व साइड कच्ची रोड को अनाथ भगवान भरोसे बड़ी दुर्घटना के लिए छोड़ दिया गया है।

छिंदवाड़ा से इंदौर चलाई जा सकती है बन्दे भारत ट्रेन

छिंदवाड़ा । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश भर में बन्दे भारत ट्रेन को हरी झण्डी दिखा रहे है, छिंदवाड़ा से इन्दौर बन्दे भारत ट्रेन चलाई जा सकती है, इससे भोपाल राजधानी एवं इन्दौर आर्थिक राजधानी से छिंदवाड़ा जुड़ जावेगा, छिंदवाड़ा से सुबह एवं इन्दौर से शाम को छूट कर रात्रि में 10 बजे तक यह ट्रेन आ सकती है। बन्दे भारत ट्रेन के चलने से छिंदवाड़ा के व्यापार में वृद्धि होगी एवं राजधानी के कार्य आसान होंगे।

सिवनी की संघर्ष समिति ने लिखा खून से पत्र

छिंदवाड़ा सिवनी नैनपुर ट्रेन के नहीं चलने से जनता में आक्रोश बहुत है, सिवनी की रेल संघष समिति ने खून से पत्र लिखकर रेल मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है, वरिष्ठ नागरिक संध के गतिविधियां हो रही है, किन्तु भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां चुप है।

छिंदवाड़ा से नैनपुर रेल लाईन की सी.एस.आर भी हो चुका है, बताया जाता है कि छिंदवाड़ा से ट्रेन चलने की फाईल पी.एम.ओ के पास है। पी.एम.ओ जगाने के लिए पाटियों को आवाज उठाना चाहिये।

कांग्रेस चुप क्यो है ?

छिंदवाड़ा से सांसद नकुलनाथ है छिंदवाड़ा से शीघ्र ट्रेन चलाने हेतु उन्हें रेल मंत्री से मिलना चाहिये किन्तु कांग्रेस चुप है।

ज्योतिबा फुले के बताये मार्ग पर चले: शीतला पटले

समता विकास समिति ने मनाई जयंती

छिंदवाड़ा डॉक्टर अबेडकर समता विकास समिति के अध्यक्ष सुभाष नागले एवं महासचिव सतीश गोंडाने द्वारा बताया गया कि, महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के उपलक्ष में डॉक्टर अंबेडकर समता विकास समिति के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में आदरणीय कलेक्टर महोदया श्रीमती शीतला पटले विशेष रूप से बुद्ध विहार अंबेडकर नगर छिंदवाड़ा मैं उपस्थित रही और उन्होंने ज्योतिबा फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। प्रोफेसर नीलेश मिश्रा डॉक्टर, डॉ ज्योति ज्योति नागवंशी, डॉक्टर जगदीश पहाड़े अधिवक्ताओं ने भी महात्मा ज्योतिबा फुले के विचारों पर अपने वक्ता पर रखे। कलेक्टर के बौद्ध विहार में प्रथम आगमन पर उन्हें समिति के सदस्य द्वारा उनका स्वागत किया गया और उनको स्मृति चिन्ह भी दिया गया। कलेक्टर द्वारा तथागत भगवान बुद्ध को पुष्प अर्पण एवं मोमबत्ती का प्रज्वलन किया गया और बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किए गए। कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाएं एवं अंबेडकर अनुयाई उपस्थित रहे ।

बच्चों को गुड टच, बैड टच के बारे में जानकारी दी

दो सीलिंग फैन स्कूल में प्रदान किए

छिंदवाड़ा । राष्ट्र सेवा धर्म की संकल्पना लिए जन समुदाय के हित कार्यो की श्रृंखला में जन सेवा हिताय परिवार द्वारा संयोजक हर्षा बनोदे तोमर की अध्?यक्षता में छिन्दवाडा के नोनिया करबल स्थित शासकीय प्राथमिक शाला मालीपुरा में सेवा कार्य किया गया। इस कार्यक्रम में श्री राजेश खंडूजा जी द्वारा जन सेवा हिताय के माध्?यम से अपने माता-पिता स्?व. श्रीमति फूला देवी खंडूजा एवं स्व. किशनलाल खंडूजा की पुण्यतिथी एवं स्मृति में प्राथमिक शाला को 2 सीलिंग फैन दान स्?वरूप भेंट किए गए। गर्मी के आगाज में ही कक्षा में नवीन पंखे लगाए जाने से स्कूली बच्चों के चेहरे की मासूमियत भरी खुशी ने जन सेवा हिताय को आगे बढते रहने का हौंसला दिया। इस कार्यक्रम में जन सेवा हिताय की अध्यक्ष व संयोजक हर्षा बनोदे तोमर, प्रवक्ता रजिया मेंहगिया , राजेश खंडूजा , छिन्दवाडा के सुप्रसिद्ध गायक व नगर निगम छिन्दवाडा के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर बादल भारद्वाज , संजय भारद्वाज राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय हिंदू सेवा दल , प्रवीण वाडेकर, शंकर निमजे , शिक्षिका ममता नायडू, आरती मस्तकार एवं जन सेवा हिताय परिवार व समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

सब्सिडी खत्म करने सरकार ने लाया विद्युत संशोधन विधेयक: उपाध्याय

उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा भारी असर

छिन्दवाड़ा । प्रदेश में सुशासन और सर्वमंगल का झूठा राग अलापने वाले मुख्यमंत्री जिले व प्रदेश की जनता को छल रहे हैं। पहले से ही चौतरफा महंगाई की मार झेल रही जनता पर पुन~ महंगाई का बोझ डाल दिया है। आमजन की जेब काटने के लिये सरकार ने इस बार विद्युत संशोधन विधेयक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। इस बिल के माध्यम से जनता को विद्युत में मिलने वाली सब्सिडी को खत्म किया जा रहा है साथ ही बिजली की दरों में भी वृद्धि की जा रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने एक वर्ष में 12 बार बिजली की दरों में वृद्धि कर आम नागरिक पर बढ़े हुये बिजली बिलों का बोझ डाला है। चौतरफा महंगाई की मार झेल रही जनता पर पुन~ सरकार ने विद्युत संशोधन विधेयक लाकर विद्युत उपभोक्ताओं की जेब काटनी प्रारंभ कर दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा जनता के साथ की जारी इस लूट ने एक बार फिर प्रदेश की जनता पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ की योजना सौ रुपये में सौ यूनिट बिजली की यादें ताजा कर दी है।

जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मुकेश उपाध्याय ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से आरोप लगाते हुये कहा कि वर्तमान में ही मप्र विद्युत वितरण कंपनी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के इशारों पर बिजली की दरों में 1.65 प्रतिशत की वृद्धि कर आम उपभोक्ताओं पर बढ़े हुये बिजली बिलों का बोझ डाला है, अब राज्य सरकार बिजली संशोधन बिल के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को मिलने वाली सब्सिडी को भी खत्म करना चाहती है साथ ही विद्युत नियामक आयोग के अधिकार में कटौती कर सरकार अपनी मर्जी के अनुसार कभी भी बिलों में वृद्धि करने के लिये स्वतंत्र होगी और इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा, सरकार विद्युत नियामक आयोग के अधिकारों में कटौती सिर्फ इसीलिये कर रही है ताकि वह बिजली बिलों में अपनी मनमानी कर सके साथ ही इस विधेयक से बिजली के निजीकरण का रास्ता पूर्णरूप से साफ हो जायेगा।श्री उपाध्याय ने अपनी विज्ञप्ति में आगे कहा कि वर्तमान में तीनों विद्युत वितरण कंपनियों की तरफ से मप्र पावर मैनेजमेंट कम्पनी हर तिमाही फ्यूल कॉस्ट एडजेस्टमेंट के लिये अप्रूवल लेती थी, अब इस संशोधन के तहत बिजली कम्पनियां घटाये या फिर बढ़ाये गये फ्यूलकॉस्ट को लेकर साल के आखिरी में ही आयोग के समक्ष सत्यापन याचिका लेकर जायेगी और विद्युत नियामक आयोग का टैरिफ प्लान से नियंत्रण समाप्त हो जायेगा और विद्युत कम्पनियां पूरी तरह निरंकुश होकर मनमाना बिजली का बिल आम उपभोक्ता से वसूल करेगी इससे आमउपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा साथ ही ऑटसोर्स कर्मियों के रोजगार पर भी संकट आयेगा। उन्होंने इस विधेयक का विरोध करते हुये इसे तत्काल वापिस लेने की सरकार से मांग की है।

मरीजों को और वृद्धा आश्रम में फल वितरण, आम राहगीरों को छाछ शरबत तथा जरूरतमंदों को वस्त्र, राशन भेंट किया

अवतरण दिवस पर हजारों लोग लाभान्वित

छिंदवाड़ा । श्री योग वेदांत सेवा समिति के साथकों ने पुज्य संत श्री आशारामजी बापू क 87 वां अवतरण दिवस विश्व सेवा सत्संग दिवस के रूप में मनाया । जिले भर में जगह-जगह संकीर्तन यात्र निकाली गई , जिला चिकित्सालय में मरीजों को और ब्रद्ध आश्रम में फल वितरण, आम राहगीरों को छाल शरबत, तथा गरीब जरूरतमंदों को वस्त्र , राशन भेंट किया । पूरे शहर में बड़ी बड़ी होर्डिंग एवं ऑटो , बस में पोस्टर लगाए गए । खजरी आश्रम में आज कई दैवीय कार्य सम्पन्न हुए । सुबह से ही साशक भक्तों का तांता लगा रहा । साधी रेखा बहन का सत्संग सम्पन्न हुआ। साध्वी बहन ने बताया कि पूज्य बापूजी ऐसे पहले रात है जिनका अवतरण दिवस मनाया जाता है । वो भी गरीब , गुरुवों की सेवा कर के पूरे देश भर में जगह जगह यह आयोजन सम्पल हो रहे हैं । जिसमें जिले में हजारों तथा पूरे देश में करोड़ों करोड़ों लोगों के लाभावित संतों और भगवान काअवतरण इस धरा पर किसी विशेष उद्देश्य के निमित्त होता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला भाजपा आध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य ललिता विलाश घोघे, पत्रकार गोविन्द चौरसिया, मुख्य रूप से शामिल हुए शाम 4 बजे गुरुकुल से संकीर्तन यात्रा निकाली गई जिसने पूरे नगर को हरिमय किया कीर्तन यात्रा का जगह- जगह पर भव्य स्वागत हुआ । पिछले माह से जारी इस आयोजन में हजार से अधिक लोग लाभानित हुये। संचालक जयराम भाई गुरुकुल की संचालिका दर्शना खट्टर, युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोडे , युवा सेवा संघ के अध्यक्ष मदन मोहन , खजरी आश्रम के कराडे चुगलानी , धनाराम सनोडिया , विशाल चवुत्रे , शम्भूदयाल साहू . चैतराम रघुवंशी राजकुमार चोरियां महिला समिति से सुमन डोईफोडे , विमल शेरके , छाया सूर्यवंशी , डॉ . मीरा पराडकर , शंकुतला कराड़े , निर्मला पटेल, दीपा डोडानी आदि ने अपनी सेवाएं दी।

जुगाड़ जिंदाबाद...रोजी-रोटी के लिए हम साथ-साथ हैं....मजबूरी और जरूरत हर काम का रास्ता निकाल ही लेती है। राजधानी के जिन इलाकों में साप्ताहिक हाट लगती है, वहां हाथ ठेलों, गुमठिों को ऐसे ही ले जाया जाता है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान श्यामला हिल्स में नीम, आंवला और करंज के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ राघव जन कल्याण समिति के सदस्यों ने भी पौधे लगाए।

जनसुनवाई में किसान बोले, मांग नहीं मानी तो मंत्री से मिलेंगे, आत्म हत्या कर लेंगे

नर्मदापुरम। जिला मुख्यालय पर हुई जनसुनवाई में पहुंचे ग्राम गुनौरा के किसानों ने गुनौरा से उपार्जन केन्द्र हटाकर बरंडुआ करने पर नाराजी व्यक्त करते हुए पुन-गुनौरा को ही उपार्जन केन्द्र बनाने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गयी तो वे पीपल चौक पर आत्महत्या कर लेंगे। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में अपर कलेक्टर मनोज सिंह ठाकुर और जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत ने जनसुनवाई की।

ग्राम गुनौरा से आये जगदीश प्रसाद गौर ने कहा कि हम चार मंगलवार से लगातार आ रहे हैं और कलेक्टर हमारी सुनवाई ही नहीं कर रहे हैं। इस बार आये तो कलेक्टर मिले ही नहीं। उन्होंने कहा कि ग्राम गुनौरा में विगत 12 वर्ष से उपार्जन केन्द्र है, हमारी पात्र सोसायटी है, बावजूद इसके हमारे यहां उपार्जन केन्द्र नहीं बनाया। अधिकारी हमारी मांगों पर कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं।

इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि उपार्जन केन्द्र जिला उपार्जन समिति द्वारा परीक्षण के उपरांत ही बनाया

जाता है, दूसरे केन्द्र के लिए उपायुक्त सहकारिता से सहमति मिलने पर ही कुछ हो सकता है। इस पर किसान नाराज हो गये और कहा कि वे भोपाल तक अपनी मांग लेकर जाएंगे। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिला पंचायत सीईओ श्री एस एस रावत एवं अपर कलेक्टर नर्मदापुरम श्री मनोज सिंह ठाकुर ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर सुनवाई कर उनका निराकरण किया।

जनसुनवाई में आए 85 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती फरहीन खान, डिप्टी कलेक्टर संतोष कुमार तिवारी, डिप्टी संपदा सराफ, एसडीएम श्री आशीष कुमार पांडे सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस के एससी, एसटी, ओबीसी विभाग की 3 माह की रिपोर्ट तलब

कमलनाथ द्वारा अचानक जानकारी मांगने से मचा हड़कंप

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (एससी, एसटी, ओबीसी) सहित पार्टी के 15 विभाग और 42 प्रकोष्ठों की रिपोर्ट तलब की है। पिछले तीन महीनों की उन्होंने रिपोर्ट भेजने के सभी के अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं। नाथ की इस जानकारी से जिन विभागों और प्रकोष्ठों में काम नहीं हुआ हैं, उनमें हडकंप मच गया है।

कमलनाथ ने जनवरी से लेकर मार्च तक प्रदेश कांग्रेस के सभी विभागों और प्रकोष्ठों के अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्षों को इस संबंध में सात दिन के भीतर जानकारी भेजने को कहा है। इसमें इन सभी को विधानसभा

चुनाव के मद्देनजर जो-जो कार्यक्रम या धरना,प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं उन सभी की जानकारी देना होगी। यह जानकारी जिले वार देना होगी। इसकी एक पूरी रिपोर्ट तैयार कर पीसीसी को सभी अध्यक्ष भेजेंगे।

अचानक से मांगी गई इस रिपोर्ट को सात दिन के भीतर भेजने के निर्देश मिलने के बाद जो प्रकोष्ठ और विभाग सक्रिय नहीं हैं, उनके अध्यक्षों में हडकंप मच गया है। हालांकि अधिकांश विभागों और प्रकोष्ठों ने इन तीन महीनों में कुछ न कुछ आयोजन किया है, लेकिन उसका जनता में कितना इंपेक्ट गया है, यह बताना सबसे महत्वपूर्ण होगा।

एसटी के अध्यक्ष को आ सकती है परेशानी

इस रिपोर्ट को बनाने में एसटी विभाग के अध्यक्ष रामू टेकाम को परेशानी आ सकती है। उनकी नियुक्ति कुछ दिनों पहले ही हुई है। उनसे पहले इस विभाग के अध्यक्ष ओमकार सिंह मरकाम थे। रामू टेकाम को उनसे संपर्क कर अपनी रिपोर्ट तैयार करना होगी।

भााजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने सतना में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया और संगठन को लगातार मजबूत करने में जुटे रहने का आह्वान किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

ओबीसी का हक मार रही सरकार: लोकेंद्र

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने फैसला लिया है कि प्रदेश के सभी ट्रांसजेंडर्स को सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ दिया जाएगा और उन्हें यह लाभ ओबीसी वर्ग को मिलने वाले आरक्षण में से दिया जाएगा। ओबीसी के लिए संघर्ष कर रहे युवा नेता लोकेंद्र गुर्जर ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा- इस फैसले से एक बार फिर बीजेपी का पिछड़ा वर्ग विरोधी चेहरा सामने आ गया है। प्रदेश में सबसे अधिक 52 फीसदी ओबीसी है जबकि देश मे सबसे कम 14 फीसदी आरक्षण एमपी में ही मिल रहा है अब 30 हजार ट्रांसजेंडर्स को भी इसी में से आरक्षण देकर हमारा ही हक मारने का कुत्सित प्रयास बीजेपी सरकार कर रही है इस सरकार ने पहले से ही ओबीसी वर्ग का हक छीनने का काम किया है और अब ट्रांसजेंडरों को भी ओबीसी में शामिल कर 14 प्रतिशत आरक्षण को समेटने का काम किया जा रहा है।

भोपाल नगर निगम देश का पहला निगम जहां एप के जरिए जमा हो सकेगा प्रॉपर्टी टैक्स

भोपाल। भोपाल नगर निगम देश का ऐसा पहला नगर निगम होने जा रहा है। जो सैप ईआरपी के बजाए अब एस 4 हाना पर काम करेगा। इससे नगर निगम के प्रॉपर्टी टैक्स और पानी का बिल सहित अन्य टैक्स एप के जरिए जमा हो सकेंगे। इस एप को शुरू होने में लगभग 2 महीने का समय लगेगा। बीएमसी ने 2008 में एसएपी ईआरपी पर काम शुरू किया था। सैप ईआरपी से एस 4 हाना पर डाटा की शिफ्टिंग का काम चल रहा है। 16 तारीख की रात तक यह पूरा हो जाएगा और 17 तारीख की रात तक शुरू हो जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि अफसरों को फाइलें अपने मोबाइल पर भी दिखने लगेंगी और जिन फाइलों के निपटारे के लिए उन्हें दफ्तर में बैठना पड़ता है उसे वे फील्ड में रहते हुए भी निपटा सकेंगे। बताया जा रहा है कि हाला हार्ड डिस्क की बजाए रैम पर चलता है। इससे कंप्यूटर पर काम ही गति दोगुनी हो जाएगी। फिलहाल निगम दफ्तर में एनओसी आदि के काम में कंप्यूटर पर जो काम दो मिनट में होता है, वह एक मिनट में हो जाएगा।

अनिल बूलचंदानी इंटरनेशनल सिंधी समाज के उपाध्यक्ष बने

हिरदाराम नगर। राजधानी के जाने माने विचारक और बापू के नाम से प्रसिद्ध के वरिष्ठ समाज सेवी अनिल बूलचंदानी को इंटरनेशनल सिंधी समाज संगठन का नया उपाध्यक्ष बनाया गया है। प्रताप मोटवानी इसके इंटरनेशनल प्रेजीडेंट हैं। जबकि पुणे के डा. पीटर पी दलवानी, महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री डा. गुरूमुख जगवानी, मुम्बई के मुरली अदनानी इसके मुख्य सलाहकार हैं। इसके अलावा देश व दुनिया की कई जानी मानी सिंधी हस्तियों को इस संगठन में शामिल किया गया है। श्री बूलचंदानी ने बताया कि इंटरनेशनल सिंधी समाज संगठन का मुख्य उद्देश्य सिंधी समाज में व्याप्त सामाजिक कमियों को दूर कर इसे सरकार से वाजिब हक दिलाने एवं रचनात्मक कार्यों में सिंधी समाज का सर्वाधिक उपयोग करना है। अनिल बूलचंदानी को संगठन का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर संत हिरदाराम नगर की सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के संरक्षक प्रकाश मीरचंदानी, ईश्वरलाल हिमथानी, अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, उपाध्यक्ष संत नरेश पारदासानी, नरेश चोटरानी, शिक्षाविद आनंद सबधाणी आदि ने बधाई दी है।

51 विभागों में सीएम की 1188 घोषणाएं लंबित, विभागों को तीस अप्रैल का टार्गेट

भोपाल। प्रदेश के 51 सरकारी विभागों में मुख्यमंत्री द्वारा की गई 1188 घोषणाएं लंबित है। इनमें से 27 विभागों में तो दस से अधिक घोषणाएं लंबित है। मुख्यमंत्री सचिवालय ने सभी विभागों को तीस अप्रैल तक का मौका दिया है कि जो घोषणाएं पूरी करना संभव है और बजट की दिक्कत भी नहीं है उन्हें शीघ्र पूरा करे और जिनमें बजट या अंतरविभागींय मुद्दों के कारण दिक्कत आ रही है तो उनका समाधान निकाले। इसके अलावा जो किसी अन्य विभाग से संबंधित है तो उन्हें संबंधित विभाग में अंतरित करने का अनुरोध किया जाए। मुख्यमंत्री ने सर्वाधिक 425 घोषणाएं नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत की है। इनमें से अभी सर्वाधिक 215 घोषणाएं लंबित चल रही है। दूसरे नंबर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग है यहां की गई 285 घोषणाओं में से 127 लंबित चल रही है। लोक निर्माण विभाग में 162 में 108 और स्कूल शिक्षा विभाग में 123 में से 79 अभी लंबित चल रही है।

27 विभागों में दस से अधिक घोषणाएं पूरी नहीं

वन, अनुसूचित जाति कल्याण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, महिला एवं बाल विकास, सहकारिता, उर्जा, चिकित्सा शिक्षा,रोजगार, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार,कृषि, नर्मदा घाटी विकास, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, पर्यटन, जलसंसाधन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, गृह, खेल एवं युवा कल्याण, सामान्य प्रशासन, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य, संस्कृति, राजस्व, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास।जेल विभाग में एक और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़ी दस घोषणाएं मुख्यमंत्री ने की थी। इन विभागों ने सभी पर अमल करते हुए सीएम की घोषणाएं पूरी करने में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। तीस अप्रैल तक विभागों को यह कार्यवाही करना जरुरी-साध्य घोषणाएं जिनके क्रियान्वयन के लिए बजट की दिक्त नहीं लेकिन लंबित है तो उन्हें चिन्हित कर, समीक्षा की जाए और इनका शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं।

देवी पूजा के दौरान जलते कोयले पर 10 मीटर तक चले संबित पात्रा

पुरी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा मंगलवार को ओडिशा के पुरी जिले में देवी पूजा में शामिल हुए. इस दौरान वे जलते कोयले पर चले. बता दें कि पुरी में झामू जात्रा में जलते कोयले पर चलने की परंपरा है. इसी में शामिल होकर संबित पात्रा आग पर लगभग 10 मीटर तक चले।

इसको लेकर पात्रा ने ट्वीट कर लिखा, शक्ति पूजा हमारी सनातन संस्कृति एवं परंपरा का अहम हिस्सा है, पुरी जिले के समंग पंचायत के रेबती रमण गांव में आयोजित यह दण्ड और झामू यात्रा इसी प्राचीन परंपरा का प्रतीक है. इस तीर्थयात्रा में अग्नि पर चलकर मां की पूजा-अर्चना एवं आशीर्वाद प्राप्त कर खुद को धन्य अनुभव कर रहा हूं। शक्ति पूजा हमारी सनातन संस्कृति एवं परंपरा का अहम हिस्सा है, पुरी जिले के समंग पंचायत के रेबती रमण गांव में आयोजित यह दण्ड और झामू यात्रा इसी प्राचीन परंपरा का प्रतीक है।

शक्ति पूजा हमारी सनातन संस्कृति एवं परंपरा का अहम हिस्सा है, पुरी जिले के समंग पंचायत के रेबती रमण गांव में आयोजित यह दण्ड और झामू यात्रा इसी प्राचीन परंपरा का प्रतीक है।

इस तीर्थयात्रा में अग्नि पर चलकर मां की पूजा-अर्चना एवं आशीर्वाद प्राप्त कर, खुद को धन्य अनुभव कर रहा हूँ। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि उन्होंने लोगों के कल्याण और क्षेत्र में शांति के लिए मां से आशीर्वाद लिया और आग पर चला हूं. पात्रा ने ट्वीट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्हें आग पर चलते हुए देखा जा सकता है. इस दौरान मौके पर तमाम ग्रामीण भी मौजूद थे।

परंपरा के अनुसार, झामू जात्रा एक ऐसी तपस्या है, जिसमें भक्त अपनी इच्छाओं-मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए देवी मां को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अर्चना करते हैं, इसके लिए परंपरा के अनुसार आग पर चलकर या अपने शरीर पर नाखून छिदवाते हैं. बता दें कि संबित पात्रा ने साल 2019 के लोकसभा चुनाव में पुरी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था, लेकिन वह बीजद के पिनाकी मिश्रा से 10,000 मतों के अंतर से हार गए थे.